राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण मंगलवार 15 अप्रैल 2025 वर्ष-8,अंक-55 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कांग्रेस शासनकाल में ब्लैकआउट आम बात थी, अब ऐसा नहीं : पीएम मोदी

यमुनानगर।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को हरियाणा के यमुनानगर में आयोजित एक कार्यक्रम में कांग्रेस पार्टी पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि आज जब देश ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है, तब हमें कांग्रेस के शासनकाल के वे दिन नहीं भूलने चाहिए जब पूरे देश में ब्लैकआउट आम बात थी।

पीएम मोदी ने कहा, हमें कांग्रेस के दिनों को भी भूलना नहीं चाहिए। हमने 2014 से पहले जब कांग्रेस की सरकार थी, तो हम वो दिन भी देखे हैं जब पूरे देश में ब्लैकआउट होते थे, बिजली गुल हो जाती थी। अगर कांग्रेस की सरकार रहती, तो देश को आज भी ऐसे ही ब्लैकआउट से गुजरना पड़ता। न कारखाने चल पाते, न रेल चल पाती, न खेतों में पानी पहुंच पाता, यानी कांग्रेस की सरकार रहती, तो ऐसे ही संकट बने रहते।

कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ने दीनबंधु छोटूराम थर्मल पावर प्रोजेक्ट की तीसरी इकाई की शुरुआत की, जिससे यमुनानगर और आस-पास के औद्योगिक क्षेत्रों को विशेष लाभ मिलने की उम्मीद है। इस पावर प्लांट की खासियत बताते हुए पीएम मोदी ने कहा कि हरियाणा में इस समय 16,000 मेगावाट बिजली का उत्पादन हो रहा है और आने वाले वर्षों में इसे 24,000 मेगावाट तक पहुंचाने का लक्ष्य है। उन्होंने यह भी कहा कि बिजली उत्पादन के साथ-साथ हम देश के नागरिकों को पावर जनरेटर बना रहे हैं। इस दिशा में पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना की शुरुआत की गई है, जिसके तहत लोग अपनी छतों पर सोलर पैनल लगाकर न केवल अपना बिजली बिल शून्य कर सकते हैं, बल्कि अतिरिक्त बिजली बेचकर आमदनी भी कर सकते हैं। अब तक देश के 1.25 करोड़ से अधिक लोग इस योजना के तहत रजिस्ट्रेशन कर चुके हैं और हरियाणा के लाखों नागरिक भी इससे जुड़ चुके हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने बताया कि इस योजना से एक नया इकोसिस्टम तैयार हो रहा है जिसमें नई स्किल्स, कंपनियों के लिए अवसर और युवाओं के लिए रोजगार के रास्ते खुल रहे हैं। उन्होंने कहा कि छोटे शहरों और गांवों में छोटे उद्योगों को ऊर्जा की आपूर्ति के साथ-साथ सरकार यह भी सुनिश्चित कर रही है कि उनके पास पूंजी की भी कोई कमी न हो। कोरोना काल के दौरान एमएसएमई को बचाने के लिए सरकार ने लाखों करोड़ों रुपए की सहायता दी। उन्होंने बताया कि छोटे उद्योगों के विकास के लिए एमएसएमई की परिभाषा भी बदली गई ताकि

जैसे-जैसे वे आगे बढ़ें, सरकारी सहयोग बना रहे। प्रधानमंत्री ने मुद्रा योजना की उपलब्धियों का भी उल्लेख किया और बताया कि पिछले दस वर्षों में इस योजना के तहत बिना किसी गारंटी के 33 लाख करोड़ रुपए के ऋण दिए जा चुके हैं। उन्होंने इस बात पर विशेष जोर दिया कि इनमें से 50 प्रतिशत से अधिक लाभार्थी एससी, एसटी और ओबीसी वर्गों से हैं।

ममता हिंदुओं को पलायन के लिए मजबूर कर रहीः गिरिराज

वक्फ कानून पर भ्रम फैला रहा विपक्ष

बेगूसराय । केंद्रीय मंत्री और बीजेपी ब्रांड नेता गिरिराज सिंह ने मुर्शिदाबाद में हुई हिंसा को लेकर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि यह हिंसा सरकार की नाकामी का सबूत है और ममता हिंदुओं को पलायन के लिए मजबूर कर रही हैं। साथ ही, उन्होंने वक्फ (संशोधन) अधिनियम 2025 को लेकर भ्रम फैलाने का आरोप लगाया। केंद्रीय मंत्री सिंह ने मुर्शिदाबाद की हिंसा को दुखद बताकर कहा कि यह घटना जम्मू-कश्मीर के 1990 के दशक की याद दिलाती है। उन्होंने कहा कि लोगों की दुकानें लूटी गईं, घर जलाए गए। पुलिस मूकदर्शक बनी रही। इतनी बड़ी घटना बिना सरकार के इशारे के नहीं हो सकती। ममता बनर्जी रक्षक थीं, लेकिन अब भक्षक बन गई हैं।

उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में लोगों को अपनी बात रखने का हक है, लेकिन संपत्ति और जान-माल की सुरक्षा राज्य सरकार की जिम्मेदारी है, इसमें ममता सरकार पूरी तरह विफल साबित हुई है।

उन्होंने कहा कि हिंसा ने बंगाल को बांग्लादेश से भी आगे पहुंचा दिया है। उन्होंने कहा कि ममता की नीतियां हिंदुओं को बंगाल छोड़ने पर मजबूर कर रही हैं। यह लोकतंत्र के लिए खतरनाक है। वक्फ कानून को लेकर हो रहे विरोध पर केंद्रीय मंत्री सिंह ने विपक्ष पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कुछ मौलानाओं और विपक्षी नेताओं, खासकर राहुल गांधी और असदुद्दीन ओवैसी, द्वारा लोगों में भ्रम फैलाया जा रहा है। वक्फ कानून में सुधार किया गया है। यह स्पष्ट है कि किसी की संपत्ति नहीं ली जाएगी। फिर भी भ्रम फैलाकर राजनीतिक फायदा उठाने की कोशिश हो रही है। कोई एक सबूत दिखाए कि यह कानून किसी के खिलाफ है।

पहला कॉलम

73 साल से अदालत में तारीख पर तारीख

- 1353 मुकदमे 50 साल से ज्यादा पुराने

नई दिल्ली । भारत की अदालतों में 73 साल पुराना एक मामला लंबित है।1153 ऐसे मामले हैं। जो 50 साल से अधिक समय से लंबित हैं। तीसरी पीढ़ी अब कोर्ट में मुकदमों को लड़ रही है। जिन्होंने मुकदमे दायर किए थे। वह परलोक सिधार गए हैं। अब उनके वंशज भारतीय अदालतों में न्याय पाने की लड़ाई विरासत के रूप में लड़ रहे हैं।कहा जाता है, जो न्याय देर से मिले वह न्याय नहीं, अन्याय होता है। जो न्याय समय पर मिल जाए, उसे ही न्याय माना जाना चाहिए। भारतीय अदालतों में अब न्याय के नाम पर अन्याय ही हो रहा है। अदालतों की महंगी फीस, वकीलों की महंगी फीस, कोर्ट कचहरी के चक्कर लगाते लोगों की घर संपत्ति बिक गई है। इसके बाद भी उन्हें न्याय नहीं मिल पा रहा है। जो मुकदमे न्यायालय में लंबित हैं। उनमें पक्षकारों की मौत हो चुकी है।उनके जो गवाह थे।उनकी भी मौत हो चुकी है। सिविल मुकदमा तीसरी पीढ़ी अब अदालतों में लड़ाई लड़ रही है। कुछ आपराधिक मामले भी हैं। जो पिछले कई दशकों से लंबित हैं। मुकदमों के बारे में ऑनलाइन रिकॉर्ड रखने वाली नेशनल ज्यूडिशरी डाटा ग्रेड से मिली जानकारी के अनुसार सबसे ज्यादा पुराने लंबित मामले पश्चिम बंगाल के हैं। 438 मामले 50 साल से ज्यादा पुराने हैं। राजस्थान में 12 मामले 50 साल से ज्यादा पुराने हैं। वहीं मध्य प्रदेश में तीन मुकदमे 50 वर्ष से ज्यादा के लंबित हैं। भारतीय न्याय व्यवस्था गरीबों के लिए शोषण और अन्याय का प्रतीक बन गई है।वहीं बड़े आदमियों के लिए न्याय व्यवस्था उनके अवैध कार्यों को संरक्षण देने का काम कर रही है।

भगौड़े कारोबारी चौकसी के वकील के बड़े बोल, मेरे मुवक्किल का प्रत्यर्पण आसान नहीं

नई दिल्ली। पंजाब नेशनल बैंक घोटाले के आरोपी भगौड़े कारोबारी मेहुल चोकसी को बेल्जियम में गिरफ्तार कर लिया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) के आग्रह पर शनिवार को उसकी गिरफ्तारी की गई। इस गिरफ्तारी पर चौकसी के वकील विजय अग्रवाल का कहना है कि उनके मुवक्किल प्रत्यर्पण आसान नहीं होगा। वकील अग्रवाल ने कहा, उनके लिए अपील दायर होगी, अगर कोई व्यक्ति वहां के इलाज से खुश है, तब शख्स को वहीं इलाज करवाना चाहिए। पत्नी, वकील और डॉक्टर को अपनी पसंद का विकल्प होना चाहिए। इसके अलावा, भारत में उनके लिए सुरक्षा जोखिम हैं और उनका मानना है कि जैसे ही वे आएंगे, उन्हें मानवाधिकारों के अनुसार उचित व्यवहार नहीं मिलेगा। वकील ने कहा, अगर वे (चोकसी) यहां आते हैं, तब देश में राजनीतिक और मीडिया के दबाव के कारण, निष्पक्ष सुनवाई संभव नहीं हो सकती है। उन्होंने कहा कि हम अपने मुवक्किल का चट्टान की तरह बचाव करने वाले है। हीरा व्यापारी मेहुल चोकसी चिकित्सा उपचार के लिए बेल्जियम गया था जिसके बाद से वह वहीं था। भारत छोड़ने के बाद से वह 2018 से एंटीगुआ में रह रहा था।

46 लाख रुपए की नंबर प्लेट खरीदी

तिरुवनंतपुरम । केरल के अरबपति उद्योगपति वेणु गोपाल कृष्णन ने चार करोड रुपए कीमत की लैंबॉर्गिनी उरूस कार खरीदी है। उन्होंने अपनी कार के लिए सबसे महंगी नंबर प्लेट खरीदी है। उनकी कार का नंबर केएल 07 डीजी 0007 उन्होंने परिवहन विभाग से आवंटित कराया है।007 जेम्स बॉन्ड की पहचान से जुड़ा हुआ है। जो भारत में बड़ा लोकप्रिय है। केरल में पहली बार किसी ने इतनी महंगी इस मॉडल की कार खरीदी है। लोकप्रियता के लिए इतनी महंगी नंबर प्लेट खरीदी है।सोशल मीडिया पर गोपाल कृष्णन ने यूनिक नंबर प्लेट से गाड़ी की पहचान को खास बनाया है। इस नंबर ने उनके सपने को पूरा किया है। वह अपने आप को जेम्स बांड जैसी फीलिंग में महसूस करते हैं।

आक्रांताओं ने हमारे आपसी मतभेदों का फायदा उठाया : मोहन भागवत

कानपुर।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने सोमवार को नवनिर्मित संघ भवन और भीमराव अंबेडकर सभागार का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि हम आपसी मतभेदों में उलझ गए और इसका विदेशी आक्रांताओं ने फायदा उठाया।

मोहन भागवत ने कहा, संघ केवल अपने लिए नहीं बल्कि समाज के लिए काम करता है, देश के प्रत्येक व्यक्ति के लिए काम करता है। भागवत ने विशाल जनसमूह की ओर देखते हुए कहा, यहां उत्सव का वातावरण कई बार आया, लेकिन इतनी भीड़ कभी नहीं देखी।

उन्होंने आगे कहा कि अपने समाज में लोग पिछले दो हजार वर्षों से आपसी स्वार्थों में लगे रहे, आपसी मतभेद भी रहे। इसके कारण विदेशी आक्रांताओं ने हमको पीटा और फायदा भी उठाया। संघ समाज के हर वर्ग को साथ लेकर चलता है और यह कार्यालय समाज में चल रहे अच्छे कार्यों को जोड़ने का केंद्र बनेगा।

मोहन भागवत ने कहा कि बाबा साहेब को जीवन में बड़ी विषमताओं का सामना करना पड़ा। उन्होंने बचपन से ही विषमता का सामना किया। उन्होंने जीवन भर समाज को एकजुट करने के लिए प्रयास किए।

संघ प्रमुख की 15 तथा 16 अप्रैल को संघ के छह आयाम में से एक सेवा विभाग के कार्यकर्ताओं के साथ बैठक होगी। इसमें पर्यावरण, सामाजिक समरसता के प्रांत स्तर के कार्यकर्ताओं के साथ अलग-अलग समय पर बैठक होगी। वह 15 अप्रैल को कानपुर के पूर्व भाग कोयला नगर और 16 अप्रैल को निराला नगर की शाखा में रहेंगे। इसके बाद 17 अप्रैल को संघ की प्रांत कार्यकारिणी के साथ, संघ शताब्दी वर्ष में संघ के पंच परिवर्तन, नागरिक कर्तव्य, पर्यावरण के अनुकूल जीवनशैली,

सामाजिक समरसता, पारिवारिक मूल्य, स्वबोध जैसे विषयों पर चर्चा करेंगे और प्रांत में उस दिशा में बढ़ रहे कार्यों की समीक्षा करेंगे।

कार्यक्रम के दौरान बताया गया कि नवनिर्मित चार मंजिल के संघ भवन को काफी अच्छे ढंग से बनाया गया है। भवन के बेसमेंट में पार्किंग के अलावा एक बड़ी लाइब्रेरी की स्थापना भी की गई है। पूरी बिल्डिंग में वेंटिलेशन का ध्यान रखा गया है। जगह-जगह खिड़कियां बनाई गई हैं। दिन में बिल्डिंग में लाइट जलाने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

भारत रत्न भीमराव अंबेडकर के विचारों को सबको अपनाना चाहिए : चिराग पासवान

पटना।

आज पूरा देश संविधान निर्माता बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर की जयंती मना रहा है। इस मौके पर केंद्रीय मंत्री और लोजपा (रामविलास) के प्रमुख चिराग पासवान ने कहा कि आज भीमराव अंबेडकर के विचारों को सभी को अपनाने की जरूरत है। पत्रकारों से बातचीत के दौरान केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने कहा कि यह एक ऐसा दिन है जिसमें लोग बाबासाहेब अंबेडकर के विचारों और उनके सिद्धांतों पर चलने की प्रेरणा लेते हैं। पासवान ने कहा, उन्होंने ना सिर्फ़ हमारे संविधान को बनाने का काम किया, बल्कि उनके सिद्धांतों से हमारे देश के ऐसे वर्ग के लोग मुख्यधारा के साथ जुड़ पाए जो लंबे समय तक हाशिए पर थे। उन्होंने ऐसे लोगों को मुख्यधारा से जोड़ने के लिए संविधान में जो प्रावधान बनाने का भी कार्य किया, मुझे लगता है कि उसी का परिणाम है कि मेरे जैसे लोग न केवल सांसद हैं बल्कि केंद्रीय मंत्रिमंडल में सदस्य भी हैं। उन्होंने आगे कहा कि मुझे लगता है कि यह वे विचार हैं जिन्हें सबको अपनाना चाहिए। समाज में किसी भी तरह के भेदभाव को हटाते हुए, हर व्यक्ति भारतीय होने की सोच के साथ आगे बढ़े, यही बाबासाहेब भी चाहते थे। आज उसी सोच के साथ लोजपा (रामविलास) भी आगे बढ़ रही है।

हिसार से हवाई सेवा की शुरुआत, लोगों ने पीएम मोदी को दिया धन्यवाद

हिसार।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को हिसार स्थित महाराजा अग्रसेन हवाई अड्डे से हवाई सेवाओं का शुभारंभ किया। इस ऐतिहासिक अवसर पर हिसार से अयोध्या के लिए पहली उड़ान रवाना हुई। यह हरियाणा के लोगों के लिए एक नए युग की शुरुआत मानी जा रही है।

इस कार्यक्रम में हरियाणा के कोने-कोने से हजारों की संख्या में लोग पहुंचे। जनसमूह का उत्साह देखते ही बनता था। गर्म धूप और तपती जमीन के बावजूद लोग पूरे जोश के साथ प्रधानमंत्री का भाषण सुनते रहे। आयोजन में पेयजल, भोजन और सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे।

हिसारवासियों के लिए यह क्षण बेहद भावुक और गौरवपूर्ण रहा। कई स्थानीय नागरिकों ने कहा कि उन्होंने कभी सपने में भी नहीं सोचा था कि हिसार से कभी हवाई यात्रा शुरू होगी, लेकिन आज वह सपना हकीकत बन गया है। कार्यक्रम में पहुंचे स्थानीय निवासी जय भगवान लाडवाल ने कहा, ऐसा लग रहा था मानो पूरा हरियाणा, हिसार में इकट्ठा हो गया हो। सिरसा, नूंह, भिवानी, रोहतक समेत हर जिले से लोग आए थे। पीएम मोदी ने देश में सात अजूबों जैसे काम किए हैं। जैसे गुजरात में स्टैच्यू ऑफ यूनिटी, जम्मू-कश्मीर में दुनिया की सबसे ऊंचाई पर बनी रेलवे लाइन और अब हिसार से हवाई सेवा की शुरुआत। पीएम मोदी को अपने परिवार से ज्यादा देश प्रिय है।

वहीं हास्य कवि नरेश कुमार जांगड़ ने कहा, यह रैली अपने आप में ऐतिहासिक थी।

इतने बड़े स्तर पर भीड़ और ऐसा अनुशासन बहुत ही कम देखने को मिलता है। कभी नहीं सोचा था कि हिसार से एयरप्लेन भी उड़ान भरेगा। यह सब प्रधानमंत्री मोदी की दूरदर्शिता और समर्पण का नतीजा है। स्थानीय नागरिकों ने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में प्रदेश में पारदर्शी और योग्यताओं पर आधारित भर्ती प्रक्रिया शुरू हुई है।

लोगों ने बताया कि जहां पहले कांग्रेस सरकार में पैसे और सिफारिश से नौकरी मिलती थी, वहीं अब बिना खर्ची-पर्ची के गरीबों के होनहार बच्चे सरकारी नौकरी पा रहे हैं।

मेहुल चोकसी की गिरफ्तारी मोदी सरकार की कूटनीति का कमाल : अर्जुन राम मेघवाल

नई दिल्ली।

केंद्रीय राज्य कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने मेहुल चोकसी की गिरफ्तारी को केंद्र सरकार की कूटनीति का कमाल बताया है। वहीं, केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी और बीजेपी सांसद बृजलाल ने इस गिरफ्तारी को मोदी सरकार की भ्रष्टाचार के प्रति जीरो टॉलरेंस नीति का नतीजा बताया। मेघवाल ने कहा कि यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सफल विदेश नीति और कूटनीति का परिणाम है। हमारी सरकार ने तहव्वुर राणा को भारत लाने में कामयाबी हासिल की और अब चोकसी को भी वापस लाने की दिशा में कदम उठाए जा रहे हैं। यह भारत के लिए गर्व की बात है।

केंद्रीय विधि और न्याय मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) ने ये बातें नई दिल्ली में डिपार्टमेंट ऑफ जस्टिस द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में बाबा साहेब को याद किया। उन्होंने कहा, आज बाबा साहेब की 135वीं जयंती है। संविधान निर्माता और भारत रत्न बाबा साहेब ने देश को एकता और समानता की नींव दी।

उन्होंने बताया कि पिछले साल डिपार्टमेंट ऑफ जस्टिस में बाबा साहेब की प्रतिमा का अनावरण राज्यसभा के डिप्टी चेयरमैन हरिवंश नारायण सिंह ने किया था। यह प्रतिमा न केवल विभाग को सुशोभित करती है, बल्कि राहगीरों को भी प्रेरित करती है। हमने स्वच्छता और संविधान जागरूकता जैसे कई कार्यक्रम आयोजित किए हैं, जैसे हमारा संविधान, हमारा सम्मान। इस स्थान का महत्व भविष्य में और बढ़ेगा।

मुर्शिदाबाद हिंसा को दुखद बताते हुए केंद्रीय राज्य मंत्री ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, ममता जी का कहना कि वक्फ अधिनियम लागू नहीं होगा, गलत है। संसद द्वारा पारित कानून पूरे देश में लागू होता है। अगर उन्हें कोई दिक्कत है, तो नियम बनाते समय सुझाव दे सकती थीं।

मेघवाल ने बताया कि केंद्र सरकार स्थिति पर नजर रखे हुए है और सभी जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट के उस फैसले पर, जिसमें राज्यपालों को बिलों पर तीन महीने में फैसला लेने का निर्देश दिया गया, मेघवाल ने कहा कि सरकार इसकी समीक्षा कर रही है।

राजस्थान में आज से अदालतों का बदल जाएगा टाइम, सुबह से होगी सुनवाई

जयपुर।

राजस्थान की अदालतों में 15 अप्रैल से समय बदल जाएगा। हाईकोर्ट से लेकर प्रदेश की अन्य अदालतों अब सुबह शिफ्ट में चलेगी। हाईकोर्ट में सुबह 8 बजे लेकर दोपहर 1 बजे तक और अधीनस्थ अदालतों में सुबह 8 बजे से दोपहर 12-30 बजे तक सुनवाई होगी। सभी अदालतें 27 जून तक सुबह की शिफ्ट में ही काम करेगी। प्रदेश में अदालतों की स्थापना के बाद से ही गर्मियों में कोर्ट्स मॉर्निंग शिफ्ट में संचालित होती है। जुलाई से फिर अदालतें अपने रूटीन समय पर संचालित की जाएंगी। नई समय सारिणी के मुताबिक हाईकोर्ट में रजिस्ट्री और अधीनस्थ अदालतों में कार्यालय का समय सुबह साढ़े 7 बजे से दोपहर 1 बजे तक रहेगा। अधीनस्थ अदालतों में जज के कोर्ट रूम के अलावा अपने चैम्बर में सुबह साढ़े 7 से 8 बजे तक और दोपहर को साढ़े 12 बजे से 1 बजे तक काम करेंगे।

उत्तराखंड का समान नागरिक संहिता कानून नए भारत की दिशा में निर्णायक कदम : सीएम धामी

हरिद्वार।

उत्तराखंड में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू करने के लिए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को डॉ. बीआर अंबेडकर महामंच ने हरिद्वार में आयोजित कार्यक्रम में सोमवार को सम्मानित किया। यह कार्यक्रम संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती पर हरिद्वार में बीएचईएल मैदान में आयोजित किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए।

सीएम पुष्कर सिंह धामी ने सम्मान के लिए आभार जताते हुए कहा कि इतनी बड़ी संख्या में उमड़ी जनता से जाहिर है कि जनता ने इस साहसिक फैसले पर अपना भरोसा जता दिया है। यह सम्मान सिर्फ एक व्यक्ति को नहीं, बल्कि उस विचारधारा को था, जिसने वर्षों से भारतीय समाज में न्याय और समानता की आवाज बुलंद की है। मुख्यमंत्री धामी ने भारत रत्न बाबा साहेब को एक युगदृष्टा बताते कहा कि अंबेडकर इस बात में विश्वास रखते थे कि जब तक देश के प्रत्येक नागरिक को समान अधिकार प्राप्त नहीं होते, तब तक समाज में सच्ची समानता संभव नहीं है। यही सोच थी, जिसने उन्हें समान नागरिक संहिता जैसी क्रांतिकारी अवधारणा को संविधान में स्थान देने के लिए प्रेरित किया। उत्तराखंड सरकार ने सिर्फ एक कानून नहीं लागू किया, बल्कि सामाजिक न्याय और समानता की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया है। मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि वर्षों तक बाबा साहेब की उपेक्षा की गई, उनके विचारों को हाशिए पर रखा गया, जबकि आज का भारत उनके सपनों को अपनाने की ओर अग्रसर है। यह नया भारत है, जो न सिर्फ अपनी विरासत को सम्मान देता है, बल्कि साहसिक निर्णय लेकर नए मानदंड भी स्थापित करता है। हरिद्वार में उमड़ी यह भीड़ केवल उपस्थित लोगों का जमावड़ा नहीं है, यह एक जनआवाज है, जो कह रही है कि मुख्यमंत्री धामी के फैसलों पर जनता को भरोसा है और अब यह गूंज उत्तराखंड से निकलकर पूरे देश में सुनाई दे रही है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बेहाल वृद्धों के लिये आयोग बनना एक सराहनीय कदम

केरल योजना बोर्ड के आंकड़ों के अनुसार, दक्षिणी राज्य पूरे भारत की तुलना में अधिक तेजी से वृद्ध हो रहा है। 1961 में, केरल में 60 वर्ष से अधिक आयु के लोगों की संख्या कुल जनसंख्या का 5.1 प्रतिशत थी, जो राष्ट्रीय औसत 5.6 प्रतिशत से थोड़ा कम थी। हालांकि, 1980 के दशक तक, राज्य ने बाकी राज्यों को पीछे छोड़ दिया। 2001 तक यह हिस्सा बढ़कर 10.5 प्रतिशत हो गया, जबकि राष्ट्रीय औसत 7.5 प्रतिशत था। 2011 में यह 12.6 प्रतिशत था, जबकि राष्ट्रीय औसत 8.6 प्रतिशत था। केरल के योजना बोर्ड के अनुसार, 2015 में यह बढ़कर 13.1 प्रतिशत हो गया, जबकि राष्ट्रीय औसत 8.3 प्रतिशत था।

(लेखक- ललित गर्ग)

केरल भारत का पहला राज्य बन गया है जिसने वरिष्ठ नागरिकों के लिए आयोग स्थापित करने के लिए एक कानून पारित किया है। यह एक सराहनीय एवं स्वागत योग्य पहल होने के बावजूद एक बड़ा सवाल भी खड़ा करती है कि आखिर भारत के बुजुर्ग इतने उपेक्षित एवं प्रताड़ित क्यों है? केरल जैसे शिक्षित राज्य में ही इस आयोग को बनाने की जरूरत क्यों सामने आयी? केरल में क्यों सामाजिक सुरक्षा, स्नेह, सुरक्षा की वह छांव लुप्त होती जा रही है, जिसमें बुजुर्ग खुद को सुरक्षित महसूस कर सकें। क्यों केरल में ही बुजुर्ग सर्वाधिक अकेलेपन एवं एकाकीपन का संत्रास झेलने को विवश हो रहे है? केरल में कई बुजुर्ग लोगों को युवा पीढ़ी के हाथों गरीबी और दुर्व्यवहार का सामना करना पड़ रहा है। इस प्रांत में कई गांव ऐसे हैं जहां केवल बुजुर्ग ही बचे हैं, प्रश्न है कि ऐसा क्यों हो रहा है? यूं तो समूचे देश में बुजुर्गों की लगभग यही स्थिति बन रही है, जो सामाजिक व्यवस्था पर एक बदनुमा दाग है।

केरल योजना बोर्ड के आंकड़ों के अनुसार, दक्षिणी राज्य पूरे भारत की तुलना में अधिक तेजी से वृद्ध हो रहा है। 1961 में, केरल में 60 वर्ष से अधिक आयु के लोगों की संख्या कुल जनसंख्या का 5.1 प्रतिशत थी, जो राष्ट्रीय औसत 5.6 प्रतिशत से थोड़ा कम थी। हालांकि, 1980 के दशक तक, राज्य ने बाकी राज्यों को पीछे छोड़ दिया। 2001 तक यह हिस्सा बढ़कर 10.5 प्रतिशत हो गया, जबकि राष्ट्रीय औसत 7.5 प्रतिशत था। 2011 में यह 12.6 प्रतिशत था, जबकि राष्ट्रीय औसत 8.6 प्रतिशत था। केरल के योजना बोर्ड के अनुसार, 2015 में यह बढ़कर 13.1 प्रतिशत हो गया, जबकि राष्ट्रीय औसत 8.3 प्रतिशत था। अब, दक्षिणी राज्य में 60 वर्ष और उससे अधिक आयु के लगभग 4.8 मिलियन लोग हैं। इसके अलावा, बुजुर्ग समूह का 15 प्रतिशत 80 वर्ष से अधिक आयु का है, जो इसे बुजुर्ग लोगों के बीच सबसे तेज़ी से बढ़ने वाला आयु समूह बनाता है। 60 से अधिक आयु वर्ग में पुरुषों की तुलना में महिलाओं की संख्या अधिक है और उनमें से अधिकांश विधवाएं हैं। मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने बुधवार को पारित इस कानून की सराहना करते हुए कहा कि यह नया आयोग बुजुर्गों के अधिकारों, कल्याण और पुनर्वास पर ध्यान केंद्रित करेगा।

देश में बुजुर्गों की हालत दिन-ब-दिन जटिल होती जा रही है। केरल देश के सबसे शिक्षित राज्यों में शुमार होता है तो बुजुर्गों के प्रति बरती जा रही उपेक्षा, उदासीनता एवं प्रताड़ना में भी सबसे आगे है। लगभग 94 फीसदी साक्षरता वाले इस राज्य में बुजुर्ग शिक्षित युवाओं के पलायन का संत्रास झेल रहे हैं। राज्य के करीब 21 लाख घरों में युवाओं के पलायन करने के कारण सिर्फ बुजुर्ग बचे हैं। गांव के गांव पलायन का दंश झेलते हुए वीरान हो चुके हैं। लाखों घरों में सिर्फ ताले लटके नजर आते हैं। खाड़ी के देशों में जाकर सुनहरा भविष्य तलाशने की होड़ में इसी प्रांत के सर्वाधिक युवा है। भले ही इस प्रांत ने सर्वाधिक शिक्षा से प्रगतिशील सोच दी है, लेकिन अंतहीन भौतिक लिप्साओं को भी जगाया है, जिससे ही बुजुर्गों की उपेक्षा या उनको उनके हाल पर छोड़ देने की विकृत मानसिकता एवं त्रासदी उभरी है। वृद्धों की उपेक्षा देशभर में देखने को मिल रही है, हाल के वर्षों में केरल के बाद पंजाब-हरियाणा में भी नजर आ रही है। वैसे तो यह हमारे नीति-नियंताओं की नाकामी का भी परिणाम है कि हम युवाओं को उनकी योग्यता-आकांक्षाओं के अनुरूप रोजगार देश में नहीं दे पाए। उन्हें न अपनी जन्मभूमि का सम्मोहन रोकता है और न ही यह फिक्र कि उनके जाने के बाद बुजुर्ग माता-पिता का क्या होगा? एकाकीपन का त्रास झेलते केरल के इन गांवों में बुजुर्गों के पास पैसा तो है मगर समाधान नहीं है। कुछ वृद्धों के पास तो धन का अभाव भी इस समस्या को विकराल रूप दे रहा है। राज्य में वृद्ध लोगों की संख्या बढ़ने के साथ ही बुजुर्गों के अधिकारों पर लगातार हमले हो रहे हैं।

भारत में बुजुर्गों के साथ दुर्व्यवहार, उपेक्षा एवं उदासीनता एक बढ़ती चिंता का विषय है, उनका एकाकीपन एवं अकेलापन उससे बड़ी समस्या है। केरल के वृद्ध-संकट को महसूस करते हुए वहां की सरकार ने वरिष्ठ नागरिक आयोग बनाया है, जो एक सूझबूझभरा कदम है। लेकिन यह वक्त बताएगा कि भ्रष्ट अफसरशाही व घुन लगी व्यवस्था में ये आयोग कितना कारगर होगा? लेकिन फिर भी जिस राज्य में हर पांचवें घर से एक व्यक्ति विदेश चला गया है, वहां ऐसा आयोग एक सीमा तक तो समस्या के समाधान की दिशा में रोशनी बनेगा। जरूरत है सरकारी अधिकारी संवेदनशीलता एवं इंसानियत से बुजुर्गों की समस्याओं का समाधान करने के लिये आगे आये। केरल की सामाजिक न्याय मंत्री आर. बिंदु के अनुसार आयोग समृद्ध और निम्न आय वाले दोनों ही परिवारों के वृद्ध व्यक्तियों के शोषण की समस्या का महत्वपूर्ण समाधान करेगा। जो वरिष्ठ नागरिकों की देखभाल, उनकी गरिमा, कल्याण और जीवन की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए आवश्यक है। उम्र बढ़ने के साथ-साथ लोगों को अक्सर स्वास्थ्य में गिरावट, अकेलेपन और वित्तीय असुरक्षा जैसी चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। आवश्यक सहायता प्रदान करने से अधिक समावेशी और दयालु समाज बनाने में मदद मिलती है।

निस्संदेह, बुजुर्गों की आवश्यकताएं सीमित होती हैं। लेकिन उनका मनोबल बढ़ाने की जरूरत है। सबसे ज्यादा जरूरी उनकी स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याएं दूर करना है। बेहतर चिकित्सा सेवा व घर-घर उपचार की सहज उपलब्धता समस्या का समाधान दे सकती है। वैसे अकेले रह रहे बुजुर्गों को भी इस दिशा में पहल करनी होगी। सामाजिक सक्रियता एवं मनोबल इसमें सहायक बनेगा। नीति-नियंताओं को सोचना होगा कि अगले दशकों में देश युवा भारत से बुजुर्गों का भारत बनने वाला है। वर्ष 2050 तक भारत में साठ साल से अधिक उम्र के 34.7 करोड़ बुजुर्ग होंगे। क्या इस चुनौती से निपटने को हम तैयार हैं? क्या केरल की तरह अन्य राज्यों की सरकारें एवं केन्द्र सरकार लगातार बुजुर्गों से जुड़ी समस्याओं के लिये ठोस कदम उठायेगी? वसुधैव कुटुम्बकम् की बात करने वाला देश एवं उसकी नवपीढ़ी आज एक व्यक्ति, एक परिवार यानी एकल परिवार की तरफ बढ़ रहे हैं, वे अपने निकटतम परिजनों एवं माता-पिता को भी बर्दाश्त नहीं कर पा रहे हैं, उनके साथ नहीं रह पा रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट ने भी गतदिनों हाईकोर्ट के अनेक फैसलों को पलटते हुए सराहनीय पहल की है। जिनमें अब बुजुर्ग माता-पिता से प्रॉपर्टी अपने नाम कराने या फिर उनसे गिफ्ट हासिल करने के बाद उन्हें यूं ही छोड़ देने, वृद्धाश्रम के हवाले कर देने, उनके जीवनयापन में सहयोगी न बनने की बढ़ती सोच पर विराम लगेगा, क्योंकि यह आधुनिक समाज का एक विकृत चेहरा है।

संयुक्त परिवारों के विघटन और एकल परिवारों के बढ़ते चलन ने वृद्धों के जीवन को नरक बनाया है। बच्चे अपने माता-पिता के साथ बिल्कुल नहीं रहना चाहते। ऐसे बच्चों के लिए सावधान होने का वक्त आ गया है, सुप्रीम कोर्ट ने इसको लेकर एक ऐतिहासिक फैसला में कहा है कि अगर बच्चे माता-पिता की देखभाल नहीं करते हैं, तो माता-पिता की ओर से बच्चों के नाम पर की गई संपत्ति की गिफ्ट डीड को रद्द किया जा सकता है। यह फैसला माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों के भरण-पोषण और कल्याण अधिनियम के तहत दिया गया है, जिससे वृद्धों की उपेक्षा एवं दुर्व्यवहार के इस गलत प्रवाह को रोकने में सहयोग मिलेगा। नये विश्व की उन्नत एवं आदर्श संरचना बिना वृद्धों की सम्मानजनक स्थिति के संभव नहीं है। वर्किंग बहुओं के ताने, बच्चों को टहलाने-घुमाने की जिम्मेदारी की फिक्र में प्रायः जहां पुरुष वृद्धों की सुबह-शाम खप जाती है, वहीं वृद्ध महिला एक नौकरानी से अधिक हैसियत नहीं रखती। यदि इस तरह परिवार के वृद्ध कष्टपूर्ण जीवन व्यतीत कर रहे हैं, रुग्णावस्था में बिस्तर पर पड़े कराह रहे हैं, भरण-पोषण को तरस रहे हैं तो यह हमारे लिए वास्तव में लज्जा एवं शर्म का विषय है। ऐसे शर्म को धोने के लिये ही केरल सरकार का वरिष्ठ नागरिकों के लिए आयोग बनाना एवं सुप्रीम कोर्ट का संवेदनशील होना एक उजाला बना है, जिससे जीवन की संध्या को कष्टपूर्ण होने से निजात मिलने की उम्मीदें जगी है।

संपादकीय

बेहाल बुजुर्ग

केरल की गिनती देश के सबसे शिक्षित राज्यों में होती है। लेकिन आज 94 फीसदी साक्षरता वाले इस राज्य में बुजुर्ग शिक्षित युवाओं के पलायन का संत्रास झेल रहे हैं। राज्य के करीब 21 लाख घरों में युवाओं के पलायन करने के कारण सिर्फ बुजुर्ग बचे हैं। गांव के गांव पलायन का दंश झेलते हुए वीरान हो चुके हैं। लाखों घरों में सिर्फ ताले लटके नजर आते हैं। दरअसल, समुद्र तट से लगे इस राज्य में खाड़ी के देशों में जाकर सुनहरा भविष्य तलाशने की होड़ लगी रही है। शिक्षा ने जहां प्रगतिशील सोच दी है, वहीं अंतहीन भौतिक लिप्साओं को भी जगाया है। यह होड़ हाल के वर्षों में पंजाब-हरियाणा में भी नजर आ रही है। वैसे तो यह हमारे नीति-नियंताओं की नाकामी का भी परिणाम है कि हम युवाओं को उनकी योग्यता-आकांक्षाओं के अनुरूप रोजगार देश में नहीं दे पाए। उन्हें न अपनी जन्मभूमि का सम्मोहन रोकता है और न ही यह फिक्र कि उनके जाने के बाद बुजुर्ग माता-पिता का क्या होगा। एकाकीपन का त्रास झेलते केरल के इन गांवों में बुजुर्गों के पास पैसा तो है मगर समाधान नहीं है। सामाजिक सुरक्षा की वह छांव कहां, जिसमें बुजुर्ग खुद को सुरक्षित महसूस कर सकें। केरल के कई गांवों में लोग एक दिन हर बुजुर्ग का हाल पूछते हैं कि क्या वे सुरक्षित हैं। वे चर्च व पंचायतों में बैठकें करते हैं ताकि एक-दूसरे के हाल-चाल जान सकें। निश्चय ही ऐसे वैकल्पिक प्रयासों से सामाजिक सुरक्षा को संबल मिलेगा। बताते हैं कि मार्च माह के अंत में बुजुर्गों के इस एकाकीपन के संकट को महसूस करते हुए केरल सरकार ने एक वरिष्ठ नागरिक आयोग बनाने की घोषणा की है। यह वक्त बताएगा कि लाल-फीताशाही व घुन लगी व्यवस्था में ये आयोग कब तक कारगर भूमिका निभाना शुरू करेगा। लेकिन फिर भी जिस राज्य में हर पांचवें घर से एक व्यक्ति विदेश चला गया है, वहां ऐसा आयोग एक सीमा तक तो सहायक ही हो सकता है। देखना होगा कि सरकारी अधिकारी कितनी संवेदनशीलता से बुजुर्गों की समस्याओं का समाधान करते हैं। सरकार का दावा है कि यह आयोग एकाकीपन का त्रास झेल रहे बुजुर्गों के अधिकार, कल्याण और पुनर्वास के लिये काम करेगा। निस्संदेह, बुजुर्गों की आवश्यकताएं सीमित होती हैं। लेकिन उनका मनोबल बढ़ाने की जरूरत है। सबसे ज्यादा जरूरी उनकी स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याएं दूर करना है। बेहतर चिकित्सा सेवा व घर-घर उपचार की सहज उपलब्धता समस्या का समाधान दे सकती है। लेकिन देखना यह होगा कि भ्रष्टाचार के घुन से खोखली होती व्यवस्था में वरिष्ठ नागरिक आयोग ऐसे संकट का कारगर समाधान उपलब्ध कराने में किस हद तक सफल हो पाता है। वैसे अकेले रह रहे बुजुर्गों को भी इस दिशा में पहल करनी होगी। सामाजिक सक्रियता इसमें सहायक बनेगी। नीति-नियंताओं को सोचना होगा कि अगले दशकों में युवा भारत बुजुर्गों का भारत बनने वाला है। वर्ष 2050 तक भारत में साठ साल से अधिक उम्र के 34.7 करोड़ बुजुर्ग होंगे। क्या इस चुनौती से निपटने को हम तैयार हैं?

कौन है फ़र्ज़ी कौन है नक़ली कैसे हो पहचान ?

(लेखक - तनवीर जाफ़री)

नक़ली और मिलावटी वस्तुओं यहाँ तक कि मिलावटी खाद्य सामग्री,नक़ली जीवन रक्षक दवाइयां,ज़हरीले फल व सब्ज़ियाँ,मिलावटी घी,पनीर,दूध,खोया,मिलावटी मिठाइयां,मिलावटी मसालों जैसी अनेक चीज़ों का कारोबार हमारे देश में दशकों से बेरोकटोक होता आ रहा है। और न जाने कितने लोग ऐसी खाद्य वस्तुओं के सेवन से मौत की गोद में भी समा चुके हैं। जब कभी ऐसा कोई नेटवर्क क़ानून की गिरफ़्त में आता है तो उसकी ख़बरें भी प्रकाशित होती हैं। परन्तु ऐसी नक़ली और मिलावटी वस्तुओं के उत्पादक,निर्माता,वितरक व विक्रेताओं के विरुद्ध सरकार व प्रशासन क्या और कितनी कार्रवाई करता है इसका अंदाज़ा इसी बात से लगाया जा सकता है कि यह जानलेवा धंधा कम होने के बजाये और भी अधिक फलता फूलता जा रहा है। हद तो यह है कि देश में तमाम ब्रांडेड सामग्रियां भी नक़ली बिक रही हैं। मगर कोई पूछने वाला नहीं है। ज़ाहिर है यह सब नक़्क़ालों,मिलावटख़ोरों तथा प्रशासन के मिलेजुल नेटवर्क का ही परिणाम है। और शायद सरकार व प्रशासन की इसी अनदेखी का ही नतीजा है कि अब केवल खाद्य सामग्री या दैनिक उपभोग की वस्तुयें मात्र ही नक़ली या मिलावटी नहीं बल्कि यही फ़र्ज़ी लोग बड़े बड़े सवेदनशील पदों को भी कलंकित करते दिखाई दे जाते हैं।

हमारे देश में कभी कोई फ़र्ज़ी आई ए एस पकड़ा जाता हो तो कभी कोई फ़र्ज़ी आई पी एस अधिकारी बना घूमता रहता है। हद तो यह है कि अब तो देश में न केवल स्वयं को प्रधानमंत्री कार्यालय का एडिशनल डायरेक्टर बताने वाला गुजरात का एक फ़र्ज़ी व्यक्ति पकड़ा जा चुका बल्कि गत दिनों तो एक नक़ली हार्ट सर्जन तक गिरफ़्तार किया गया। देश के सुधी व जागरूक लोगों को याद होगा कि मार्च 2023 में श्रीनगर में किरण पटेल पुत्र जगदीश पटेल नाम के एक फ़र्ज़ी व्यक्ति को रंगे हाथों पकड़ा गया था। यह ठग खुद को प्रधानमंत्री कार्यालय का एडिशनल डायरेक्टर बताता था तथा ज़ेड प्लस सुरक्षा के साथ बुलेटप्रूफ गाड़ी पर चला करता था। जबकि ज़ेड प्लस सुरक्षा पर प्रति व्यक्ति 40 से 45 लाख रुपए महीना तक का ख़र्च होता है। ठग पटेल हमेशा फ़ाइव स्टार होटल में ही ठहरा करता था। प्रधानमंत्री कार्यालय का अधिकारी बनकर ही वह जगह जगह की यात्राएं करता था और इसी आधार पर वह सरकारी सुख सुविधायें भी लिया करता था। खुफ़िया एजेंसी के अलर्ट के बाद जम्मू-कश्मीर पुलिस ने 2 मार्च 2023 को उसे गिरफ़्तार कर लिया। गिरफ़्तारी के समय उसके पास से कई फ़र्ज़ी विज़िटिंग कार्ड भी बरामद किए गए। पटेल के बारे में विस्तृत जांच से पता चला कि उसके विरुद्ध गुजरात में पहले से ही ठगी के तीन मामले दर्ज थे। उसके बावजूद उसके हौसले इतने बुलंद थे कि बाद में भी कई महीने तक यह ठग स्वयं को प्रधानमंत्री कार्यालय का उच्चाधिकारी बताकर घूमता रहा। उसके झांसे में आकर तमाम अधिकारी उसकी खुशामद में लगे रहते। सुरक्षा एजेंसियों की इससे बड़ी नाकामी और क्या हो सकती है ? ज़रा सोचिये कि एक तरफ़ तो जम्मू-कश्मीर के पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक हैं जिन्हें ज़ेड प्लस सुरक्षा व बुलेटप्रूफ गाड़ी मिलनी चाहिये परन्तु उनकी सुरक्षा के लिये तो केवल एक निजी अधिकारी तैनात किया गया जबकि गुजरात का एक ठग यह सभी सुविधायें लेकर सुरक्षा एजैंसियों व बड़े बड़े अधिकारीयों की आँखों में धूल झोंककर घूमता रहा ?

पिछले दिनों ऐसा ही एक और दिल दहलाने वाला मामला सामने आया। फ़र्ज़ी डॉक्टर तो देश में बहुत सुने गए थे परन्तु फ़र्ज़ी हार्ट सर्जन मैं ने तो कभी नहीं सुना।मध्य प्रदेश के दामोह में अपना नाम एन जॉन केम बताने वाला एक व्यक्ति एक निजी ईसाई मिशनरी अस्पताल में सेवारत था। वह स्वयं को प्रसिद्ध ब्रिटिश डॉक्टर व कार्डियोलॉजिस्ट बताया करता था। जबकि जांच के बाद पता चला कि उस कथित डॉक्टर का वास्तविक नाम नरेंद्र विक्रमादित्य यादव है। यह मिशनरी अस्पताल आयुष्मान भारत योजना के तहत सरकार से पैसे भी लेता है। आश्चर्यजनक बात यह है कि इस फ़र्ज़ी व्यक्ति ने अनेक मरीज़ों की हार्ट सर्जरी तक कर डाली। परिणाम स्वरूप एक महीने में ही इसके द्वारा हार्ट सर्जरी किये गये 7 मरीज़ों की मौत हो गयी।

सूत्रों के अनुसार मरने वाले मरीज़ों की संख्या इससे ज़्यादा भी हो सकती है। इस का कोई आंकड़ा उपलब्ध नहीं है कि देश में कितने फ़र्ज़ी डॉक्टर बिना योग्यता के मेडिकल प्रैक्टिस कर रहे हैं,अपना अस्पताल चला रहे हैं यहाँ तक कि मरीज़ों की शल्य चिकित्सा तक कर रहे हैं।

और तो और हमारे देश में नक़ली धर्मगुरु व उपदेशक का रूप धारण किये अनेक लोग घूम रहे हैं। इनमें कुछ ऐसे हैं जिन्हें उनके भक्तगण देवता तुल्य समझते थे परन्तु जब उनका वास्तविक चरित्र उजागर हुआ तो पता चला कि वे संत नहीं बल्कि राक्षस हैं,व्यभिचारी,बलात्कारी व हत्यारे हैं। ऐसे नक़ली लोग अपने अनुयायियों को कितना बड़ा धोखा देते रहे हैं ? इसी तरह देश के एक बाबा रुपी व्यक्ति ने पहले तो योग विद्या के द्वारा लोगों को स्वस्थ रखने के नाम पर जनता में अपनी पैठ बनाई। उसके बाद वही व्यक्ति अंग्रेज़ी दवाइयों व विदेशी वस्तुओं के विरुद्ध प्रवचन देकर लोगों में राष्ट्रभक्ति जगाने लगा और स्वदेशी वस्तुओं के प्रयोग की वकालत करने लगा। फिर बड़े ही सुनियोजित तरीक़े से अपने धनाढ्य व्यवसायी अनुयायियों के सहयोग से वह स्वयं अपनी कम्पनी खोलकर अनेक उत्पाद स्वदेशी के नाम पर बेचने लगा। और अब इसी बहुरूपिये ने ताज़ातरीन विवाद एक ऐसे स्वदेशी आयुर्वेदिक शीतल पेय को लेकर खड़ा कर दिया है जिसकी देश ही नहीं विदेशों में भी भरपूर मांग है। परन्तु केवल अपना ब्रांड बेचने के लिये इसे साम्प्रदायिकता का ज़हर तक फैलाना पड़ा। यहाँ तक कि इसे शरबत जिहाद तक बता डाला। जबकि अनेक बार इसके अपने अनेक उत्पाद मिलावटी,नक़ली व अनउपयुक्त पाए जा चुके हैं। परन्तु सत्ता संरक्षित इस फ़र्ज़ी व चतुर व्यक्ति का कोई कुछ नहीं बिगाड़ पा रहा। परिणामस्वरूप इसे बाज़ार में कुछ भी और कैसे भी बेचने की गोया पूरी छूट मिली हुई है।

(चिंतन- मनन)

वीरत्व की अलंकृति है क्षमा

क्षमा वीरत्व की अलंकृति है। दुर्बल और विवश व्यक्ति द्वारा उद्गीत क्षमा का माहात्म्य उतना प्रखर नहीं हो सकता। ज्ञान की स्फुरणा में मौन की सार्थकता है। शक्ति-संपन्नता में क्षमा की सार्थकता है और त्याग-भावना में आत्मगोपन या अप्रशस्ति की सार्थकता है। शक्ति के अभाव में स्वीकृत का कवच व्यक्ति को कई अवांछनीय परिस्थितियों से त्राण तो दे सकता है, पर उससे क्षमा का वर्चस्व धुंधला हो जाता है। मन के प्रतिकूल परिस्थिति उत्पन्न होने पर संभावित प्रोध को शांति से प्रतिहत करने वाला व्यक्ति अपनी क्षमा को तेजस्वी बनाता है।

क्षमा के स्वरूप और उसकी क्रियान्विति के संबंध में कोई निश्चित सिद्धांत नहीं बन सकता। अपराध करने वलों और क्षमाशील रहने वालों की अनेक भूमिकाएं हैं। एक मुनि, अपराधी व्यक्ति को क्षमा नहीं करता है तो उसका मुनित्व संदिग्ध हो जाता है। भगवान महावीर के साधना काल में कितनी बार प्रतिकूल परिस्थितियां पैदा की गई, पर महावीर का महावीरत्व उनकी क्षमाशीलता में ही पल्लवित हुआ।

राजधर्म क्षमा को ऐकांतिक महत्व नहीं देता। दुष्ट व्यक्ति को दंडित करना राजधर्म के अनुसार विहित है। दंडनीय को दंड न देना राजधर्म का लोप माना जाता है। इससे अराजकता को प्रोत्साहन मिलता है और अपराधी तत्व निरंकुश हो जाते हैं। दंडसंहिता की सारी धाराएं अपराधों का प्रतिकार करने के लिए हैं।

समाज के साथ अपराध और अपराधों के साथ दंड-पद्धति का सृजन स्वाभाविक माना जाता है। किंतु यह लोक-व्यवस्था या राज्य-व्यवस्था का सिद्धांत है। अध्यात्म की भूमिका इससे भिन्न है। इसमें अपराधी व्यक्ति स्वयं अपराध-शोधन के लिए प्रायश्चित स्वीकार करता है। अपराधी को बलात दंडित करने या उसके प्रति प्रोध प्रदर्शित करने की बात क्षमा-धर्म द्वारा संभव नहीं है। साधना के पथ पर अग्रसर साधकों के लिए क्षमा के अतिरिक्त दूसरा मार्ग ही नहीं हैं। क्षमा का प्रभाव अप्रतिहत होता है, पर क्षमा-धर्म की साधना है बहुत कठिन।

विचार मंथन

महंगाई और कर्ज से त्रस्त निम्न एवं मध्यम वर्ग

(लेखक - सनत जैन)

वर्तमान समय में देश का आम नागरिक, विशेषकर निम्न और मध्यम वर्ग, महंगाई और कर्ज के दोहरे संकट से जूझ रहा है। आज जब एक तोला सोना 90,000 रुपए के पार पहुंच गया है। वहीं आम आदमी की आय और वेतन में उतनी वृद्धि नहीं हुई है। यह आर्थिक असमानता न केवल आम जीवन को कठिन बना रही है। बल्कि सामाजिक और मानसिक तनाव को भी बढ़ा रही है। वर्तमान में मनो रोगियों की संख्या बड़ी तेजी के साथ बढ़ रही है। बड़ी संख्या में लोग आत्महत्या करने लगे हैं। यह चिंता का सबसे बड़ा विषय है।

जब-जब महंगाई बढ़ी है, उसके साथ लोगों की आय भी बढ़ती है। पिछले 75 वर्षों कि इ तिहास में महंगाई और कमाई के बीच इतना बड़ा अंतर कभी देखने को नहीं मिला। केन्द्र सरकार और राज्य सरकारें पेट्रोल और डीजल में 35 से 40 रुपये प्र ति लीटर टेक्स आम जनता से वसूल कर रही है। जिसके कारण खाने-पीने से लेकर हर चीज की कीमतें कई गुना बढ़ गई है। पिछले 10 वर्षों में जीएसटी एवं अन्य टेक्स बढ़ाकर जनता से वसूल किये जा रहे हैं। जिसके कारण आम आदमी महंगाई की मार से कराह रहा है। आ र्थिक मंछी ने बेरोजगारी बढ़ा दी है। करोड़ों पढ़े- लिखे स्नातक परस्नातक युवाओं को पिछले 10 वर्ष से नौकरी नहीं मिल रही है। मनरेगा में भी बजट घटा दिया गया है। शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में हाहाकार मचा हुआ है। 78 वर्षों के इ तिहास में यह पहली बार देखने को मिल रहा है। 1947 में सोने की कीमत मात्र 88.62 रुपए प्रति तोला थी, तब आम आदमियों का वेतन 15 से 30 रुपए महीना होता था। प्रधानमंत्री, मंत्री, सांसदों, विधायकों का वेतन डेढ़ सौ से ढाई सौ रुपया प्रतिमाह होता था। तुलनात्मक रूप से वेतन से प्रधानमंत्री 300 ग्राम तक सोना खरीद सकते थे। आज प्रधानमंत्री का वेतन लगभग दो लाख रुपए प्रतिमाह है। इस वेतन से वे मात्र 20 ग्राम सोना ही खरीद सकते हैं। बीते सात दशकों में सोने की कीमतों में 1000 गुना से अधिक की वृद्धि हो चुकी है। जबकि आय में महज 50 से 60 फीसदी का इजाफा हुआ है। इस विसंगति का सीधा प्रभाव आम लोंगों पर पड़ा है। बढ़ती महंगाई के कारण लोगों की बचत खत्म हो चुकी है। जरूरतें पूरी करने के लिए बैंक और साहूकारों से कर्ज लेना उनकी मजबूरी बन गई है। कई परिवार सोना गिरवी रखकर कर्ज ले रहे हैं, किस्तें चुका पाने में असमर्थ हैं। ऐसी स्थिति में गिरवी रखा हुआ सोना बैंक और वित्तीय संस्थान नीलाम कर रहे हैं। आमदनी अठन्नी और खर्चा रुपैया होने के कारण, मध्य एवं निम्न वर्ग के परिवार अपने बच्चों की शिक्षा और पोषण जैसी बुनियादी जरूरतें पूरी नहीं कर पा रहे हैं। आर्थिक असंतुलन की यह स्थिति न केवल सामाजिक असुरक्षा और मानसिक तनाव को जन्म दे रही है। देश की उत्पादकता ,विकाश और प्रगति को भी बाधित कर रही है। सरकार को चाहिए महंगाई पर नियंत्रण के लिए ठोस कदम उठाए। निम्न व मध्यम वर्ग के लिए वेतन,रोजगार एवं सामाजिक सुरक्षा की योजनाओं को मजबूत करे। साथ ही स्थानीय स्तर पर रोजगार के जो अवसर उपलब्ध थे। वैश्विक व्यापार संधि के बाद सरकार ने जो कानून बनाए हैं। जिनके कारण स्थानीय रोजगार खत्म होते चले जा रहे हैं। स्थानीय नौकरी खत्म होती जा रही है। वह पुन स्थापित करने की दिशा में सरकार कार्य करे। स्थानीय रोजगार के नए अवसर पैदा कर लोगों की आय और बेरोजगारी की समस्या से निजात पाया जा सकता है।

महंगाई और आय के बीच की यह खाई इसी तरह बढती रही, तो आने वाले समय में सामाजिक असंतोष और आर्थिक अस्थिरता एक बड़ी चुनौती बनेगी। समय की मांग है, केंद्र सरकार, राज्य सरकारें, सभी राजनीतिक दल, सामाजिक संगठन इस दिशा में सामूहिक प्रयास करें। आर्थिक मंदी के इस दौर में जब वैश्विक व्यापार संधि और वैश्विक संस्थाएं अपनी भूमिका सही तरीके से नहीं निभा पा रही हैं। ऐसी स्थिति में हमें अपने रिटेल सेक्टर, आयात और निर्यात व्यापार के लिए अलग से नीतिगत निर्णय लेना होगा। महंगाई और बेरोजगारी जैसी समस्या से निपटना होगा। भारत की आबादी चीन के बराबर है। दुनिया की सबसे बड़ी युवा आबादी भारत में है। यही अवसर भारत की सबसे बड़ी दौलत है। जरूर सही तरीके से इसके इस्तेमाल करने की है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कांग्रेस की संविधान बचाओ रैली: डॉ. राज कुमार वेरका ने बीजेपी और आप पर साधा निशाना

अमृतसर। कांग्रेस नेता और पूर्व विधायक डॉ. राज कुमार वेरका ने 14 अप्रैल को बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती पर अमृतसर में आयोजित संविधान बचाओ रैली में केंद्र और पंजाब सरकार पर जमकर हमला बोला। उन्होंने बीजेपी और आम आदमी पार्टी (आप) पर संविधान विरोधी काम करने और भाईचारा तोड़ने का आरोप लगाया। वेरका ने कहा कि कांग्रेस ने बाबा साहेब की जयंती पर पूरे देश में 135 रैलियां आयोजित कीं। उन्होंने कहा कि आज बाबा साहेब का 135 वां जन्मदिन है। 170 देशों में उनका जन्मदिन मनाया जा रहा है। उन्होंने हमें संविधान दिया, जो सभी को बराबरी का हक देता है। लेकिन बीजेपी और आप की सरकारें इसे कमजोर करने में लगी हैं। उन्होंने कहा कि वेरका ने अमृतसर पश्चिम हलके में आयोजित रैली को संविधान की रक्षा के लिए महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान पर गंभीर आरोप लगाए। वेरका ने कहा, पिछले साल 14 अप्रैल को भगवंत मान ने पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी को परेशान किया, ताकि वे बाबा साहेब की जयंती न मना सकें। इस बार भी प्रकाश सिंह बादल को समन भेजकर आप सरकार ने अपना असली चेहरा दिखाया। यह संविधान और भाईचारे के खिलाफ है। उन्होंने बीजेपी पर भी लोगों को बांटने और संविधान को नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार और भगवंत मान की सरकार मिलकर भाईचारा तोड़ रही है। ये लोग समाज में नफरत फैलाना चाहते हैं। वेरका ने बाबा साहेब के योगदान को याद करते हुए कहा कि उनका संविधान देश की एकता और समानता की नींव है। उन्होंने कहा कि बाबा साहेब के सपनों को कोई नहीं मिटा सकता। कांग्रेस उनकी विचारधारा को मजबूत करने के लिए हमेशा लड़ती रहेगी। उन्होंने कहा कि रैली में भारी भीड़ ने बाबा साहेब के प्रति सम्मान जताया और संविधान की रक्षा का संकल्प लिया। वेरका ने दोनों सरकारों की निंदा करते हुए कहा कि वे बाबा साहेब के आदर्शों का अपमान कर रही हैं। उन्होंने कहा कि हम ऐसी सरकारों को बेनकाब करेंगे। पंजाब और देश की जनता संविधान विरोधी ताकतों को जवाब देगी।

विपक्षी दल फैला रहे हैं भ्रांतियां: जदयू

पटना। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के बिहार के उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के नेतृत्व में बिहार विधानसभा चुनाव लड़ने के बयान को लेकर प्रदेश की राजनीति गरमा गई है। इस बयान को लेकर एनडीए में शामिल जदयू के प्रवक्ता राजीव रंजन ने साफ कर दिया कि हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी पर दिए गए बयान को लेकर भ्रांतियां फैलाई जा रही हैं। उन्होंने कहा कि केंद्रीय गृहमंत्री और भारतीय जनता पार्टी के बड़े नेता अमित शाह ने हाल ही में बयान दिया था, बिहार में एनडीए की सरकार एक बड़े बहुमत के साथ बनेगी और इसकी अगुवाई मुख्यमंत्री नीतीश कुमार करेंगे। नीतीश कुमार मुख्यमंत्री हैं और रहेंगे। यह बयान उन्होंने एक टीवी शो के दौरान दिया है। अब हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के एक बयान को लेकर तरह-तरह के कयास लगाए जा रहे हैं। उन्होंने आगे कहा, दरअसल, हरियाणा के मुख्यमंत्री महात्मा ज्योतिबा फुले की जयंती के अवसर पर सैनी समाज के एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे, जिसमें उन्होंने कहा कि हरियाणा में आप सबों ने, सैनी, कुशवाहा समाज के लोगों ने, भाजपा की जीत सुनिश्चित की है। बिहार में भी सम्राट चौधरी के नेतृत्व में इस यात्रा के विजय रथ को जारी रखेंगे। जदयू प्रवक्ता ने सवालिया लहजे में कहा कि इस बयान में ऐसा कहां है कि उन्होंने अगले मुख्यमंत्री के रूप में सम्राट चौधरी की चर्चा की। ऐसी भ्रांतियां जान-बूझकर फैलाई जा रही हैं, जो बेहद शर्मनाक हैं। उन्होंने इसकी कठोर शब्दों में भर्त्सना की। इससे पहले हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी के बयान पर बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने दावा किया था कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को भाजपा ने हाईजैक कर लिया है। मुख्यमंत्री अचेत अवस्था में हैं। उन्होंने कहा था कि भाजपा में कौन सीएम नहीं बनेगा, यह तो बता दो। क्यों आप लोग झगड़ा लगवा रहे हैं? दो दिन बाद दूसरा नाम आ जाएगा। ये लोग आपस में नूरा कुश्ती करते रहेंगे।

टाटा पावर रिन्यूएबल एनर्जी ने 200 मेगावाट प्रोजेक्ट के लिए एनटीपीसी से किया करार

मुंबई।

टाटा पावर रिन्यूएबल एनर्जी लिमिटेड (टीपीआरईएल) ने सोमवार को कहा कि उसने 200 मेगावाट नवीकरणीय ऊर्जा (आरई) परियोजना के लिए देश की सबसे बड़ी इंटीग्रेटेड बिजली कंपनी एनटीपीसी लिमिटेड के साथ बिजली खरीद समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि देश में कई स्थानों पर फैली इस परियोजना को 24 महीने के भीतर पूरा किया जाना है। इससे सालाना लगभग 1,300 मिलियन यूनिट (एमयू) बिजली पैदा होने की उम्मीद है, जिससे प्रति वर्ष 10 लाख टन से अधिक कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन कम होगा। यह परियोजना टीपीआरईएल ने प्रतिस्पर्धी बोली के आधार पर हासिल की थी और इसमें सौर, पवन तथा बीईएसएस टेक्नोलॉजी शामिल होंगी। बयान में बताया गया है कि इस पहल की एक प्रमुख विशेषता चार घंटे की पीक पावर सप्लाई के लिए प्रतिबद्धता है, जो वितरण कंपनियों की बढ़ती ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए पीक मांग के घंटों के दौरान कम से कम 90 प्रतिशत उपलब्धता सुनिश्चित करती है। इस परियोजना के साथ, टीपीआरईएल की कुल नवीकरणीय ऊर्जा उपयोगिता क्षमता 10.9 गीगावाट तक पहुंच गई है। वर्तमान में, इस क्षमता का 5.5 गीगावाट चालू है, जिसमें 4.5 गीगावाट सौर और एक गीगावाट पवन ऊर्जा शामिल है। इसके अतिरिक्त, 5.4 गीगावाट कार्यान्वयन के अलग-अलग चरणों में है, जो 2.7 गीगावाट सौर और 2.7 गीगावाट पवन परियोजनाओं के बीच समान रूप से विभाजित है। इन चालू परियोजनाओं के अगले छह से 24 महीनों में चरणबद्ध तरीके से पूरा होने की उम्मीद है। टीपीआरईएल ने कहा कि यह परियोजना ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों जैसे टर्नकी, ईपीसी के लिए हरित ऊर्जा समाधान पेश करती है। साथ ही अलग-अलग कारोबारी सेगमेंट जैसे यूटिलिटी-स्केल प्रोजेक्ट्स और सोलर रूफटॉप के लिए ऑपरेशन एंड मेंटेनेंस (ओएंडएम) सॉल्यूशन प्रदान करती है। नवीकरणीय समाधान के अपने बड़े पोर्टफोलियो के साथ, कंपनी के पास बेंगलुरु में एक अत्याधुनिक सोलर सेल और मॉड्यूल मैन्युफैक्चरिंग प्लांट है, जिसमें सौर सेल के लिए 530 मेगावाट और मॉड्यूल के लिए 682 मेगावाट की क्षमता है। इसके अलावा, कंपनी के पास तमिलनाडु के तिरुनेलवेली में 4.3 गीगावाट क्षमता का सेल और मॉड्यूल मैन्युफैक्चरिंग प्लांट है। बयान के अनुसार, टीपीआरईएल विभिन्न क्षेत्रों में इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) चार्जिंग समाधान और नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में अन्य सलाह समाधान भी प्रदान करती है।

अयोध्या की तरह रांची में बनेगा भव्य श्री राम जानकी मंदिर, सीएम हेमंत ने किया शिलापूजन

रांची। रांची के निवारणपुर स्थित ऐतिहासिक तपोवन मंदिर परिसर में अयोध्या की तरह भव्य श्रीराम जानकी मंदिर का निर्माण होगा। लगभग 100 करोड़ की लागत से बनने वाले इस मंदिर का शिलान्यास सोमवार को झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने किया। उन्होंने विधिवत अनुष्ठान और आचार्यों के मंत्रोच्चार के बीच प्रस्तावित मंदिर का शिलापूजन किया। उन्होंने इस उपलक्ष्य में उपस्थित भक्तों के साथ जय श्री राम के जयकारे भी लगाए। उनके साथ पूर्व केंद्रीय मंत्री और वरिष्ठ कांग्रेस नेता सुबोधकांत सहाय भी शिलापूजन अनुष्ठान में सम्मिलित हुए। मुख्यमंत्री ने अनुष्ठान की तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर करते हुए लिखा, आज रांची स्थित श्री राम जानकी तपोवन मंदिर के नवनिर्माण के शुभ अवसर पर आयोजित भूमि पूजन कार्यक्रम में शामिल हुआ। आने वाले समय में भव्य बनेगा श्रीराम जानकी तपोवन मंदिर। आज इस अवसर पर सभी को हार्दिक बधाई, शुभकामनाएं और जोहार। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमें इस स्थान के प्रति लोगों की आस्था को और बढ़ाने का प्रयास करना चाहिए। उन्होंने मंदिर का निर्माण शीघ्र पूरा होने की उम्मीद व्यक्त करते हुए कहा कि यह राम भक्तों के लिए हर्ष का विषय है। इस श्रीराम जानकी मंदिर का स्वरूप बहुत हद तक अयोध्या के श्रीरामलला मंदिर की तरह होगा। इसके वास्तुकार आशीष सोमपुरा हैं, जो अयोध्या मंदिर के प्रमुख वास्तुकारों में से एक रहे हैं। तीन सालों में बनकर तैयार होने वाले इस मंदिर के आसपास के परिसरों के विकास के लिए झारखंड सरकार ने भी करीब 15 करोड़ की राशि की योजना मंजूर की थी। मंदिर निर्माण ट्रस्ट की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार, 10 हजार वर्गफीट में बनने वाले मंदिर में 13 गर्भगृह और इसके 13 शिखर होंगे। सभी शिखर अद्भुत होंगे। मंदिर करीब 62 फीट ऊंचा होगा। पिछले साल 9 अगस्त को अयोध्या श्रीराम मंदिर तीर्थ क्षेत्र न्यास समिति के महासचिव चंपत राय ने इस मंदिर के निर्माण के लिए भूमि पूजा की थी।

भारत में ऊर्जा की खपत तेजी से बढ़ रही, देश की ऊर्जा सुरक्षा पर बढ़ रहा दबाव

देश में नेचुरल गैस की खपत 2030 तक 60 फीसदी तक बढ़ने की संभावना

नई दिल्ली।

भारतीय अर्थव्यवस्था जितनी तेजी से विकास कर रही है, उतनी ही तेजी से ऊर्जा की खपत भी बढ़ती जा रही है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस की खपत में वृद्धि के संकेत देती रिपोर्ट के अनुसार, देश की ऊर्जा आधारित इकनॉमी का विकास तो अच्छा है, लेकिन आयात पर निर्भरता बढ़ने से दरारें नजर आ रही हैं। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस विनियामक बोर्ड की रिपोर्ट के अनुसार, देश में नेचुरल गैस की खपत के बढ़ने के संकेत हैं, जिसे 2030 तक 60 फीसदी तक बढ़ने की संभावना है। वाहनों में सीएनजी और उद्योगों के लिए गैस का उपयोग वृद्धि के कारण प्राकृतिक गैस की खपत तेजी से बढ़ेगी। इसके साथ ही, सरकार ने गैस आधारित इकनॉमी के लक्ष्य का दिया था, जो पर्यावरण को ध्यान में रखते हुए इकनॉमी को बढ़ाने का मकसद रखता है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि यदि खपत और विकास दर ऐसे ही बढ़ती रही तो साल 2040 तक गैस की खपत 49.6 करोड़ यूनिट तक पहुंच सकती है। इसलिए, सरकार को अब इस संदेश पर गंभीरता से ध्यान देने की आवश्यकता है ताकि ऊर्जा की सुरक्षा बनाए रखने के लिए उचित कदम उठाए जा सकें। भारत अपनी गैस की आधी मांग आयात के जरिये पूरी करता है। मांग बढ़ने के साथ ही तरल प्राकृतिक गैस (एलएनजी) के आयात में वृद्धि होने का अनुमान है। अध्ययन में कहा गया है कि लंबी दूरी के परिवहन ईंधन के रूप में एलएनजी

पासा पलटने वाला साबित हो सकता है, क्योंकि यह डीजल वाहन की जगह लेने की क्षमता रखता है।

भारत का एलएनजी आयात 2030 तक दोगुना से अधिक होने वाला है। जाहिर है कि इससे कीमतों पर भी असर पड़ेगा और खुदरा बाजार में गैस की कीमतें महंगी हो सकती हैं। इसका सीधा असर आम आदमी की जेब पर होगा, जबकि आयात बिल बढ़ने से इकनॉमी पर भी दबाव बढ़ेगा। एक तरफ तो गैस की खपत तेजी से बढ़ती जा रही है और कीमतों में भी उतनी ही तेजी से बढ़ोतरी हो रही।

दूसरी ओर, देश में प्राकृतिक गैस का उत्पादन करीब 9 करोड़ मीट्रिक मानक क्यूबिक मीटर प्रतिदिन, जबकि खपत प्रतिदिन 19 करोड़ मीट्रिक मानक क्यूबिक मीटर प्रतिदिन पहुंच गई है।

भारत के पास इस चुनौती का घरेलू स्तर पर हल निकालने का अभी कोई रास्ता नहीं है। एकमात्र उपाय आयात के जरिये इस सप्लाई को पूरा करने का ही है।

भारत ने आईटीईएस-क्यू का पहला संस्करण जारी किया

नई दिल्ली।

भारत सरकार के प्रिंसिपल साइंटिस्ट एडवाइजर (पीएसए) ऑफिस ने सोमवार को क्वांटम के लिए इंटरनेशनल टेक्नोलॉजी इंगेजमेंट स्ट्रैटेजी का पहला संस्करण जारी किया, जो क्वांटम साइंस, टेक्नोलॉजी एंड इनोवेशन (क्यूएसटीआई) में भारत की बाहरी रणनीति को स्पष्ट करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इसका उद्देश्य खोज में तेजी लाना, इनोवेशन को बढ़ावा देना और महत्वपूर्ण क्षेत्रों में अडॉप्शन को तीव्र करना है। इस रिपोर्ट को आधिकारिक तौर पर पीएसए प्रोफेसर अजय कुमार सूद ने विश्व क्वांटम दिवस 2025 के अवसर पर पेश किया, जिसे हर साल 14 अप्रैल को मनाया जाता है। यह रिपोर्ट विशेष महत्व रखती है क्योंकि वर्ष 2025 संयुक्त राष्ट्र और सदस्य देशों से नामित इंटरनेशनल ईयर ऑफ क्वांटम साइंस एंड टेक्नोलॉजी (आईवाईक्यूएसटी) है। सूद ने क्वांटम टेक के महत्व के बारे में बात करते हुए इसे एक ऐसे क्षेत्र के रूप में उजागर किया, जहां कोई भी देश पीछे नहीं रहना चाहता क्योंकि यह रणनीतिक स्वायत्तता के लिए महत्वपूर्ण है और क्वांटम सेफ हुए बिना रणनीतिक स्वायत्तता नहीं हो सकती। उन्होंने कहा, भारत को क्वांटम हार्डवेयर में निवेश करना होगा, हमें आयात पर अपनी निर्भरता कम करनी होगी और क्वांटम कंप्यूटिंग के सभी क्षेत्रों में प्रगति इसमें मदद कर सकती है। हमें स्टार्टअप के लिए और अधिक फंड लाने और निवेश को जोखिम मुक्त करने की जरूरत है, जिसका अर्थ है कि हमें उत्पादों के लिए बाजार बनाने की जरूरत है। यहीं पर सभी प्लेयर्स, सरकार, निजी क्षेत्र, शिक्षाविद या स्टार्टअप हों, इस इकोसिस्टम को बनाने में भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा, क्वांटम टेक के लिए वैश्विक मानकों को परिभाषित करने में हमें सक्रिय भूमिका निभानी होगी। यह एक ऐसा अंतर है, जिसे हमें भरने की जरूरत है। एक बार जब हम इसे हासिल कर लेंगे, तो हम मानकीकरण प्रयासों में भी भूमिका निभाएंगे और यही रणनीतिक स्वायत्तता की ओर ले जाता है। हमें इसे बहुत सक्रियता से करना होगा और सुनिश्चित करना होगा कि हमारे पास ये वैश्विक मानक हों, क्योंकि हमारा बाजार केवल भारतीय बाजार नहीं बल्कि वैश्विक है। एनक्यूएम के बारे में बात करते हुए, सूद ने बताया कि विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) द्वारा शुरू किया जा रहा मिशन इस प्रमुख टेक्नोलॉजी के पूरे साइकल से जुड़ा है। उन्होंने हब-एंड-स्पोक मॉडल की प्रमुख विशेषताओं के बारे में भी बताया, जिसे एनक्यूएम द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर लागू किया जा रहा है, जिसमें 17 राज्यों और दो गैर-सरकारी क्षेत्रों के 43 संस्थानों के 152 शोधकर्ता शामिल हैं। आईटीईएस-क्यू का यह पहला संस्करण वैश्विक और राष्ट्रीय क्वांटम इकोसिस्टम का ओवरव्यू प्रदान करता है, जिसमें निवेश, टैलेंट डेवलपमेंट, संस्थागत ताकत, रिसर्च पब्लिकेशन, बौद्धिक संपदा, स्टार्टअप, सप्लाई चेन और औद्योगिक गतिविधि का एनालिसिस शामिल है।

युवा वर्ग के बीच मर्सिडीज-बेंज का क्रेज तेजी से बढ़ा

नई दिल्ली। भारत में अमीर और युवा वर्ग के बीच मर्सिडीज-बेंज का क्रेज तेजी से बढ़ा है। इस लग्जरी कार निर्माता कंपनी ने वित्त वर्ष 2024-25 में कुल 18,928 गाड़ियों की बिक्री की, जो पिछले वर्ष की तुलना में 4.44 प्रतिशत अधिक है। कंपनी ने इसे अब तक की अपनी सबसे बेहतरीन वार्षिक बिक्री बताया है। खास बात यह रही कि बेची गई हर चार में से एक कार की कीमत 1.5 करोड़ रुपये से अधिक रही, जिसमें एस-क्लास, मर्सिडीज-मायबाख और एएमजी जी63 जैसी टॉप-एंड मॉडल्स शामिल हैं। इन कारों की कीमतें 1.5 करोड़ से शुरू होकर 4 करोड़ रुपये तक जाती हैं, जिससे पता चलता है कि भारत में लग्जरी कारों को लेकर खरीदारों की प्राथमिकता अब हाई-एंड सेगमेंट की ओर बढ़ रही है। हालांकि, जनवरी से मार्च 2025 की तिमाही में कंपनी की बिक्री में 11.8 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है। इस अवधि में मर्सिडीज-बेंज ने 4,775 यूनिट्स बेचीं, जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि में 5,412 गाड़ियां बिकी थीं। कंपनी को उम्मीद है कि भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा रेपो रेट में की गई संभावित कटौती से कारों की मांग में दोबारा तेजी आएगी। कंपनी के मैनेजिंग डायरेक्टर और सीईओ संतोष अय्यर के अनुसार, इलेक्ट्रिक कारों की बिक्री में भी 50 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्ज की गई है, जो एक सकारात्मक संकेत है।

टाटा पावर रिन्यूएबल एनर्जी ने 200 मेगावाट प्रोजेक्ट के लिए एनटीपीसी से किया करार

मुंबई।

टाटा पावर रिन्यूएबल एनर्जी लिमिटेड (टीपीआरईएल) ने सोमवार को कहा कि उसने 200 मेगावाट नवीकरणीय ऊर्जा (आरई) परियोजना के लिए देश की सबसे बड़ी इंटीग्रेटेड बिजली कंपनी एनटीपीसी लिमिटेड के साथ बिजली खरीद समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि देश में कई स्थानों पर फैली इस परियोजना को 24 महीने के भीतर पूरा किया जाना है। इससे सालाना लगभग 1,300 मिलियन यूनिट (एमयू) बिजली पैदा होने की उम्मीद है, जिससे प्रति वर्ष 10 लाख टन से अधिक कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन कम होगा। यह परियोजना टीपीआरईएल ने प्रतिस्पर्धी बोली के आधार पर हासिल की थी और इसमें सौर, पवन तथा बीईएसएस टेक्नोलॉजी शामिल होंगी। बयान में बताया गया है कि इस पहल की एक प्रमुख विशेषता चार घंटे की पीक पावर सप्लाई के लिए प्रतिबद्धता है, जो वितरण कंपनियों की बढ़ती ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए पीक मांग के घंटों के दौरान कम से कम 90 प्रतिशत उपलब्धता सुनिश्चित करती है। इस परियोजना के साथ, टीपीआरईएल की कुल नवीकरणीय ऊर्जा उपयोगिता क्षमता 10.9 गीगावाट तक पहुंच गई है।

वर्तमान में, इस क्षमता का 5.5 गीगावाट चालू है, जिसमें 4.5 गीगावाट सौर और एक गीगावाट पवन ऊर्जा शामिल है। इसके अतिरिक्त, 5.4 गीगावाट कार्यान्वयन के अलग-अलग चरणों में है, जो 2.7 गीगावाट सौर और 2.7 गीगावाट पवन परियोजनाओं के बीच समान रूप से विभाजित है। इन चालू परियोजनाओं के अगले छह से 24 महीनों में चरणबद्ध तरीके से पूरा होने की उम्मीद है।

टीपीआरईएल ने कहा कि यह परियोजना ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों जैसे टर्नकी, ईपीसी के लिए हरित ऊर्जा समाधान पेश करती है। साथ ही अलग-अलग कारोबारी सेगमेंट जैसे यूटिलिटी-स्केल प्रोजेक्ट्स और सोलर रूफटॉप के लिए ऑपरेशन एंड मेंटेनेंस (ओएंडएम) सॉल्यूशन प्रदान करती है। नवीकरणीय समाधान के अपने बड़े पोर्टफोलियो के साथ, कंपनी के पास बेंगलुरु में एक अत्याधुनिक सोलर सेल और मॉड्यूल मैन्युफैक्चरिंग प्लांट है, जिसमें सौर सेल के लिए 530 मेगावाट और मॉड्यूल के लिए 682 मेगावाट की क्षमता है। इसके अलावा, कंपनी के पास तमिलनाडु के तिरुनेलवेली में 4.3 गीगावाट क्षमता का सेल और मॉड्यूल मैन्युफैक्चरिंग प्लांट है।

बयान के अनुसार, टीपीआरईएल विभिन्न क्षेत्रों में इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) चार्जिंग समाधान और नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में अन्य सलाह समाधान भी प्रदान करती है।

अयोध्या: राम मंदिर के मुख्य शिखर पर कलश स्थापित

अयोध्या।

अयोध्या में भव्य श्रीराम मंदिर के निर्माण ने सोमवार को एक और ऐतिहासिक पड़ाव पार कर लिया। ब्राह्मणों की उपस्थिति में वैदिक विधि-विधान के साथ मुख्य शिखर पर कलश स्थापित किया गया। यह पवित्र कार्य सुबह 9-15 बजे शुरू हुआ और 10-30 बजे शिखर पर कलश की स्थापना पूरी हुई।

इस अवसर पर अयोध्या में उत्सव का माहौल रहा और स्थानीय लोगों ने इसे ऐतिहासिक क्षण बताया। राम मंदिर के निर्माण और अयोध्या के कायाकल्प से न केवल उत्तर प्रदेश, बल्कि पूरे देश में रामभक्ति की लहर और मजबूत हो रही है। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने बताया कि बैसाखी और बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती के शुभ अवसर पर यह कार्य संपन्न हुआ। अब मंदिर के मुख्य शिखर पर ध्वजदंड स्थापना की प्रक्रिया शुरू होगी। मंदिर निर्माण प्रगति पर है। चंपत राय ने जानकारी दी कि मंदिर परिसर से अब निर्माण मशीनें हटाई जाएंगी। प्रथम तल पर राजा राम, परकोटे और सप्तऋषियों के मंदिरों में मूर्तियों की प्रतिष्ठा का कार्य भी शीघ्र शुरू होगा। मंदिर का निर्माण कार्य निर्धारित समय पर आगे बढ़ रहा है, जिससे भक्तों में उत्साह है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता जताते हुए कहा कि राम मंदिर का निर्माण न केवल आध्यात्मिक, बल्कि सांस्कृतिक और सामाजिक एकता का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि अयोध्या में भगवान श्रीराम के भव्य मंदिर का निर्माण देशवासियों की आस्था और संकल्प का परिणाम है।

यह भारत की सनातन संस्कृति को विश्व पटल पर और सशक्त करेगा। सीएम योगी ने ट्रस्ट और निर्माण कार्य से जुड़े सभी लोगों की सराहना की और इसे नए भारत की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया।

अगले 12 महीने में 25,500 के पार पहुंच सकता है निफ्टी, एफएमसीजी और डिफेंस सेक्टर करेंगे लीड

मुंबई।

वैश्विक बाजारों में उतार-चढ़ाव के बीच निफ्टी अगले 12 महीने में 25,521 के स्तर को छू सकता है। यह जानकारी सोमवार को जारी हुई एक रिपोर्ट में दी गई। वित्तीय सर्विसेज फर्म पीएल कैपिटल ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि छोटी अवधि में हॉस्पिटल, फार्मा, रिटेल, एफएमसीजी, बैंकों, डिफेंस और पावर सेक्टर लीड कर सकते हैं। ब्रोकरेज फर्म ने कहा कि नया अनुमान पहले के अनुमान 25,689 से कम है। ब्रोकरेज फर्म को भारत की लंबी अवधि की स्टोरी में विश्वास है और हम उम्मीद करते हैं कि प्रमुख सेक्टर बाजार को मजबूती और सपोर्ट प्रदान करेंगे। पीएल कैपिटल ने रिपोर्ट में कहा कि मजबूत घरेलू संकेतों और नीतिगत सुधारों के समर्थन के कारण वैश्विक झटकों से बाजार उभरने में सफल रहेगा और वृद्धि दर मजबूत रहेगी। रिपोर्ट में आगे कहा गया कि तेजी की स्थिति में इंडेक्स 27,590 और उम्मीद से कम तेजी की स्थिति में इंडेक्स 24,831 तक पहुंच सकता है। 2025 में अब तक निफ्टी में 3.8 प्रतिशत की मामूली गिरावट देखने को मिली है। इसकी वजह वैश्विक स्तर पर अनिश्चितता बढ़ना और अमेरिका-

चीन के बीच ट्रेड वार बढ़ना है। निकट भविष्य में, रिपोर्ट में उम्मीद जताई गई है कि घरेलू अर्थव्यवस्था पर केंद्रित क्षेत्र बेहतर प्रदर्शन करेंगे। रिपोर्ट में कहा गया है, इनमें हॉस्पिटल, घरेलू फार्मा, रिटेल, चुनिंदा एफएमसीजी कंपनियां, बैंक, डिफेंस और बिजली शामिल हैं। आईटी, सीमेंट, कैपिटल गुड्स और कंज्यूमर बिजनेस जैसे क्षेत्रों में भी स्थिर वृद्धि बने रहने का अनुमान है, क्योंकि कंपनियां बदलते माहौल के अनुकूल खुद को ढालना जारी रखेंगी। रिपोर्ट में बताया गया है, वस्तुओं की कीमतों में उतार-चढ़ाव, विशेष रूप से कच्चे तेल की कीमतों में बदलाव, कुछ क्षेत्रों के लिए अल्पकालिक चुनौतियां पैदा कर सकता है। वैश्विक मोर्चे पर, भारत द्वारा यूएसए के साथ एक व्यापार समझौता करने की उम्मीद है, जिसमें ऑटो, कंज्यूमर गुड्स, डिफेंस, तेल और गैस, शराब और टेक्नोलॉजी जैसे क्षेत्रों में सकारात्मक डेवलपमेंट हो सकता है।

ग्लोबल पीसी शिपमेंट जनवरी-मार्च अवधि में 4.8 प्रतिशत बढ़कर 5.9 करोड़ यूनिट्स रहा

नई दिल्ली।

ग्लोबल पीसी शिपमेंट 2025 की पहली तिमाही (जनवरी-मार्च अवधि) में सालाना आधार पर 4.8 प्रतिशत बढ़कर 5.9 करोड़ यूनिट्स हो गया है। गार्टनर के प्रारंभिक परिणामों के अनुसार, 2025 की पहली तिमाही में अमेरिकी पीसी शिपमेंट 12.6 प्रतिशत बढ़कर 1.6 करोड़ यूनिट्स तक पहुंच गई। गार्टनर में रिसर्च प्रिंसिपल ऋषि पाढ़ी ने कहा, 2025 की पहली तिमाही में पीसी बाजार में वृद्धि दो प्रमुख बाजारों, अमेरिका और जापान में शिपमेंट में उछाल के कारण हुई है। अमेरिका में पीसी बाजार में शिपमेंट में उछाल आया क्योंकि टैरिफ घोषणाओं के चलते विक्रेताओं ने इन्वेंट्री बढ़ा दी, जिसके परिणामस्वरूप पीसी शिपमेंट में सालाना आधार पर 12.6 प्रतिशत की वृद्धि हुई। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से रेसिप्रोकल टैरिफ के ऐलान के बाद कई कंपनियों ने अमेरिका जाने वाली शिपमेंट बढ़ दी थी। फिलहाल रेसिप्रोकल टैरिफ को वापस ले लिया गया है। इस वृद्धि के बावजूद, अंतिम-उपयोगकर्ता मांग धीमी रही है। हालांकि, उद्योगों की ओर से विंडो 11 के लिए पीसी को अपग्रेड

करना जारी रखा गया है। जापान में विंडोज 11 रिप्लेसमेंट द्वारा संचालित मजबूत व्यावसायिक पीसी मांग और क्रोमबुक की चलन में बढ़ोतरी ने 15.6 प्रतिशत की शिपमेंट वृद्धि में महत्वपूर्ण योगदान दिया। गार्टनर के अनुसार, 2025 की पहली तिमाही में दुनिया भर में शीर्ष छह विक्रेता रैंकिंग में कोई बड़ा बदलाव नहीं हुआ है। दुनिया भर में पीसी शिपमेंट में, लेनोवो ने शीर्ष छह विक्रेताओं में सबसे मजबूत 9.6 प्रतिशत वृद्धि दर्ज की, जबकि एसर की वृद्धि दर सबसे धीमी 1.9 प्रतिशत रही। रिपोर्ट में बताया गया कि अमेरिकी बाजार में एचपी 25.1 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी के साथ शीर्ष स्थान पर था, उसके बाद डेल 23.9 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी के साथ दूसरे स्थान पर था। रिपोर्ट के मुताबिक, विंडोज 11 अपग्रेड और अमेरिकी टैरिफ प्रभावों को रोकने के लिए बढ़ी हुई इन्वेंट्री ने पीसी की वृद्धि को बढ़ावा दिया।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पंजाब किंग्स का मुकाबला आज केकेआर से होगा

मुल्लांपुर (एजेंसी)। पंजाब किंग्स की टीम मंगलवार को आईपीएल में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ मैच में जीत के इरादे से उतरेगी। पंजाब किंग्स का प्रदर्शन अब तक अच्छा रहा है और वह इस मैच में जीत की प्रबल दावेदार मानी जा रही है। उसे इस मैच में अपने घरेलू मैदान का भी लाभ मिलेगा। पिछले मैच में टीम ने कप्तान श्रेयस अय्यर के 82 रनों की सहायता से 245 रन बनाये थे। इसके बाद भी टीम अपने इस स्कोर का बचाव नहीं कर पायी थी। ऐसे में साफ है कि उसके गेंदबाजों को अब बेहतर प्रदर्शन करना होगा। मोहली के इस मैदान को बल्लेबाजी विकेट माना जाता है। यहां अधिकतर पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम 200 से अधिक रन बनाने में सफल रही है। ऐसे में पंजाब के टीम को यहां बेहतर रणनीति से उतरना होगा।

पंजाब किंग्स के गेंदबाजों का मनोबल भी पिछले मैच के बाद कमजोर हुआ है। उसके दो स्पिनरों युजवेंद्र चहल और ग्लेन मैक्सवेल की गेंदों पर पिछले मैच में जमकर रन बने थे। ऐसे में इन्हें बेहतर गेंदबाजी करनी होगी। इन दोनों ने पिछले मैच में सात ओवर में ही 96 रन दिये थे। इसे देखते हुए पंजाब की टीम पिच को लेकर संशय में होगी।

पंजाब अगर इस मैच के लिए सपाट विकेट तैयार कराती है तो भी पक्का नहीं है कि उसके गेंदबाज 220 रन तक के स्कोर का बचाव कर लेंगे क्योंकि कोलकाता की टीम में सुनील नरेन, रिंकू सिंह और वेंकटेश अय्यर जैसे आक्रामक बल्लेबाज हैं। पंजाब की गेंदबाजी इकाई का इकॉनमी रेट भी अब तक अच्छा नहीं रहा है। उसके स्पिनर यजुवेन्द्र चहल ने 5 मैचों में प्रति ओवर 11.13 रन दिए हैं और केवल दो विकेट लिए हैं। पंजाब अगर धीमा विकेट तैयार करवाता है तो उसका यह प्रयोग भी नुकसानदेह हो सकता है क्योंकि नाइट राइडर्स के पास वरुण चक्रवर्ती और सुनील नारायण जैसे अच्छे स्पिनर है जो अनुकूल हालातों का पूरा लभ उठाते हैं।

वहीं दूसरी ओर नाइट राइडर्स एक ऐसी टीम है जो सपाट और धीमे विकेट दोनों पर प्रभावी है। उसने चेन्नई सुपर किंग्स को उसके घरेलू मैदान

पर ही हराया था। जिससे उसका मनोबल बढ़ा हुआ है। । पंजाब किंग्स की बल्लेबाजी कप्तान अय्यर के अलावा प्रियांश आर्य ओर नेहल वढेरा व प्रभसिमरन सिंह और फिनिशर शशांक सिंह पर निर्भर है। उसे दो खिलाड़ियों ऑलाउंडर ग्लेन मैक्सवेल और मार्कस स्टोइनिस कमजोर फार्म से नुकसान हुआ है। अब वह इनसे बेहतर प्रदर्शन चाहेगी।

केकेआर की बात करें तो उसकी बल्लेबाज नरेन के अलावा क्विंटन डी कॉक, कप्तान आजिंक्य रहाणे, रिंकू सिंह और वेंकटेश अय्यर व मनीष पांडे जैसे बल्लेबाजों पर अधारित रहेगी जबकि गेंदबाज की कमान हर्षित राणा, सुनील नारायण, वरुण चक्रवर्ती के पास रहेगी।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

पंजाब किंग्स = श्रेयस अय्यर (कप्तान), युजवेंद्र चहल, अर्शदीप सिंह, मार्कस स्टोइनिस, नेहल वढेरा, ग्लेन मैक्सवेल, विशाक विजयकुमार, यश ठाकुर, हरप्रीत बराड़, विष्णु विनोद, मार्को जानसन, लॉकी फर्ग्यूसन, जोश इंगलिस, जेवियर बार्टलेट, कुलदीप सेन, पायला अविनाश, सूर्यांश शेडगे, मुशीर खान, हरनूर पन्नू, आरोन हार्डी, प्रियांश आर्य, अजमतुल्लाह उमरजई।

कोलकाता नाइट राइडर्स = अजिंक्य रहाणे (कप्तान), रिंकू सिंह, क्विंटन डी कॉक (विकेटकीपर), रहमानुल्लाह गुरबाज़ (विकेटकीपर), अंगकृष रघुवंशी, रोवमैन पॉवेल, मनीष पांडे, लवनिथ सिसौदिया, वेंकटेश अय्यर, अनुकूल रॉय, मोइन अली, रमनदीप सिंह, आद्रे रसेल, एनरिक नॉकिया, वैभव अरोड़ा, मयंक मारकंडे, स्पेंसर जॉनसन, हर्षित राणा, सुनील नारायण, वरुण चक्रवर्ती और चेतन सकारिया।

तीरंदाजी विश्व कप: धीरज ने व्यक्तिगत कांस्य और पुरुष टीम ने रजत पदक जीता

ऑबर्नडेल (अमेरिका) (एजेंसी)। भारत ने यहां तीरंदाजी विश्व कप चरण एक में अपना अभियान चार पदकों के साथ समाप्त किया, जिसमें पुरुष रिकर्व टीम स्पर्धा में एक रजत और व्यक्तिगत रिकर्व वर्ग में धीरज बोम्मदेवरा का कांस्य पदक शामिल है।

सेना के 23 वर्षीय तीरंदाज धीरज ने कांस्य पदक के लिए खेले गए मैच में जीत हासिल करने के लिए असाधारण धैर्य और संयम दिखाया। उन्होंने 2-4 से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए स्पेन के एंड्रेस टेमिनो मेडिएल को पांच सेट के तनावपूर्ण मुकाबले में 6-4 से हराया।

धीरज इससे पहले सेमीफाइनल में दुनिया के चौथे नंबर के खिलाड़ी और पेरिस ओलंपिक के रजत पदक विजेता जर्मनी के फ्लोरियन उनरुह से 1-7 से हार गए थे। इससे पहले दिन में धीरज अनुभवी तरूणदीप राय और अतनु दास के साथ उस भारतीय तिकड़ी का भी हिस्सा थे, जिसने टीम स्पर्धा के फाइनल में चीन से 1-5 से हारने के बाद रजत पदक जीता था।

भारत ने इस तरह से इस प्रतियोगिता में चार पदक जीते। इससे पहले भारतीय कंपाउंड मिश्रित टीम ने स्वर्ण और कंपाउंड पुरुष टीम ने कांस्य पदक जीता था। भारत के अभियान में अभिषेक वर्मा पदक से चूक गए और कंपाउंड पुरुष व्यक्तिगत वर्ग में चौथे स्थान पर रहे।

दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान अक्षर पटेल पर लगा 12 लाख रुपए का जुर्माना

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान अक्षर पटेल पर रविवार को यहां खेले गए इंडियन प्रीमियर लीग के मैच में मुंबई इंडियंस के हाथों अपनी टीम की 12 रन की हार के दौरान धीमी ओवर गति बनाए रखने के लिए 12

लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया है। मुंबई इंडियंस ने इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए पांच विकेट पर 205 रन बनाए थे। दिल्ली कैपिटल्स की टीम इसके जवाब में 19 ओवर में 193 रन बनाकर आउट हो गई।

भारतीय क्रिकेट बोर्ड ने कहा, 'दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान अक्षर पटेल पर दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में मुंबई इंडियंस के खिलाफ टाटा इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के मैच के दौरान धीमी ओवर गति बनाए रखने के कारण जुर्माना लगाया गया है।' विज्ञप्ति के अनुसार, 'यह आईपीएल की आचार संहिता के धीमी ओवर गति से संबंधित अनुच्छेद 2.22 के तहत उनकी टीम का सत्र का पहला अपराध था, इसलिए पटेल पर 12 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया।'

19वें ओवर में हुए 3 रन आऊट ने दिल्ली कैपिटल्स के हाथ से रोमांचक मुकाबला छीन लिया। मुंबई ने पहले खेलते हुए जब रिकेल्टन, सूर्यकुमार यादव, तिलक वर्मा और नमन धीर की शानदार पारियों की बदौलत 205 रन बनाए थे तो दिल्ली कैपिटल्स की ओर से करुण नायर ने महज 40 गेंदों पर 89 रन बनाकर दिल्ली के लिए मुकाबला आसान बना दिया था। दिल्ली को आखिरी ओवरों में आशुतोष शर्मा और विपराज ने कुछ सहयोग किया लेकिन 19वें ओवर के अंदर दिल्ली की सारी उम्मीदें खत्म हो गईं। इस दौरान आशुतोष, कुलदीप और मोहित लगातार तीन गेंदों पर रन आऊट हो गए। मुंबई ने इसी के साथ 12 रन से अपने नाम मुकाबला कर लिया। यह सीजन में उनकी महज दूसरी जीत है जबकि दिल्ली कैपिटल्स की पहली हार।

इस खिलाड़ी के आउट होने के बाद उनकी लय टूटी, कर्ण शर्मा ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ जीत की वजह बताई

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ तीन अहम विकेट लेकर लगभग हारा हुआ मैच जिताने में सूत्रधार की भूमिका निभाने वाले मुंबई इंडियंस के लेग स्पिनर कर्ण शर्मा ने स्वीकार किया कि 13वें ओवर के बाद गेंद बदलने का टीम को फायदा मिला। एक समय 11वें ओवर में एक विकेट पर 119 रन बना चुकी दिल्ली की टीम ने आखिरी नौ विकेट 74 रन के भीतर गंवा दिए। कर्ण ने अभिषेक पोरेल, केएल राहुल और ट्रिस्टन स्टब्स के विकेट लिए।

उन्होंने कहा, 'मैंने सोचा नहीं था कि ओस होगी। पहली पारी में ओस नहीं थी। इसलिए जब गेंद बदली तो सीम नहीं थी। इससे मुझे फायदा मिला।' मुंबई इंडियंस के साथ 2017 में खिताब जीत चुके कर्ण को आईपीएल में टीम के लिये 'लकी' माना

जाता है। वह 2016 में सनराइजर्स हैदराबाद के साथ, 2017 में मुंबई इंडियंस और 2018 में चेन्नई सुपर किंग्स के साथ खिताब जीत चुके हैं।

उन्होंने कहा, 'यह अच्छी बात है कि छह सात साल बाद मुंबई टीम में लौटा और वहीं से शुरू किया जहां 2017 में छोड़ा था। मैच में उस समय दिल्ली की टीम 10.11 रन प्रति ओवर बना रही थी और मेरा काम बीच के ओवरों में विकेट लेना था। मिचेल सेंटनेर और मैंने वही किया।' उन्होंने कहा, 'ऐसे मैचों में हर विकेट महत्वपूर्ण है। जिस तरह से वे खेल रहे थे। निश्चित तौर पर केएल राहुल उनके लिए बड़ा नाम है जिसने पिछले मैच में जीत दिलाई थी। हमारे लिए हर विकेट महत्वपूर्ण था।'

उन्होंने स्वीकार किया कि करूण नायर के विकेट ने मुंबई को मैच में लौटाया। उन्होंने कहा, 'करूण के आउट होने के बाद उनकी लय टूटी। उसके बाद लगातार दो तीन विकेट गिर गए और मैच पलट गया।' दिल्ली में काफी क्लब क्रिकेट खेल चुके कर्ण को पता था कि कोटला की पिच की जानकारी से उन्हें फायदा होगा। उन्होंने कहा, 'मैं मेरठ से हूं और मैंने दिल्ली में काफी क्रिकेट खेली है। मुझे पता है कि यहां कैसे गेंदबाजी करनी है और पिच कैसी होगी।'

एआईएफएफ ने एशियाई कप 2031 के लिए बोली लगायी

नई दिल्ली। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने एएफसी एशियाई कप 2031 की मेजबानी के लिए बोली लगायी है। भारत सहित टूर्नामेंट के सात देशों ने इस टूर्नामेंट के लिए बोली लगायी है। इसमें एक संयुक्त बोली भी है। कुआलालंपुर में एएफसी कार्यकारी समिति की बैठक में एएफसी अध्यक्ष शेख सलमान बिन इब्राहिम ने कहा है कि 27 नवंबर 2024 को सदस्य संघों को भेजे गए निमंत्रण के बाद एक संयुक्त बोली सहित 7 बोलियां मिली हैं। इब्राहिम ने कहा है कि भारत के अलावा, ऑस्ट्रेलिया, इंडोनेशिया, दक्षिण कोरिया, कुवैत, संयुक्त अरब अमीरात और कीर्गिस्तान ने भी बोली पेश की है। वहीं ताजिकिस्तान और उज्बेकिस्तान ने संयुक्त बोली लगायी है।

गेंद बदलने के नियम का लाभ मुम्बई को मिला

नई दिल्ली। आईपीएल के इस सत्र में गेंद बदलने के नये नियम का लाभ मुम्बई इंडियंस को मिला है। नये नियम के तहत अब शाम के मैच में जो टीम दूसरी पारी में गेंदबाजी कर रही होती है, वह 11वें ओवर के बाद कभी भी गीली गेंद बदल सकती है जिससे ओस के कारण होने वाले गीलेपन से बचा जा सके। इस नियम से गेंदबाजों को लाभ हो रहा है। विशेष रुप से उस टीम को जो स्कोर का बचाव करती है। मुंबई इंडियंस और दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मुकाबले में इस नियम का प्रभाव भी दिखा है। इस मैच में जैसे ही जसप्रीत बुमराह ने अक्षर पटेल का विकेट लिया। टीम ने गेंद बदलने का फैसला किया। गेंद बदलने के बाद स्पिनर कर्ण शर्मा और मिशेल सैंटनर की गेंदों को पिच से उछाल और टर्न मिलने लगा। इससे बल्लेबाजों के लिए बड़े शॉट खेलना कठिन हो गया। कर्ण ने पहले स्टब्स को और फिर केएल राहुल को अपना शिकार बनाया इन विकेटों के बाद दिल्ली कैपिटल्स की परेशनली बढ़ गयी और उसके बल्लेबाज के के बाद एक पेवेलियन लौटने लगे। मुम्बई ने सैंटनर को 18वां ओवर दिया। शुरुआत में दिल्ली के विपराज निगम ने दो चौके लगाये पर इसके बाद अगल गेंद सैंटनर ने धीमी फेंकी जिसपर निगम स्टंप हो गए। इसके बाद, बुमराह पर दो चौके जरूर लगे पर इसके बाद बल्लेबाजों के रन आउट होने से मामला बदला गया। प्लेयर ऑफ द मैच करन शर्मा ने कहा, गेंद बदलना मैच का सबसे अहम मोड़ रहा। पुरानी गेंद गीली हो रही थी जिससे हम उसपर अपना नियंत्रण नहीं रख पा रहे थे पर हमें विकेट लेने थे। जिसमें हमें लाभ हुआ। जब दूसरी गेंद आई, तो उस पर टर्न और उछाल मिला। जिससे राहुल जैसा बड़ा अनुभवी खिलाड़ी भी समझने में असफल रहा।

धोनी अब संन्यास लेकर कमेंट्री करें : हेडन

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर और चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) में रहे मैथ्यू हेडन ने कहा है कि विकेटकीपर-बल्लेबाज महेन्द्र सिंह धोनी को अब संन्यास लेकर कमेंट्री करनी चाहिये। हेडन ने कहा कि धोनी अब अपने करियर के अंतिम चरण में हैं। इसलिए उन्हें वास्तविकता को स्वीकार करना चाहिये। आईपीएल के इस सत्र में धोनी का प्रदर्शन अब तक उम्मीद के अनुसार नहीं रहा है और वह एक भी मैच में बड़ी पारी नहीं खेल पाये हैं। धोनी बल्लेबाज के लिए निचले क्रम पर भी उतरते हैं। इसके पीछे का कारण कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने ये बताया है कि धोनी का शरीर अब पहले जैसा नहीं है, वहीं हेडन का माना है कि धोनी को संन्यास के बाद कमेंट्री करनी चाहिये। इस पूर्व क्रिकेटर का माना है कि धोनी ने अब लय खो दी है। दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मैच के दौरान धोनी के माता-पिता की मौजूदगी ने उनके संन्यास की अटकलें ते हुई थी पर ऐसा कुछ भी नहीं हुआ। इसका कारण है कि धोनी को टीम ही नहीं छोड़ रही है। रुतुराज गायकवाड़ के चोटिल होने से उन्हें उन्हें एक बार फिर कप्तानी संभालनी पड़ रही है। वहीं फ्लेमिंग ने कहा है कि धोनी अपने संन्यास पर फैसला स्वयं करेंगे। मुझे इस बारे में नहीं पता। मैं उनके साथ काम करके खुश हूं। वह अभी भी मजबूत हैं और खेल का आनंद ले रहे हैं।

ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए भारतीय महिला हॉकी टीम का ऐलान, पांच नए खिलाड़ियों को मिली जगह

नई दिल्ली (एजेंसी)। हॉकी इंडिया ने 26 अप्रैल से चार मई तक होने वाले ऑस्ट्रेलिया के दौरे के लिए सोमवार को 26 सदस्यीय महिला टीम की घोषणा की, जिसमें पांच नए खिलाड़ियों को पहली बार सीनियर टीम में शामिल किया गया है। भारत इस दौरे में कुल पांच मैच खेलेगा। वह पहले दो मैचों में ऑस्ट्रेलिया ए से भिड़ेगा और उसके बाद तीन मैच ऑस्ट्रेलिया की सीनियर टीम से खेलेगा। सभी पांच मैच पर्थ हॉकी स्टेडियम में खेले जाएंगे।

यह दौरा जून में होने वाले एफआईएच प्रो लीग 2024-25 के टीम के यूरोपीय चरण की तैयारी को देखते हुए काफी महत्वपूर्ण है। पांच खिलाड़ियों ज्योति सिंह, सुजाता कुजूर, अजमीना कुजूर, पूजा यादव और महिमा टेटे को पहली बार सीनियर टीम में शामिल किया गया है। टीम अनुभवी और नए खिलाड़ियों का

मिश्रण है। टीम का नेतृत्व मिडफील्डर सलीमा टेटे करेंगी, जबकि अनुभवी फॉरवर्ड नवनीत कौर को उप कप्तान नियुक्त किया गया है।

अनुभवी सविता और युवा बिचू देवी खारीबाम गोलकीपर की जिम्मेदारी संभालेंगी जबकि रक्षा पंक्ति में ज्योति सिंह, इशिका चौधरी, सुशीला चानू पुखरामबम, सुजाता कुजूर, सुमन देवी थौदम, ज्योति, अजमीना कुजूर और साक्षी राणा शामिल हैं। मध्य पंक्ति की जिम्मेदारी कप्तान टेटे, वैष्णवी विट्ठल फाल्के, नेहा, शर्मिला देवी, मनीषा चौहान, सुनेलिता टोप्पो, महिमा टेटे, पूजा यादव और लालरेम्सियामी पर होगी।

नवनीत कौर, दीपिका, रुताजा दादासो पिसल, मुमताज खान, बलजीत कौर, दीपिका सोरेंग और ब्यूटी डुंगडुंग अग्रिम पंक्ति की जिम्मेदारी संभालेंगी। बंसारी सोलंकी (गोलकीपर), अंजना डुंडुंग और लालथंटलुआंगी (डिफेंडर), साक्षी शुक्ला और खैदेम शिलेमा चानू (मिडफील्डर) तथा मोनिका टोप्पो और सोनम (फॉरवर्ड) को स्टैंडबाय खिलाड़ी के रूप में चुना गया है।

टीम के मुख्य कोच हरेंद्र सिंह ने कहा, 'हमने संतुलित टीम का चयन किया है जो अनुभव और युवा का अच्छा मिश्रण है। युवा खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं और सीनियर शिविर में अपना कौशल दिखाया है। यह देखना दिलचस्प होगा कि वह अंतरराष्ट्रीय स्तर की चुनौती का किस तरह से सामना करते हैं।'

अफ़ग़ान महिला क्रिकेटरों की सहायता के लिए विशेष टास्क फोर्स बनाएगी आईसीसी

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) अब अफ़गानिस्तान की विस्थापित महिला क्रिकेट क्रिकेटरों की सहायता के लिए आगे आई है। आईसीसी ने इन महिला क्रिकेटरों की सहायता और उनके विकास के लिए एक विशेष टास्क फोर्स बनाने की बात कही है। आईसीसी की इस पहल से इन महिला खिलाड़ियों को आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा। इससे उनके खेल और व्यक्तिगत विकास में सहायता मिलेगी। आईसीसी के चेयरमैन जय शाह ने सोशल मीडिया ये ये जानकारी दी है। शा ने कहा, 'मुझे आईसीसी की ओर से यह घोषणा करते हुए गर्व हो रहा है कि हमने बीसीसीआई, इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) और क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) के साथ मिलकर एक अहम फैसला लिया है। इसके तहत ही हम अफ़ग़ान महिला क्रिकेटरों को उनके क्रिकेट और विकास की यात्रा में सहायता देंगे।' आईसीसी के अनुसार यह टास्क फोर्स इस महिला क्रिकेटरों को न केवल आर्थिक सहायता देगी, बल्कि खिलाड़ियों को कोचिंग, प्रशिक्षण सुविधाओं के साथ ही मार्गदर्शन भी उपलब्ध करायेगी। इसके लिए आईसीसी एक विशेष कोष बनाएगा। ये सीधे तौर पर इन खिलाड़ियों को आर्थिक सहयोग प्रदान करेगा, जिससे ये विस्थापित महिला क्रिकेट अपना खेल जारी रख सकें। आईसीसी ने यह भी स्पष्ट किया कि इस टास्क फोर्स के ज़रिए इन खिलाड़ियों को विश्वस्तरीय सुविधाएं, कोचिंग प्रोग्राम और मानसिक रूप से मज़बूत बनने के लिए जरुरी सलाह भी दी जाएगी। अफ़ग़ानिस्तान में तालिबान शासन के बाद महिला खिलाड़ियों पर रोक लगा दी गयी थी जिसके बाद इन खिलाड़ियों को देख छोड़कर भागना पड़ा था।

रोहित का लगातार रन नहीं बना पाना चिन्ताजनक : मांजरेकर

अहमदाबाद (एजेंसी)। पूर्व बल्लेबाज संजय मांजरेकर ने कहा है कि आगामी भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा लगातार रन नहीं बना पाना चिन्ताजनक हैं। भारतीय टीम आईपीएल के बाद इंग्लैंड दौरे पर भी जाना है उसको देखते हुए रोहित का फार्म हासिल करना जरुरी है। मांजरेकर ने कहा कि टेस्ट ओर टी20 प्रारुप अलग होता है पर इसके बाद भी रन बनने से खिलाड़ी की लय बनी रहती है और उसका मनोबला बढ़ा हुआ रहता है।

मांजरकेर ने कहा कि रोहित आईपीएल में भी अब तक रन नहीं बना पाये हैं। इससे साफ है कि अब हालात उनके नियंत्रण से बाहर होते जा रहे हैं। ऐसे में अब उन्हें बेहतर प्रदर्शन के लिए पूरी ताकत लगाकर प्रयास करना होगा। हर सुबह अपना सब कुछ लगाना होगा तभी वह लय हासिल कर सकते हैं। वह आईपीएल के मैचों में सहज नहीं दिखे। मांजरेकर ने कहा, 'रोहित शर्मा एक ऐसे दौर से गुजर रहे हैं जिससे साफ है कि वह पहले वाले रोहित नहीं रहे। अब वह अपने करियर के उस जगह पर हैं जहां उन्हें हर सुबह अपना सब कुछ लगाना होगा। कड़ी ट्रेनिंग करनी होगी और फिटनेस के सर्वश्रेष्ठ स्तर पर पहुंचना होगा तभी वह कुछ कर पायें। वह अब भी अपनी नैसर्गिक प्रतिभा पर भरोसा कर रहे हैं जबकि अब वह नहीं रही।

वहीं पिछले दो मैच में रोहित की टीम मुम्बई के प्रदर्शन का आंकलन करते हुए मांजरेकर ने कहा, ' इस टीम से खेल रहे दक्षिण अफ्रीकी खिलाड़ी रेयान रिकेल्टन को भारतीय पिचों पर ढलने में समय लगेगा। साथ ही कहा कि एबी डिविलियर्स और हेनरिक क्लासेन को छोड़कर बहुत कम दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाजों ने भारतीय पिचों पर सफलता हासिल की है इसलिए हमें उन्हें समय देना होगा। उन्होंने कहा, 'इसके अलावा तिलक वर्मा और सूर्यकुमार यादव, रोबिन मिंज और कुछ अन्य खिलाड़ियों के साथ मिलकर बल्लेबाजी क्रम बनाते हैं। हालांकि मुझे लगता है कि यह अब भी पूरी तरह से विश्वसनीय नहीं है और उनमें से बहुत से खिलाड़ी ऐसी पिचों पर निर्भर करते हैं जहां गेंद बल्ले पर अच्छी तरह से आती है। ऐसे में इन खिलाड़ियों को परेशानी आ सकती है।

नाइटहुड से सम्मानित होने वाले 13 वें क्रिकेटर हैं एंडरसन

लंदन। इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर जेम्स एंडरसन को खेल के क्षेत्र में उनके सराहनीय योगदान के लिए देश के सबसे बड़े सम्मान नाइटहुड से सम्मानित किया गया है। एंडरसन इंग्लैंड की ओर से टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। एंडरसन ने अपने करियर में कुल 188 टेस्ट मैच खेले हैं। ये किसी तेज गेंदबाज द्वारा खेले गए टेस्ट मैचों की सबसे ज्यादा संख्या है। एंडरसन 13वें क्रिकेटर हैं जो खेल में योगदान देने के लिए नाइटहुड उपाधि से सम्मानित हुए हैं। अब तक ये सम्मान सर विली हेमिंग्स (1954), सर डिक हार्टले- (1958), सर एडगर फ्राय (1959), सर वॉरेन बर्ड (1961), सर क्लाइव लॉयड (1983), सर इयान बॉथम (2007), सर ज्योफ बॉब- (1999), सर जॉन रिकेट्स (2007), सर ग्रांट लॉब (2012), सर जॉन टोर्रे (2015), सर ब्रायन लारा (2019), सर माइकल क्लार्क (2020)। एंडरसन साल 2000 से यह सम्मान पाने वाले पांचवें खिलाड़ी हैं। उनसे पहले इयान बॉथम (2007), बॉयकाट (2019), कुक (2019) और स्ट्रॉस (2019) को यह सम्मान मिला था। जेम्स एंडरसन ने अपना अंतिम टेस्ट मैच जुलाई 2024 में वेस्ट इंडीज के खिलाफ लॉर्ड्स में खेला था। मई 2003 में यहीं पर एंडरसन ने जिम्बॉब्वे के खिलाफ डेब्यू किया था। एंडरसन ने साल 2015 से ही सीमित ओवरों में नहीं खेला है। इसके बाद भी वह एकदिवसीय में सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। उन्होंने टी20 में भी 18 विकेट लिए हैं और उनके नाम कुल 991 विकेट हैं। एंडरसन के अलावा पांच अन्य लोगों के लिए भी नाइटहुड सम्मान मिला है।

बस मौके का इंतजार था : मुंबई के खिलाफ आक्रामक अर्धशतक लगाकर बोले करूण नायर

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली कैपिटल्स के लिए आक्रामक अर्धशतक लगाकर दो सत्र बाद आईपीएल में वापसी करने वाले करूण नायर मानसिक रूप से अपना पहला मैच खेलने के लिये पूरी तरह से तैयार थे और उन्हें पता था कि कैसे खेलना है। जीत के लिये 206 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए करूण के 40 गेंद में 89 रन की मदद से दिल्ली ने शानदार शुरूआत की लेकिन बीच के ओवरों में लगातार विकेट गंवाकर 12 रन से मैच गंवा दिया।

एक ओवर में जसप्रीत बुमराह को दो छक्के लगाने का माद्दा बहुत बल्लेबाजों ने नहीं होता लेकिन करूण ने यह कर दिखाया। उनके इस प्रदर्शन का कारण घरेलू क्रिकेट का शानदार प्रदर्शन भी है जिसमें उन्होंने विदर्भ के लिए विभिन्न प्रारूपों में पिछले सत्र में 1870 रन बनाए।

टेस्ट मैच में तिहरा शतक जड़ चुके करूण ने मैच के बाद मीडिया से कहा, 'ईमानदारी से कहूं तो मुझे आईपीएल पहले खेल चुका होने के कारण आत्मविश्वास था। मुझे पता था कि कैसे खेलना है। मेरे लिए कुछ नया नहीं था। मेरे दिमाग में तैयारी पूरी थी। बस मौके का इंतजार था। कुछ गेंद खेलकर फिर लय में आने की बात थी।'

वर्ष 2022 में राजस्थान रॉयल्स का हिस्सा रहे करूण ने पावरप्ले के दौरान पारंपरिक शॉट्स खेलने के बारे में कहा, 'मैं खुद से यही कह रहा था कि खुद को समय दो, आम शॉट खेलो और उसके बाद तेजी से खेल सकते हो। सब कुछ वैसे ही हुआ लेकिन अगर टीम जीत जाती तो अधिक खुशी होती।'

पिछले चार मैचों में मौका नहीं मिलने के बावजूद उन्हें यकीन था कि उन्हें मौका मिलेगा और इसके लिए वह मानसिक रूप से तैयार थे। उन्होंने कहा, 'फाफ (डु प्लेसी) नहीं खेल रहे थे। हमें पता था कि अगर कोई खिलाड़ी बाहर होता है तो उसकी जगह कौन खेलेगा। मानसिक तौर पर मैं तैयार था। मेरा आत्मविश्वास बढा है और मुझे पता है कि मैं खेलने के लिए पूरी तरह से तैयार हूं।'

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

प्राथमिकता के आधार पर तैयार करें अपनी कार्य-सूची

आज आप जितना कर सकती हैं, उससे अधिक करने की कोशिश न करें। अपनी गतिविधियों की छंटनी शुरू कर दीजिए और फिर अपनी कार्य-सूची पर पुनर्विचार कीजिए। जो चीजें बेकार एवं महत्वहीन हैं, उन्हें बाहर कर दीजिए। आप जो भी कर सकती हैं या करना चाहती हैं, उन तमाम चीजों को एक ही दिन में करने का प्रयास न करें। सबसे जरूरी चीज पर नजर रखें एवं प्राथमिकता के आधार पर उन्हें करें। व्यक्तिगत रिश्ते बनाएं, ताकि काम एवं जीवन में सहजता आए।

एक समय में एक ही काम

अपना समय केवल उन्हीं चीजों पर खर्च करें, जो आपके लिए महत्वपूर्ण हो। दो या उससे अधिक काम एक साथ करने से तौबा करें, तब भी जब चीजें आसान लगती हों या लगता हो कि आप कर लेंगी। जब आप एक से अधिक काम एक ही बार में करती हैं तो आपका ध्यान बंट जाता है। आप एकाग्रता खो देती हैं, जो कि बेहतर प्रदर्शन के लिए जरूरी है।

कुछ उदाहरण

यदि आप एक साथ खाती एवं पढ़ती हैं तो आपका कुछ ध्यान पढ़ने पर और कुछ खाने पर होता है। आप कोई भी चीज ढंग से नहीं कर पाती हैं। जब आप टहलती हैं तो टहलें, जब आप बैठती हैं तो बैठें। भटकें नहीं। जब ड्राइव करें तो पूरा ध्यान रोप पर रखें। काफी ऊंची आवाज में संगीत सुनना या चालक एवं यात्री के बीच की बातचीत कई सड़क हादसों का कारण होती है। यदि आप यात्री हैं तो चालक को गाड़ी चलानें दें न कि उससे बातचीत करें।

पांच गुण होना महत्वपूर्ण

किसी भी स्त्री या पुरुष में पांच गुण होना चाहिए। वे हैं-शिष्टाचार, उदारता, लगन, संकल्प एवं दया भाव। शिष्टाचार से आप बेइज्जती को अनदेखा कर सकती हैं, उदारता से सबको जीत सकती हैं। लगन से लोग आप पर विश्वास करेंगे और संकल्प एवं दया भाव से सफलता प्राप्त कर सकती हैं।अच्छी संगत, अच्छी किताबें एवं प्रार्थना- ये तीन चीजें किसी मनुष्य को तीनों लोकों का सम्राट बनाती हैं।

सफलता नैसर्गिक नहीं होती

सफलता प्राप्त करने की प्रक्रिया नैसर्गिक नहीं है। सफलता हमें विरासत में नहीं मिलती। इसे हम अपने प्रयासों से पैदा करते हैं। यह हमारे कठिन परिश्रम एवं क्रियाओं की पुनरावृत्ति का काल होता है। संघर्ष जीवन है और जीवन की क्रियाएं ही इसे कर सकती हैं। हमें केवल सपने देखने वाला नहीं बल्कि आगे बढ़कर उसे करने वाला बनना चाहिए।

सेमिनारों में कुछ नहीं

हम समय-समय पर प्रेरित करने वाले लोगों से मिलते रहते हैं या सेमिनारों में ऐसे भाषण सुनते रहते हैं। इस प्रकार के पारस्परिक क्रिया से हमें अपने तरीकों को सुधारने एवं काम करने की शैली की और बेहतर करने के उपाय मिलते हैं। हम उनको अपनाते हैं और महसूस करते हैं कि अपने आप को और बेहतर करें एवं जीवन में बदलाव लाने का रहस्य पा लिया है। यह पूरी गहमागहमी दो-चार दिनों में खत्म हो जाती है और हम फिर वहीं होते हैं जहां हम थे।

ऊर्जा, समय व पैसे बचायें

याद रखिये सेमिनार एवं कार्यशाला में भाग लेना समय, ऊर्जा और पैसे की बर्बादी है, यदि हम उन चीजों को नहीं अपनाते, जो वे हम तक पहुंचाना चाहते हैं। यदि आपको कोई बेहतरीन आइडिया मिलता है तो आप अपने आप से पूछिए कि आप इससे क्या करने जा रहे हैं और आप इसे कैसे करेंगे। सभी बातों को लिखिए और फिर निर्णय लीजिए कि आप क्या करने जा रहे हैं। किन उपायों को लागू करना है, उन्हें प्राथमिकता दी जानी चाहिए और सब कुछ करने के लिए समय सीमा तय करनी चाहिए।

अच्छा दिखने के लिए मेकअप कर के घर से बाहर निकलना अब जरूरत सा बन गया है, लेकिन मेकअप के सभी उत्पाद आपके लिए अच्छे हो ये कतई जरूरी नहीं है। कुछ ऐसे उत्पाद भी है जो आपको कुछ समय तक सुंदर तो दिखा देते है लेकिन आपकी त्वचा और स्वास्थ्य के लिए हानिकारक होते है। आइए, जानते हैं ऐसी ही 5 मेकअप सामग्री के बारे में जिनका इस्तेमाल आपको कम से कम ही करना चाहिए

इन मेकअप प्रोडक्ट्स से रहें दूर

टेलकम पाउडर

टेलकम पाउडर सामान्य तौर पर आपमें से कई लोगों के जीवन का एक अहम हिस्सा होगा। भले ही आप इसे सुरक्षित मानते हों, लेकिन इसमें मौजूद सिलेकेट्स नामक तत्व आपको एलर्जी, फेफड़ों में इंफेक्शन या फिर कैंसर जैसी गंभीर बीमारी का शिकार बना सकता है।

ब्लीच क्रीम

अधिकांश ब्लीच क्रीम में पाया जाने वाला हाइड्रोक्विनोन त्वचा के निकलने, लालिमा या लाल रेशेस अथवा त्वचा के रूखेपन के लिए जिम्मेदार होता है। इसकी जगह त्वचा प्रभावशाली घरेलू उत्पादों का प्रयोग करना बेहतर होगा।

लिप ग्लॉस

होंठों पर चमकदार नमी लाने के लिए प्रयोग किया जाने वाला लिपग्लॉस कुछ ऐसे केमिकल्स से युक्त होता है, जो आपके होंठों की त्वचा को अंदर से रूखा कर सकते हैं साथ ही रोमछिद्रों को ब्लॉक कर सकते हैं।

हेयर कलर

इसमें मौजूद हानिकारक केमिकल्स आपके सिर की त्वचा को नुकसान पहुंचा सकते हैं। इसके अलावा त्वचा का लाल होना और खुजली जैसी समस्याएं भी हो सकती है जो अन्य गंभीर समस्याओं को जन्म देती हैं।

नेल पॉलिश

भले ही अपको रंगीन, चमकीले नेल पॉलिश का शौक हो, लेकिन इनमें मौजूद एसीटोन आपके नाखूनों को दाग या धब्बों से युक्त बनाने के साथ ही कमजोर बनाने में सहायक होता है। इसके लिए हमेशा नेल पॉलिश का इस्तेमाल करने से बचें।

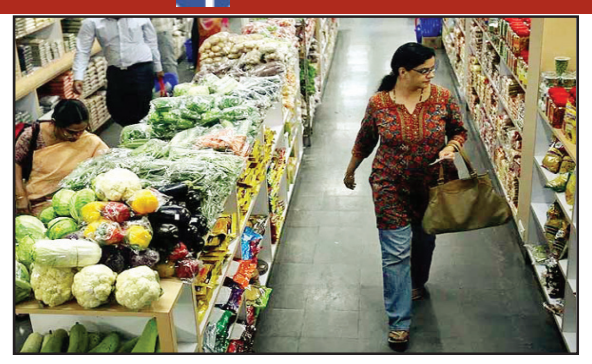

अक्सर महिलाओं की ये समस्या होती है कि घर का खर्च ज्यादा हो रहा है और पैसों से जुड़ी बचत नहीं हो पा रही है। यहां निवेश और बचत की नहीं खर्च की बात हो रही है। घरों में आजकल की व्यस्त लाइफस्टाइल कुछ ऐसी हो गई है कि लोगों को ये समझ ही नहीं आता कि उनका इतना खर्च आखिर कैसे बढ़ गया है। ये सब कुछ पैसे से जुड़ी कुछ गलतियों के कारण होता है।

पैसे के बारे में बात नहीं करना

आम तौर पर यही देखा जाता है कि पति और पत्नी एक दूसरे से इसके बारे में बात नहीं करते। पत्नी घर संभाल रही हो या फिर बाहर काम कर रही हो तो भी इसके बारे में बातें नहीं की जातीं। बच्चे अगर पढ़ने की उम्र में हैं या टीनएज हो गए हैं तो उन्हें भी अक्सर घर पर ये नहीं बताया जाता है कि निवेश और बचत की जरूरत क्या है। हफ्ते में कम से कम एक बार सभी को बैठकर घर और पैसे के खर्च से जुड़ी बातें करनी चाहिए। इससे वो खर्च भी सामने आ जाता है जिसका शायद अंदाजा भी नहीं होता। ये घर का बजट बनाने में भी मददगार साबित हो सकता है।

पहले खर्च फिर जो बचा वो निवेश

हमारी भारतीय संस्कृति में एक आम कहावत है कि, 'जितनी चादर है उतना ही पैर पसारो'। ये बहुत अच्छा कथन है, लेकिन इसे हमें थोड़ा सा बदलना होगा क्योंकि हम हमेशा जितना खर्च है उतना कर लो और उसके बाद जो बचा वो बचत। इससे समस्या ये होती है कि जरूरत से अधिक खर्च भी हो जाता है और बचत कम रह जाती है। इसे थोड़ा सा बदलने की जरूरत है और कमाई के बाद एक निश्चित बचत और उसके बाद जितना बचा उसे खर्च करना चाहिए। ये बजट आसानी से बन सकता है कि महीने में कितनी बचत की जा सकती है।

बचत और निवेश का अंतर न समझना

मान लीजिए आप हर महीने की आय में से कुछ पैसे बचा लेते हैं, लेकिन क्या इन पैसों को बचाने से सिर्फ काम हो जाता है? जी नहीं, बचत और निवेश में काफी अंतर है जिसे समझने की जरूरत है। पैसे ड्रॉअर में पड़े रहें या फिर वो बैंक के सेविंग्स अकाउंट में रखा है तो उससे हमारे भविष्य के लिए कोई फायदा हो रहा है? बिलकुल नहीं। तन्वी जी का कहना है कि उनके पास बहुत से लोग आते हैं और वो यहीं मात खा जाते हैं। उन्हें निवेश इस बारे में सोचकर करना चाहिए कि भविष्य में ये कितना रिटर्न देगा।

बार-बार बिगड़ जाता है घर का बजट तो ना करें पैसों से जुड़ी ये गलतियां

अपनी बचत और निवेश को ऑटोमैटिक मोड पर नहीं डालना

बैंक की आरडी या एफडी जिसका ऑटोमैटिक पैसा कटता है वो ज्यादा सही है। भले ही बचत और निवेश का कोई भी मोड हो पैसा ऑटोमैटिक हर महीने कटना चाहिए। कारण ये है कि अगर बचत हर वक्त नहीं होगी तो हम उस कमाई को खर्च करने के लिए उत्सुक रहेंगे। अकाउंट में या जेब में ज्यादा पैसा होने का मतलब है कि उसे खर्च करने का लालच भी बढ़ जाएगा। अगर सैलरी आते ही एक अच्छे फाइनेंशियल एक्सपर्ट की मदद से पैसे निवेश कर देंगे तो हमारा भविष्य सुरक्षित होगा।

अपने पैसे को अलग-अलग जगह न निवेश करना

पैसा है आपके पास तो क्या हर बार वो एक ही तरह से निवेश किया जाएगा? कई लोग सिर्फ FD बनाते रहते हैं, कुछ को पोस्ट ऑफिस की NSC अच्छी लगती है, लेकिन इसका सीधा सा मतलब ये होता है कि पैसे के साथ कोई एक्सपेरिमेंट नहीं किया जाता। कारण ये है कि अगर एक ही तरह से पैसा निवेश होगा तो खतरे की स्थिति में एक ही साथ उसके खर्च होने या फिर डूब जाने की गुंजाइश भी होती है।

फाइनेंशियल भाषा से डरना और रिस्क न लेना

इंसान का दिमाग जो चीज समझ नहीं पाता वो उससे हमेशा डरता रहता है और ये बहुत आम घटना है कि लोग खुद को फाइनेंशियल भाषा सिखा नहीं पाते। ऐसे में उन्हें जानकारी न के बराबर रहती है। होता ये है कि ऐसी स्थिति में निवेश के समय हम बहुत ज्यादा सोच विचार में लग जाते हैं और कई बार डर के कारण रिस्क नहीं ले पाते। इससे बाद में नुकसान होने की गुंजाइश है।

कर्ज को न समझना

बहुत से लोगों के पास होम लोन होता है, कार का लोन होता है, क्रेडिट कार्ड से खर्च होता है। अर्थव्यवस्था में कर्ज की दरें लगातार बढ़ती और घटती रहती है। ऐसे में हमारे कर्ज पर भी असर पड़ता है। किसी भी तरह के लोन को हमेशा फाइनेंशियल एक्सपर्ट से हर साल रिव्यू करवाना चाहिए। क्या पता ब्याज की दर इससे कम हो सके। इसी तरह से क्रेडिट कार्ड सबसे महंगा तरीका है ऐसे में कई बार वो बहुत महंगा पड़ जाता है। कोशिश करें कि हर वक्त क्रेडिट कार्ड निकालने से बचें।

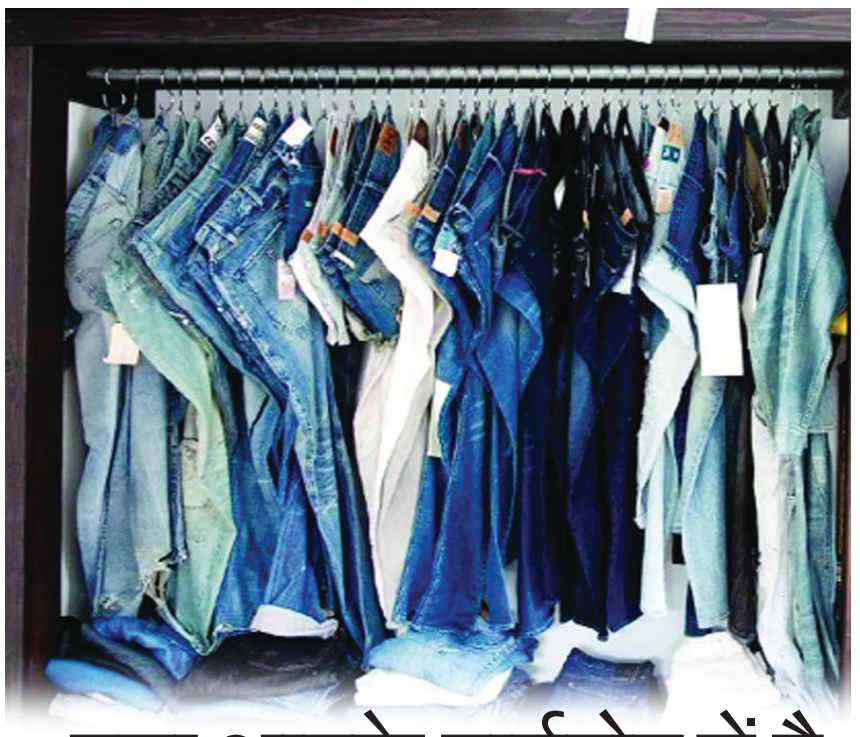

क्या आपके वार्डरोब में है जींस के ये ट्रैंडी कलेक्शन

जींस एक ऐसी कॉमन ड्रैस है, जो हर लड़की के वार्डरोब में जरूर मौजूद होती है। बाजार में कई स्टाइलिश जींस आ चुकी हैं, जिन्हें आप अपनी पसंद और फिटिंग के मुताबिक खरीद सकती हैं। जींस खरीदने से पहले आपको यह जानना जरूरी हैं कि आजकल किस पैटर्न की जींस का चलन ज्यादा है। आज हम आपको जींस की इन्हीं वैरायटी के बारे में बता रहे हैं जिनके बारे में जानकर आपको अपनी पसंद की जींस खरीदने में आसानी होगी.

रिप्ड जींस

रिप्ड जींस एक दशक से फैशन ट्रैंड में बनी हुई है। कॉमन यंग गर्ल्स से लेकर बॉलीवुड एक्ट्रैस सभी में इसका क्रेज है। शायद ही कोई लड़की होगी जिसके वार्डरोब में रिप्ड जींस न हो। एक दशक पहले ट्रैंड में आई ये जींस आज भी लड़कियों की पहली पसंद बनी हुई है। इसमें जींस के कई हिस्से में कुछ स्लिट्स या कट्स बने होते हैं। कॉमन लैंग्वेज में इसे फटी जींस भी कहते हैं। अगर आपके पास कोई पुरानी जींस है, जिसे आप नहीं पहनतीं तो उसे ब्लेड से कट करके रिप्ड जींस का लुक दें सकती हैं। रिप्ड जींस को आप लॉन्ग कुर्ती या फिर किसी भी टॉप के साथ वियर कर सकती हैं। ये आपको कूल और स्टाइलिश लुक देगी।

बैगी जींस

बैगी जींस अपने लूज साइज की वजह से काफी कंफर्टबल होती है। दो से तीन दशक पहले इस पैटर्न की जींस का काफी चलन था। एक बार फिर से इसका ट्रैंड लौट आया है। यही वजह है कि सैलेब्स में भी ये जींस काफी पॉपुलर है। ट्रैवलिंग के दौरान या कहीं आने-जाने के लिए एक्ट्रैस इसे कैरी किए नजर आती रही हैं।

पैच वर्क जींस

इन दिनों पैच वर्क जींस भी काफी पॉपुलर हैं। यंग गर्ल्स से लेकर सैलेब्स इसे पहने नजर आती रहती हैं। ये जींस अलग-अलग रंग के जींस के चौकोर टुकड़ों को एक साथ पैच करके बनाई जाती है, जो देखने में काफी युनीक और कूल लगती हैं।

बेल बॉटम जींस

पुराने जमाने में आपने हीरो-हीरोइन को फिल्मों में नीचे से खुली पैंट या जींस पहने देखा होगा। इस स्टाइल को बेल बॉटम स्टाइल कहते हैं। आजकल बेल बॉटम जींस का फैशन फिर से लौट आया है। ये जींस काफी कंफर्टेबल होती हैं। यंग गर्ल्स से लेकर वर्किंग वुमन बेल बॉटम जींस पहनना पसंद कर रही हैं।

स्किन फिट जींस

इसके नाम से ही क्लियर है कि ये जींस कैसी होगा। ये पूरी तरह स्किन टाइट होती है। ज्यादातर लड़कियां स्किन फिट जींस पहनना पसंद करती हैं, लेकिन अगर कंफर्ट की बात करें तो ये उतनी आरामदायक नहीं होती। तब भी इस जींस का क्रेज लड़कियों में बना हुआ है। इसे आप अपनी मनपसंद कुर्ती या फिर टॉप के साथ कैरी कर सकती हैं।

कलर आईलाइनर लगाने से पहले जरूरी टिप्स मिलेगा स्टाइलिश लुक

चेहरे की खूबसूरती बढ़ाने के लिए लड़कियां मेकअप करना पसंद करती है। वहीं आंखों को बड़ा, आकर्षित दिखाने के लिए आईलाइनर लगाती है। बात अगर आईलाइनर की करें तो आमतौर पर लड़कियां इसमें ब्लैक कलर पसंद करती है। मगर आजकल लड़कियों में कलरफुल आईलाइनर का क्रेज भी बढ़ रहा है। इससे लुक और भी स्टाइलिश नजर आता है। मगर इसे लगाने से पहले कुछ बातों का ध्यान देने की जरूरत होती है। कलर आईलाइनर लगाने के लिए फॉलो करें ये टिप्स

मेकअप ना करें

कलर आईलाइनर अक्सर आंखों को हाइलाइट करने के लिए लगाया जाता है। इसलिए इसे लगाने के बाद अपना रेगुलर मेकअप ना करें। नहीं तो इससे आपका मेकअप अधिक लगेगा।

सही कलर चुनें

अगर आप पहली बार कलर आईलाइनर लगाने वाली है तो इसके लिए रंग चुनें। इसके लिए आप पिंक, लैवेंडर, बैंगनी, सुनहरा या अपनी ड्रेस से मैचिंग रंग चुन सकती है।

आंखों पर ध्यान दें

कलर आईलाइनर लगाने के लिए बस अपनी आंखों पर फोकस करें। इसके साथ हैवी व बोल्ड मेकअप करने की गलती ना करें। ऐसा करने से आपकी आंखों पर ध्यान नहीं जाएगा।

डार्क कलर अप्लाई करें

अगर आप पहली बार आईलाइनर लगाने वाली है तो इसके लिए डार्क कलर यूज करें। असल में, इससे आपका लुक एकदम बदल जाएगा। ऐसे में आप पहली बार के लिए ब्राउन या ब्लू कलर चुन सकती है। मस्कारा ब्लैक कलर का लगाएं आप भले ही आईलाइनर कलर्ड चुन रही है मगर इसके साथ मस्कारा ब्लैक ही लगाएं। इससे आपकी आंखों को ग्रेसफुल लुक मिलेगा। इसके साथ ही फेक आईलैशेज लगाने की गलती ना करें।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

17 को बिहार में महागठबंधन की बैठक, सीट बंटवारे, सीएम चेहरे को लेकर होगी चर्चा

पटना (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर 17 अप्रैल को महागठबंधन की बैठक होने वाली है। इस बैठक में आरजेडी, कांग्रेस, माले समेत सभी घटक दलों के नेता शामिल होंगे। इससे पहले मंगलवार को कांग्रेस और राजद की दिल्ली में अलग से बैठक होगी। यह बैठक कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और तेजस्वी यादव के बीच होगी। यह बैठक खड़गे के घर पर होगी। इसमें राहुल गांधी भी शामिल हो सकते हैं। 17 अप्रैल की बैठक में सीट बंटवारा, सीएम चेहरे समेत कई मुद्दों पर चर्चा होगी। बिहार कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम के साथ प्रभारी कृष्णा अल्लावरू भी इस बैठक में शामिल होंगे। पहली बार अल्लावरू आरजेडी नेता तेजस्वी यादव के साथ बैठेंगे। चुनावी रणनीतियों पर चर्चा करेंगे। इससे पहले 6 अप्रैल को दिल्ली एम्स में भर्ती लालू यादव से अल्लावरू ने मुलाकात की थी, लेकिन अभी तक तेजस्वी से मुलाकात नहीं हुई। वहीं, राहुल गांधी के बाद अब मल्लिकार्जुन खड़गे बिहार आ रहे हैं। 19 और 20 अप्रैल को दो दिवसीय बिहार दौरे पर रहेंगे। खड़गे 19 अप्रैल को बक्सर तो 20 अप्रैल को पटना में रैली करेंगे।

हवा में था वायुसेना का विमान तभी हुआ साइबर अटैक

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑपरेशन ब्रह्मा म्यांमार को राहत पहुंचा रहा आईएएफ यानी भारतीय वायुसेना का एक विमान साइबर अटैक का शिकार हो गया। बता दें कि जीपीएस स्पूफिंग आमतौर पर पायलट को गलत कॉर्डिनेट्स देकर उनकी लोकेशन के बारे में गुमराह करता है। यह ऑपरेशनल इलाकों में आम है। म्यामांर में आईएएफ के पायलट्स ने अपना मिशन पूरा करने के लिए फिर आईएनएस यानी इनर्शियल नेविगेशन सिस्टम का सहारा लिया। खबर है कि यह हमला उस वक्त हुआ, जब विमान राहत सामग्री लेकर म्यांमार जा रहा था। हालांकि, वायुसेना के जांबाजों पर इसका कोई असर नहीं पड़ा और उन्होंने सूझबूझ से रास्ता निकाला और यात्रा को पूरा किया। रिपोर्ट के अनुसार, अपने सैटेलाइट आधारित जीपीएस सिग्नल में स्पूफिंग के रूप में भारतीय वायुसेना के विमान को साइबर हमलों का सामना करना पड़ा है। सूत्रों क हवाले से बताया है कि म्यांमार के हवाई क्षेत्र में किसने जीपीएस स्पूफिंग की है, इसका पता लगाना मुश्किल साबित हो सकता है। खास बात है कि यहां चीन ने बड़ी रणनीतिक पैठ बना ली है। भारत ने 28 मार्च को म्यांमार और थाईलैंड में आए भूकंप से हुई तबाही के बाद त्वरित कदम के रूप में अपना राहत मिशन 'ऑपरेशन ब्रह्मा शुरू किया। ऑपरेशन के हिस्से के रूप में भारतीय सेना आपदा में घायल हुए लोगों को तत्काल देखभाल प्रदान करने के लिए 60 बिस्तरों वाला चिकित्सा उपचार केंद्र स्थापित करेगी। यह सुविधा ट्रामा के मामलों, आपातकालीन सर्जरी और आवश्यक चिकित्सा सेवाओं को संभालने में सक्षम होगी, जिससे स्थानीय स्वास्थ्य सेवा प्रणाली को सहायता मिलेगी, जो आपदा के कारण बुरी तरह प्रभावित हुई है।

आप नेता का बीजेपी पर तंज, बाबा साहेब के लिए न दिल में जगह है और न ही दीवारों पर

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में रेखा गुप्ता के मुख्यमंत्री पद के रूप में कमान संभालने के बाद बाबा साहेब अंबेडकर की तस्वीर वाले मुद्दे पर खूब राजनीति हुई थी। आम आदमी पार्टी का आरोप था कि बीजेपी सरकार बनते ही सीएम के पीछे लगी डॉक्टर अंबेडकर की तस्वीर हटाई गई। मामला दिल्ली विधानसभा तक पहुंचा था। लेकिन बाद में बीजेपी ने खुद वीडियो बनाकर बताया था कि कोई तस्वीर नहीं हटी है, बस जगह बदली है। आज अंबेडकर जयंती के मौके पर आम आदमी पार्टी के नेता सौरभ भारद्वाज ने फिर तस्वीर वाला मुद्दा भुनाने की कोशिश की। आप नेता ने कहा कि बाबा साहेब को लेकर बीजेपी वालों के न दिल में जगह है और न ही दीवारों पर। यह बहुत दुख और शर्म की बात है। पूर्व मंत्री भारद्वाज ने कहा कि पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल ने तय किया था कि आप दफ्तर में, सीएम आवास में, मंत्रियों के आवास में और हर सरकारी कार्यलाय में अंबेडकर की फोटो होगी। केजरीवाल की हर प्रेस कॉन्फ्रेंस में देखा होगा कि उनके पीछे बाबा साहब की तस्वीर होती थी। लेकिन अब दिल्ली में बीजेपी की सरकार बनते ही उन तस्वीरों को हटा दिया गया। भारद्वाज ने कहा कि हम यह उम्मीद करते थे कि बीजेपी बाकी राज्यों में अंबेडकर की फोटो नहीं लगाएगी, लेकिन उन्होंने दिल्ली में सभी जगहों से उनकी तस्वीर हटा दी। अब आप देख सकते हैं कि जब रेखा गुप्ता सीएम हाउस से प्रेस कॉन्फ्रेंस करती हैं, तब उनके पीछे बाबा साहेब की तस्वीर नहीं होती। कुर्सी वही है, दीवार और उसके रंग वही हैं, बाबा साहेब की तस्वीर गायब हो गई है।

बेंगलुरु और कर्नाटक में बारिश की संभावना, विभाग ने किया यलो अलर्ट जारी

बेंगलुरु (एजेंसी)। बेंगलुरु और कर्नाटक के कई हिस्सों में बारिश होने की संभावना है। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने सोमवार और मंगलवार को कई जिलों के लिए येलो अलर्ट जारी किया है। पूरे राज्य में अलग-अलग स्थानों पर हल्की बारिश और गरज के साथ छींटे पड़ने और 40-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना है।

मंगलवार को भी येलो अलर्ट जारी किया है, बेंगलुरु शहरी क्षेत्र सहित 15 जिलों में बारिश की संभावना है। दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक के ज्यादातर हिस्सों में बारिश होने की उम्मीद है। इस बीच तटीय और उत्तरी आंतरिक कर्नाटक में भी पूरे सप्ताह हल्की से मध्यम बारिश होने का अनुमान है।

मौसम विभाग के मुताबिक इस मौसमी गतिविधि का कारण ऊपरी हवा में चक्रवाती परिसंचरण को माना जा रहा है जो आंध्र प्रदेश के तटीय मध्य क्षेत्र और आसपास के क्षेत्रों में समुद्रतल से करीब 0.9 किमी ऊपर स्थित है। परिणामस्वरूप, सोमवार को 18 जिलों के लिए यलो अलर्ट जारी किया है, जिसमें रायचूर, कोप्पल, गडग, धारवाड़, हावेरी, दावणगेरे, शिवमोग्गा, चित्रदुर्ग, चिक्कमगलुरु, हसन, कोडागु, मैसूरु, मांड्या, चामराजनगर, रामानगर, बेंगलुरु शहरी, तुमकुरु और कोलार शामिल हैं। इनमें से कुछ इलाकों में भारी बारिश और तेज हवाएं चलने चेतावनी भी दी गई है।

मायावती ने आकाश को किया माफ: अब बुआ-भतीजे मिलकर बनाएंगे नई रणनीति

लखनऊ (एजेंसी)। विवादित बयानों से नाराज बसपा प्रमुख मायावती ने अपने भतीजे आकाश आनंद को पार्टी से बाहर का रास्ता दिखा दिया था। कुछ दिन बाहर रहने के बाद आकाश को अपनी गलती का अहसास हुआ और उन्होंने अपनी बुआ मायावती से माफी मांग ली। बुआ ने माफ भी कर दिया अब बुआ भतीजे मिलकर नई रणनीति पर काम करेंगे।

बसपा सुप्रीमो मायावती ने 16 अप्रैल को प्रदेश पदाधिकारियों की बैठक बुलाई है। इसमें प्रदेश पदाधिकारियों के साथ जोनल प्रभारी, जिलाध्यक्ष और बामसेफ के लोगों को बुलाया गया है। माना जा रहा है कि मायावती आकाश को लेकर कुछ संकेत पार्टी के लोगों को इस मौके पर दे सकती हैं।

पार्टी सूत्रों का कहना है कि आकाश आनंद के आने से फायदा होगा। मायावती के बाद वह दूसरा सबसे बड़ा चेहरा होंगे। जाटव के साथ अन्य दलित बिरादरी के लोगों को बांधे रखने में मदद करेंगे। मैदान में उतर कर चंद्रशेखर आजाद के साथ ही भाजपा, सपा कांग्रेस को चुनौती देकर बसपा का पक्ष मजबूत कर सकेंगे। आकाश के पार्टी में आने से ससुर अशोक सिद्धार्थ के साथ जाकर दूसरी पार्टी बनाने की संभावना भी क्षीण होगी। आने वाले विधानसभा में वह मैदान में उतर कर मेहनत करेंगे तो स्वाभाविक है कि पार्टी को ही फायदा मिलेगा।

ऐसे में सवाल उठ रहा है कि क्या आकाश आनंद बसपा के अच्छे दिनों की वापसी करा पाएंगे? और भतीजे को लेकर मायावती ने एक बार फिर अपनी रणनीति क्यों बदली है? राजनीतिक जानकार आकाश के इस कदम को बसपा के घटते रहे जनाधार के बीच नई ऊर्जा के रूप में देख रहे हैं। आकाश की वापसी पार्टी के लिए कितनी लाभकारी होगा यह वक्त बताएगा, लेकिन चंद्रशेखर आजाद की चुनौती के बीच आकाश एक तेज-तर्रार युवा चेहरे के रूप में पार्टी में जोश भरें तो हैरत नहीं।

बसपा में मौजूदा समय मायावती के अलावा पार्टी में दूसरा कोई बड़ा दलित चेहरा नहीं है। सतीश चंद्र मिश्र हैं, तो जरूर लेकिन वह दलितों के बीच सर्वमान्य नहीं हैं। आकाश के बाहर जाने से पार्टी को नुकसान ही था। मायावती ने अकाश आनंद को अपना उत्तराधिकारी घोषित कर पार्टी से दलित युवाओं को बांधे रखने की कोशिश की थी। बसपा के लिए मौजूदा समय चंद्रशेखर आजाद सबसे बड़ी चुनौती हैं। दलित युवाओं में उनकी खासी पैठ है। खासकर पश्चिमी यूपी में जाटव बिरादरी के युवाओं में। आकाश भी जाटव बिरादरी के युवा नेता हैं। राजनीतिक जानकार करते हैं कि मायावती भी यह समझती हैं कि आकाश के न रहने से पार्टी को नुकसान होगा। जाटव बिरादरी के वोट को बांधे रखने के लिए आकाश ही सहारा हैं। उनके साथ रहने से ही पार्टी का भला है।

बीजद के पूर्व विधायक प्रणब कुमार पर जानलेवा हमला

-सत्तारूढ़ भाजपा के समर्थक पर आरोप

जाजपुर। ओडिशा के जाजपुर जिले में एक निर्दलीय विधायक के कुछ समर्थकों ने बीजद के पूर्व विधायक प्रणब कुमार बलबंतराय पर कथित तौर हमला कर उनकी कार में तोड़फोड़ की। यह घटना अरुहा गांव में हुई, जब बीजू जनता दल (बीजद) के नेता एक उत्सव में शामिल होने के लिए जा रहे थे। पुलिस ने बताया कि बलबंतराय को कोई चोट नहीं आई, हालांकि उनकी गाड़ी क्षतिग्रस्त हुई है। बलबंतराय ने आरोप लगाया, ''हिमांशु शेखर साहू के समर्थकों ने मेरी जान लेने की कोशिश की। उनके पास 'भुजाली' (धारदार हथियार) और तलवारें थीं।'' सत्तारूढ़ भाजपा का समर्थन करने वाले साहू ने आरोप को खारिज किया है। लोकल विधायक साहू के कथित समर्थकों ने हिंगुला मंदिर के पास बलबंतराय के वाहन को रोका था। दिल्ली में मौजूद साहू ने आरोपों से इंकार कर दावा किया कि जिले में बीजद के कुछ नेता ही बलबंतराय के खिलाफ है और हो सकता है कि उन्होंने ही उन पर हमला करवा दिया हो। धर्मशाला क्षेत्र में अक्टूबर 2024 में भी बलबंतराय के वाहन पर हमला किया गया था। बीजद अध्यक्ष और पूर्व सीएम नवीन पटनायक ने हमले की घटना को लेकर चिंता व्यक्त की। पटनायक ने कहा, ''धर्मशाला के पूर्व विधायक और बीजद के युवा नेता प्रणब बलबंतराय पर सरेआम और सुनियोजित हमला राज्य में कानून-व्यवस्था की भयावह स्थिति को दर्शाता है।'' पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि यदि राज्य में जनप्रतिनिधि सुरक्षित नहीं हैं, तब आमजन का भगवानउ ही मालिक है।

मुझे 'गद्दार' बताने वाले पोस्टर के पीछे नाथूराम गोडसे के समर्थकों का हाथ: दिग्विजय सिंह

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य दिग्विजय सिंह ने सोमवार को दावा किया कि वक्फ (संशोधन) अधिनियम के मुद्दे को लेकर मध्यप्रदेश के अलग-अलग स्थानों पर विवादास्पद पोस्टर लगाने के पीछे महात्मा गांधी के हत्यारे नाथूराम गोडसे के ''समर्थकों'' का हाथ है। इन पोस्टर में सिंह को ''गद्दार'' बताया गया था। मध्यप्रदेश, सिंह का गृहराज्य है जहां वह 1993 से 2003 तक 10 साल तक मुख्यमंत्री रहे थे। इंदौर और राज्य के अन्य शहरों में हाल में लगाए गए विवादास्पद पोस्टर पर छपा था- ''वक्फ बिल का विरोध करने वाले दिग्विजय सिंह।'' पोस्टर में दिग्विजय सिंह (78) की तस्वीर पर एक सील के ठप्पे का निशान भी बनाया गया था जिस पर छपा था- ''वतन के, धर्म के, पूर्वजों के गद्दार।'' यहां महू नाका चौराहा पर लगाए गए ऐसे पोस्टर के नीचे ''भारतीय जनता युवा मोर्चा, इंदौर महानगर'' छपा था। इसके खिलाफ कांग्रेस शहर के छत्रीपुरा थाने में शिकायत कर चुकी है। विवादास्पद पोस्टर को लेकर प्रतिक्रिया मांगे जाने पर सिंह ने महू में ''पीटीआई-भाषा'' से कहा,''जो लोग गोडसे का समर्थन कर रहे हैं, वे मुझे गद्दार कहते हैं। असल में ये लोग गद्दार हैं।'' उन्होंने कहा कि वक्फ (संशोधन) अधिनियम, संविधान के प्रावधानों के खिलाफ है और इस कानून के खिलाफ उच्चतम न्यायालय में याचिका दायर हो चुकी है। सिंह ने कहा कि वक्फ (संशोधन) अधिनियम पर उनके रुख को लेकर उनका विरोध सिर्फ इसलिए किया जा रहा है क्योंकि वह ''महात्मा गांधी और डॉ. भीमराव आम्बेडकर के अनुयायी'' और ''भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के दुश्मन'' हैं। सिंह, आम्बेडकर की 134वीं जयंती पर उनकी जन्मस्थली महू पहुंचे और संविधान निर्माता को श्रद्धांजलि दी। राज्यसभा सदस्य ने कहा कि आम्बेडकर की विरासत को लेकर दलगत राजनीति नहीं की जानी चाहिए। उन्होंने कहा,''आम्बेडकर का बनाया संविधान सर्वसम्मति से पारित किया गया था। इसलिए इस विषय में किसी भी पार्टी द्वारा श्रेय लिया जाना उचित नहीं है।

बंगाल में अगले साल होने वाला विधानसभा चुनाव राष्ट्रपति शासन में कराया जाना चाहिये : शुभेंदु अधिकारी

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में हुयी हालिया हिंसा के बाद राज्य में कानून-व्यवस्था की स्थिति के पूरी तरह खराब होने का आरोप लगाते हुये भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता शुभेंदु अधिकारी ने सोमवार को मांग की कि प्रदेश में 2026 में होने वाला विधानसभा चुनाव राष्ट्रपति शासन के तहत करवाया जाना चाहिये।

अधिकारी ने कहा कि सुती, धुलियान, जंगीपुर और शमशेरगंज सहित मुर्शिदाबाद के कुछ हिस्सों में जारी अशांति ने नागरिकों की सुरक्षा और शांति बनाए रखने में राज्य सरकार की अक्षमता को उजागर किया है।

उन्होंने दावा किया कि जब भीड़ उत्पात मचा रही थी, तब सरकार मूकदर्शक बनी रही। विधानसभा में विपक्ष के नेता अधिकारी ने यहां संवाददाताओं से कहा, ''जहां भी हिंदू अल्पसंख्यक हैं, उन्हें मतदान करने से रोका जाता है। पुलिस सत्तारूढ़ पार्टी के कार्यकर्ताओं की तरह काम करती है। स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव के लिए विधानसभा चुनाव राष्ट्रपति शासन के तहत होने चाहिए।''

हाल ही में हुई हिंसा के पीछे 'जिहादी तत्वों' का हाथ होने का आरोप लगाते हुए अधिकारी ने कहा, ''इन समूहों को बेलगाम होने की अनुमति दी गई है। हम उनसे निपटने के लिए तैयार हैं, लेकिन सभी को समान अवसर मिलना चाहिए। निर्वाचन आयोग को चुनाव से पहले राज्य में राष्ट्रपति शासन की सिफारिश करने पर विचार करना चाहिए।''

अधिकारियों ने बताया कि हिंसा से प्रभावित सैकड़ों लोगों ने कथित तौर पर भागीरथी नदी पार कर पड़ोसी मालदा जिले में शरण ली है। स्थानीय प्रशासन ने विस्थापित परिवारों को आश्रय और भोजन उपलब्ध कराया है, उन्हें स्कूलों में ठहराया है और नावों से आने वालों की सहायता के लिए स्वयंसेवी दल गठित किए हैं।

अशांति की शुरुआत वक्फ (संशोधन) अधिनियम के खिलाफ हिंसक विरोध प्रदर्शन से हुई, जो जल्द ही झड़पों में बदल गई, जिसमें कम से कम तीन लोग मारे गए और कई घायल हो गए। प्रभावित क्षेत्रों से प्राप्त तस्वीरों में दुकानों, घरों और होटलों के जले हुए अवशेष दिखाई दे रहे हैं।

भाजपा के आरोपों पर प्रतिक्रिया देते हुए, तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और राज्य के मंत्री फिरहाद हकीम ने कहा, ''लोग बंगाल के भीतर ही बस रहे हैं, राज्य से भाग नहीं रहे हैं। प्रशासन सामान्य स्थिति बहाल करने के लिए हर संभव कदम उठा रहा है। हिंसा दुर्भाग्यपूर्ण है और पुलिस जिम्मेदार लोगों की पहचान करने के लिए काम कर रही है।''

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शनिवार को घोषणा की कि उनकी सरकार राज्य में संशोधित वक्फ अधिनियम लागू नहीं करेगी। इस बीच, अधिकारी द्वारा दायर याचिका पर कार्रवाई करते हुए कलकत्ता उच्च न्यायालय ने शनिवार को हिंसा प्रभावित क्षेत्रों में कानून-व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) की तैनाती का निर्देश दिया। अगले साल अप्रैल-मई में विधानसभा चुनाव होने हैं।

मुर्शिदाबाद हिंसा पर तृणमूल कांग्रेस का बड़ा आरोप, बीएसएफ की मदद से रची गई साजिश

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में वक्फ कानून के खिलाफ हुए हिंसक विरोध-प्रदर्शनों ने राज्य की राजनीति में हलचल मचा दी है। इस मुद्दे को लेकर जहां भाजपा ने राज्य सरकार पर कड़ा हमला बोला है, वहीं तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने एक बड़ा पलटवार करते हुए इस हिंसा को एक 'सुनियोजित साजिश' करार दिया है। टीएमसी प्रवक्ता कुणाल घोष ने रविवार को दावा किया कि इस हिंसा के पीछे कुछ केंद्रीय एजेंसियों, बीएसएफ की एक टुकड़ी, और दो-तीन राजनीतिक दलों का हाथ है। उन्होंने आरोप लगाया कि बीएसएफ की मदद से कुछ उपद्रवी सीमा पार कर पश्चिम बंगाल में दाखिल हुए, अराजकता फैलाई और फिर उन्हें सुरक्षित रास्ता देकर वापस भेजा गया। घोष ने कहा, हमें कुछ इनपुट मिल रहे हैं कि यह सिर्फ स्थानीय असंतोष नहीं था, बल्कि एक बड़ी राजनीतिक और प्रशासनिक साजिश का हिस्सा था। मास्टरमाइंड कौन हैं, यह स्पष्ट नहीं है, लेकिन इतना तय है कि इस पूरी साजिश का मकसद बंगाल को बदनाम करना और राज्य में साम्प्रदायिक तनाव फैलाना था। इस बीच भाजपा ने आरोप लगाया है कि मुर्शिदाबाद के हालात भयावह हैं और कई हिंदू परिवारों को अपना घर छोड़कर पलायन करना पड़ा है। राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने भी सख्त रुख अपनाते हुए कहा है कि कानून को हाथ में लेने वालों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। कुणाल घोष ने भाजपा पर फर्जी तस्वीरें और भड़काऊ प्रचार करने का आरोप लगाते हुए कहा, भाजपा की सोशल मीडिया पोस्ट में जो तस्वीरें दिखाई गई हैं, उनमें से कई दूसरे राज्यों की हैं, लेकिन उन्हें मुर्शिदाबाद की बताकर लोगों को गुमराह किया जा रहा है। टीएमसी ने यह भी स्पष्ट किया कि राज्य सरकार पूरी सतर्कता से स्थिति को नियंत्रित करने में लगी है और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के नेतृत्व में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं। घटनाक्रम की गंभीरता को देखते हुए इस मुद्दे पर सियासी घमासान तेज हो गया है और सभी पक्ष एक-दूसरे पर दोषारोपण कर रहे हैं। अब यह देखना अहम होगा कि इस मामले की जांच किस दिशा में आगे बढ़ती है और क्या वाकई किसी साजिश का पर्दाफाश होता है।

यूपी में गुंडाराज कायम, करछना में दलित की हत्या व जलाने की घटना निंदनीय

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने की योगी सरकार से दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रयागराज,(ईएमएस)। कांग्रेस के यूपी प्रदेश अध्यक्ष अजय राय सोमवार को प्रयागराज पहुंचे। यहां करछना में हुई दलित की हत्या और जलाने के मामले में उन्होंने मीडिया से बातचीत में कहा कि आज बाबा साहेब अंबेडकर की जयंती है और इसके एक दिन पहले प्रयागराज में एक दलित की बेरहमी से हत्या कर दी जाती है, इसकी जितनी भी निंदा की जाए कम है।

आज योगी सरकार में यूपी में गुंडाराज कायम है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस मांग करती है कि पीड़ित परिवार को 50 लाख रुपए दिए जाएं, पक्का घर और दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाए। राय ने कहा सर्वोच्च न्यायालय ने अपने फैसले में कहा था कि यूपी में कानून व्यवस्था नाम की कोई चीज नहीं है। आज यह साबित हो गया है कि यूपी में पूरी तरह से गुंडाराज कायम है। उन्होंने कहा कि संघ प्रमुख मोहन भागवत से कहना चाहूंगा कि सीएम योगी से इस्तीफा लेकर उनको मठ में भेजें।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी दलितों के साथ हमेशा खड़ी थी और आज भी दलितों के साथ खड़ी है। राय ने इलाहाबाद हाई कोर्ट के पास स्थित अंबेडकर प्रतिमा पर माल्यार्पण भी किया। इसके बाद करछना के लिए रवाना हो गए, वहां पर पीड़ित परिवार से मिले। उनके इलाहाबाद के कांग्रेस सांसद उज्जवल रमण सिंह समेत कांग्रेस के अन्य पदाधिकारी मौजूद थे।

कांग्रेस सांसद उज्ज्वल रमण सिंह ने अपने फेसबुक पेज पर लिखा करछना में दलित देवी शंकर को जला कर मार डालने की घटना ने पूरे मानवता को झकझोर दिया है। यह न सिर्फ अत्यंत दुखद है, बल्कि बेहद निंदनीय भी है। मैं योगी सरकार से मांग करता हूं कि इस अमानवीय कृत्य के लिए दोषियों को कठोर सज़ा दी जाए और मृतक देवी शंकर के परिवार को 50 लाख की आर्थिक सहायता तत्काल प्रदान की जाए। यह सिर्फ एक व्यक्ति की नहीं, पूरे समाज की लड़ाई है। हम चुप नहीं बैठेंगे। न्याय दिलाकर ही रहेंगे।

जम्मू-कश्मीर को खास पर्यटन क्षेत्र के रूप में विकसित करने की जरूरत : उमर अब्दुल्ला

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने सोमवार को कहा कि केंद्रशासित प्रदेश एक बार फिर प्रमुख पर्यटन स्थल बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री ने पर्यटकों की संख्या बढ़ाने के बजाय 'मूल्य आधारित पर्यटन' का रास्ता चुनने पर जोर दिया।

नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता ने यहां एक कार्यक्रम में लोगों को संबोधित करते हुए श्रीनगर जाने वाली घरेलू उड़ानों के लिए ऊंचे हवाई किराये की भी आलोचना की, खासकर यदि टिकट यात्रा से एक या दो दिन पहले बुक किए गए हों। उन्होंने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि जम्मू को श्रीनगर से जोड़ने वाली नयी वंदे भारत ट्रेन, जिसे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जल्द ही हरी झंडी दिखाएंगे, यात्रियों के लिए कुछ राहत लेकर आएगी। इस कार्यक्रम - आईसीसी एविएशन एंड टूरिज्म कॉन्फ्रेंस 2025 - की मेजबानी भारतीय चैंबर ऑफ कॉमर्स द्वारा की गई थी।

अब्दुल्ला ने कहा कि जम्मू-कश्मीर की खूबसूरती लंबे समय से पर्यटकों को आकर्षित करती रही है, यहां तक कि घाटी के आतंक और हिंसा के साये में आने से भी पहले। अब्दुल्ला ने कहा, ÷पर्यटन एक ऐसी चीज है, जिसके लिए जम्मू-कश्मीर प्रसिद्ध है। परेशानियों के लिए कुख्याति से बहुत पहले, हम जम्मू-कश्मीर की खूबसूरती और जम्मू-कश्मीर के पर्यटन के लिए प्रसिद्ध थे। और यह खूबसूरती ऐसी चीज़ नहीं है जिसकी चर्चा हाल के दिनों में होती है।' उन्होंने लाल किले की दीवार पर अंकित प्रसिद्ध पंक्ति का हवाला देते हुए अपनी बात को स्पष्ट किया, जिसमें कश्मीर को 'धरती पर स्वर्ग' बताया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा, 'ये शब्द सदियों पहले लिखे गए थे। तब से लेकर अब तक जम्मू-कश्मीर ने बड़े पैमाने पर अच्छी चीजों के लिए ध्यान आकर्षित किया है, लेकिन हाल के वर्षों में कुछ हद तक बुरे (कारणों) के लिए भी ध्यान आकर्षित किया है।'

मुख्यमंत्री ने कहा, 'मेरा दृढ़ विश्वास है कि जम्मू-कश्मीर को अब पर्यटन स्थल के रूप में खुद को पुनः स्थापित करने की आवश्यकता है... आज, मैं तेजी से इस दृष्टिकोण से सहमत हो रहा हूं कि हमें जम्मू-कश्मीर को बड़े पैमाने पर पर्यटन के लिए नहीं, बल्कि मूल्य (आधारित) पर्यटन के लिए एक गंतव्य के रूप में पुनः स्थापित करने की आवश्यकता है। हमें मूल्य श्रृंखला को ऊपर ले जाने की आवश्यकता है।

साजिश सिर्फ भारत तक सीमित नहीं इसके तार अंतरराष्ट्रीय स्तर तक तहव्वुर राणा के मामले में कोर्ट की टिप्पणी

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुंबई के 26/11 हमलों के आरोपी तहव्वुर राणा को पटियाला हाउस की विशेष एनआईए अदालत ने 18 दिन की रिमांड पर भेज दिया है। अदालत ने कहा कि राणा से गवाहों और सबूतों का सामना कराना जरूरी है। ताकि गहन पूछताछ की जा सके और साजिश की जड़ तक पहुंचा जा सके। यह मामला राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा हुआ है। मुंबई 26/11 हमलों के आरोपी तहव्वुर राणा को पटियाला हाउस की स्पेशल एनआईए कोर्ट ने 18 दिनों की रिमांड पर भेजा है। रिमांड नोट में लिखा है कि साजिश की सीमा भारत से बाहर तक फैली है। कोर्ट ने कहा कि यह साजिश सिर्फ भारत तक सीमित नहीं है। इसके तार अंतरराष्ट्रीय स्तर तक जुड़े हैं। कई शहरों को टारगेट किया गया था। इसमें भारत के कई शहरों सहित राष्ट्रीय राजधानी (दिल्ली) को निशाना बनाया गया। तहव्वुर राणा और उसके साथियों द्वारा की गई रेकी की जांच जरूरी है। कोर्ट ने कहा कि तहव्वुर राणा को उन सबूतों से रूबरू कराना जरूरी है, जो उसके द्वारा की गई रेकी (जांच-पड़ताल) से जुड़े हैं। गवाहों, फॉरेंसिक और दस्तावेजी सबूतों से उसका सामना जरूरी है। कोर्ट ने कहा कि गवाहों और अन्य सबूतों के साथ उसका आमना-सामना कराना जरूरी है। गहराई से पूछताछ की जरूरत है। साजिश बहुत गहरी है। इसलिए तह तक पहुंचने के लिए पुलिस हिरासत में लगातार पूछताछ जरूरी है। कोर्ट ने कहा कि मामला राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा है। ये मामला भारत की सुरक्षा और संप्रभुता से जुड़ा है। जज ने कहा कि जांच एजेंसी को पूरा और निष्पक्ष मौका मिलना चाहिए। ताकि वो कोर्ट के सामने सभी तथ्यों को पेश कर सके। बता दें कि एनआईए ने उसके खिलाफ भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की जिन धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज किया है, उनमें मौत की सजा का भी प्रावधान है। ऐसे में देश की न्यायपालिका उसे मृत्युदंड की सजा सुना सकती हैं। राणा के खिलाफ आईपीसी की धारा-120बी, 121, 121-ए, 302, 468, 471 में मामला दर्ज है। इसके अलावा गैरकानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम-यूएपीए और आतकंवादी गतिविधियों के खिलाफ धारा 18 और 20 के तहत भी मामला दर्ज किया गया है। बताया जा रहा है कि एनआईए उसके फोन पर हुई बातचीत का रिकॉर्ड खंगाल रही है। इनमें से अधिकांश अन्य आरोपी डेविड हेडली के साथ हैं। जांचकर्ताओं को संदेह है कि इस बातचीत में दाऊद की संलिप्तता के भी संकेत हो सकते हैं। एनआईए का मानना है कि मुंबई हमलों की योजना 2005 से ही बनाई जा रही थी। राणा भी उस योजना का हिस्सा था।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

अमेरिका के जॉर्जिया में हिंदू फोबिया को मान्यता देने के लिए बिल पेश, ऐसा करने वाला पहला राज्य

त्बिलिसी, एजेंसी। अमेरिकी राज्य जॉर्जिया की असेंबली में हिंदू फोबिया और हिंदू विरोधी कट्टरता को मान्यता देने के लिए बिल पेश किया गया है। अगर यह बिल पास होकर कानून बन जाता है तो जॉर्जिया राज्य में हिंदू समुदाय के खिलाफ नफरत फैलाने वालों पर कार्रवाई की जाएगी। इसके लिए जॉर्जिया हिंदू फोबिया को परिभाषित भी करेगा। हिंदू फोबिया के लिए बिल पेश करने वाला जॉर्जिया पहला अमेरिकी राज्य है। इस बिल को रिपब्लिकन सीनेटर शॉन स्टिल, क्लिंट डिक्सन और डेमोक्रेटिक सीनेटर जेसन एस्टेव्स और इमैनुएल डी. जोन्स ने मिलकर पेश किया है। इससे पहले जॉर्जिया ने 2023 हिंदू फोबिया के खिलाफ प्रस्ताव पास किया था। इसमें हिंदू विरोधी कट्टरता की निंदा की गई थी। साथ ही हिंदू धर्म को दुनिया के सबसे प्राचीन धर्मों में से एक के रूप में मान्यता दी गई थी

ब्राजील के पूर्व राष्ट्रपति बोल्सोनारो पेट दर्द के चलते अस्पताल में भर्ती, हालत स्थिर

ब्राज़िलिया, एजेंसी। ब्राजील के पूर्व राष्ट्रपति जेर बोल्सोनारो को पेट में तेज दर्द की शिकायत के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया है। डॉक्टरों ने बताया कि उनकी हालत फिलहाल स्थिर है, लेकिन उन्हें उत्तर-पूर्वी ब्राजील से राजधानी ब्रासीलिया मेडिकल विमान से स्थानांतरित किया जाएगा। बोल्सोनारो को शुक्रवार सुबह उस वक्त पेट में तेज दर्द हुआ जब वे उत्तर-पूर्वी ब्राजील के दौरे पर थे। डॉक्टरों ने बताया कि यह दर्द आंतों में रुकावट (बॉवेल ऑब्स्ट्रक्शन) की वजह से हुआ है, जो साल 2018 में चुनाव प्रचार के दौरान पेट में चाकू लगने की घटना से जुड़ी दीर्घकालिक समस्याओं का नतीजा है। पूर्व राष्ट्रपति पर 2018 में एक चुनावी रैली के दौरान हमला हुआ था, जिसमें उनके पेट में गंभीर चोट आई थी। उस हमले के बाद से वे कई बार अस्पताल में भर्ती हो चुके हैं और 2019 से 2022 के बीच अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने कई सर्जरी करवाई थीं।

अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध- बांग्लादेश

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश के विदेश सचिव एमडी जाशिम उद्दिन ने हाल ही में बैंकॉक में बिम्सटेक शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और बांग्लादेश के मुख्य सलाहकार प्रोफेसर मुहम्मद यूनुस के बीच हुई मुलाकात को एक महत्वपूर्ण कदम बताया है। बैठक में पीएम मोदी ने बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों, विशेषकर हिंदुओं की सुरक्षा को लेकर भारत की चिंताओं को रेखांकित किया था। उन्होंने उम्मीद जताई थी कि बांग्लादेश सरकार अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित करेगी और उनके खिलाफ अत्याचारों की गहन जांच की जाएगी। विदेश सचिव उद्दिन ने आश्वासन दिया कि बांग्लादेश अपनी धरती पर अल्पसंख्यकों की सुरक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा, हम अपने नागरिकों को लेकर किसी भी तरह की हिंसा या धमकी को बर्दाश्त नहीं करते। हमें अपनी जिम्मेदारियों का पूरा अहसास है। उन्होंने उम्मीद जताई कि दोनों नेताओं की इस मुलाकात से दोनों देशों के रिश्तों में आई खटास को दूर करने में मदद मिलेगी। उद्दिन ने कहा, हम उच्च राजनीतिक स्तर पर मुलाकात को दोनों पक्षों के लिए महत्वपूर्ण मानते हैं। बिम्सटेक शिखर सम्मेलन के दौरान हुई यह बैठक दोनों नेताओं के लिए पहली व्यक्तिगत मुलाकात थी। मैं इसे एक महत्वपूर्ण कदम मानता हूं, जो हमारे रिश्तों पर छाए बादलों को हटाने और आगे बढ़ने में मदद करेगा। उन्होंने भारत के साथ खुले संवाद और सहयोग पर जोर देते हुए हाल के उच्च-स्तरीय आदान-प्रदान को भी रेखांकित किया।

मिस्र और इंडोनेशिया के राष्ट्रपतियों के बीच हुई गाजा युद्ध पर चर्चा, संबंधों को मजबूत करने पर दिया जोर

काहिरा, एजेंसी। मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल-फतह अल-सीसी ने काहिरा में इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो के साथ बातचीत की। मिस्र के राष्ट्रपति कार्यालय ने एक बयान में कहा कि उन्होंने गाजा पट्टी में विकास और दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी बढ़ाने पर चर्चा की। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, सीसी ने प्रबोवो को गाजा में युद्धविराम के लिए मिस्र की मध्यस्थता और वहां के लोगों को मानवीय सहायता देने के प्रयासों के बारे में बताया। मिस्र के राष्ट्रपति कार्यालय के अनुसार, दोनों नेताओं ने गाजा में लोगों को विस्थापित किए बिना पुनर्निर्माण शुरू करने और अंतरराष्ट्रीय नियमों के आधार पर स्थायी समाधान निकाले जाने की जरूरत पर जोर दिया। उन्हें उम्मीद है कि ऐसा समाधान 1967 की सीमाओं पर एक स्वतंत्र फिलिस्तीनी राज्य की स्थापना की गारंटी देगा, जिसकी राजधानी पूर्वी यरुशलम होगी। उन्हें उम्मीद थी कि इस तरह के समाधान से 1967 की सीमाओं के साथ एक स्वतंत्र फ़िलिस्तीनी राष्ट्र बनेगा, और पूर्वी येरुशलम उसकी राजधानी होगी सीसी और प्रबोवो ने द्विपक्षीय संबंधों के बारे में भी बात की। बयान में कहा गया, दोनों राष्ट्रपतियों ने एक घोषणा पर हस्ताक्षर किए, जिससे आपसी संबंधों को रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक बढ़ाया गया है।

कीव में भारतीय दवा कंपनी के गोदाम पर मिसाइल से हमला, यूक्रेन ने रूस पर लगाया आरोप

कीव, एजेंसी। यूक्रेन की राजधानी कीव में भारतीय फार्मास्युटिकल कंपनी कुसुम के वेयरहाउस पर रूसी मिसाइल ने हमला किया है। कीव की ओर से एक्स पर एक पोस्ट में यह दावा किया गया। नई दिल्ली स्थित यूक्रेनी दूतावास ने आरोप लगाया कि रूस ने जानबूझकर यूक्रेन में भारतीय कारोबार को निशाना बनाया। दूतावास की ओर से कहा गया, आज रूसी मिसाइल ने यूक्रेन में भारतीय फार्मा कंपनी कुसुम के वेयरहाउस पर हमला किया। भारत के साथ खास दोस्ती का दावा करने वाला मॉस्को जानबूझकर भारतीय बिजनेस को टारगेट कर रहा है। बच्चों और बुजुर्गों के लिए जरूरी दवाइयों को नष्ट किया जा रहा है। ब्रिटेन के यूक्रेन में राजदूत मार्टिन हैरिस ने भी कहा कि रूसी हमलों ने कीव में एक बड़े फार्मा वेयरहाउस को तबाह कर दिया है। हालांकि, उन्होंने कहा कि हमला रूसी ड्रोन से हुआ, न कि मिसाइल से। उन्होंने एक्स पर पोस्ट किया, आज सुबह रूसी ड्रोन्स ने कीव में एक बड़े फार्मास्युटिकल वेयरहाउस को पूरी तरह नष्ट कर दिया, जिसमें बुजुर्गों और बच्चों के लिए जरूरी दवाइयों का भंडार था। यह पूरी तरह जलकर खाक हो गया है। यूक्रेनी नागरिकों के खिलाफ रूस का आतंकी अभियान जारी है।

रूस और यूक्रेन के बीच फरवरी 2022 से युद्ध : रूस और यूक्रेन के बीच फरवरी 2022 से युद्ध चल रहा है। रूसी सेना ने यूक्रेन के कई हिस्सों पर हमले शुरू किए, जिसे वह स्पेशल मिलिट्री ऑपरेशन कहता है, जबकि यूक्रेन इसे अपने क्षेत्र की संप्रभुता पर हमला मानता है। इस युद्ध में हजारों लोग मारे गए हैं, लाखों विस्थापित हुए हैं और यूक्रेन के शहरों में भारी तबाही हुई है। रूस का कहना है कि वह नाटो के विस्तार और यूक्रेन की सैन्य गतिविधियों से अपने हितों की रक्षा कर रहा है। यूक्रेन को पश्चिमी देशों से हथियार और आर्थिक मदद मिल रही है। इस युद्ध ने ग्लोबल सप्लाई चेन, खासकर ऊर्जा और खाद्यान्न, को बाधित किया है। शांति वार्ता अभी तक नाकाम रही है और तनाव बढ़ता जा रहा है।

इजराइल ने गाजा के राफा को घेरा : इजराइली सेना ने राफा का बाकी गाजा से संपर्क काट दिया है। रक्षा मंत्री इजराइल काट्ज ने इसकी पुष्टि की है। उन्होंने कहा कि इजराइली डिफेंस फोर्स ने मोराग कॉरिडोर पर कब्जा कर लिया है, जिससे राफा का गाजा पट्टी से संपर्क टूट गया है। मोराग कॉरिडोर दक्षिणी गाजा में एक रास्ता है जो उसे गाजा पट्टी से अलग करता है। काट्ज ने गाजा के लोगों को धमकी देते हुए कहा कि यह हमास को भगाने और सभी बंधकों को रिहा कर जंग को खत्म करने का आखिरी मौका है। अगर ऐसा नहीं हुआ तो ये सब गाजा के दूसरे इलाके में भी होना शुरू हो जाएगा।

राफा पर अब इजराइल कंट्रोल करेगा : काट्ज ने कहा कि राफा को अब 'इजराइली सिक्योरिटी जोन' में बदल दिया गया है। इजराइली सिक्योरिटी जोन का मतलब मतलब उन जगहों से है, जिन्हें इजराइल अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए जरूरी मानता है और उन्हें कंट्रोल करता है। राफा क्रॉसिंग, फिलाडेल्फी कॉरिडोर, वेस्ट बैंक के कुछ इलाके और गोलान हाइट्स इजराइली सुरक्षा क्षेत्र के अंतर्गत आते हैं। इन इलाकों पर सेना के जरिए कंट्रोल किया जाता है। इजराइल काट्ज ने कहा कि नेत्जारिम कॉरिडोर जो गाजा को दो भागों में बांटती है, उसका भी विस्तार किया जाएगा। इस साल की शुरुआत में जब सीजफायर को लेकर डील हुई थी तब इजराइल ने नेत्जारिम कॉरिडोर छोड़ दिया था। लेकिन कुछ ही समय बाद इजराइल ने जंग फिर से शुरू कर दी और फिर से इस कॉरिडोर को अपने कब्जे में ले लिया।

काट्ज बोले- गाजा छोड़ने वाले लोगों का स्वागत : काट्ज ने कहा कि जो भी लोग गाजा से छोड़ना चाहते हैं उन्हें आसानी से रास्ता दिया जाएगा। उन्होंने फिर से अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प की गाजा से फिलिस्तीनियों को हटाने की प्लान का जिक्र किया। ट्रम्प ने फरवरी में गाजा को कंट्रोल में लेने की बात कही थी। उन्होंने कहा था कि अमेरिका गाजा पट्टी पर कब्जा करेगा और यहां रिसॉर्ट सिटी बनाई जाएगी। यह वेस्ट एशिया के लिए रोजगार और टूरिज्म का सेंटर बनेगा। इस बीच इजराइली सेना ने खान यूनिस में रहने वाले लोगों को इलाका छोड़ने का आदेश दे दिया है। ढ्ढष्ठस्न के अरब भाषा के प्रवक्ता ने कहा कि इजराइल इस इलाके में घातक हमले शुरू करने जा रहा है। लोगों को सलाह दी जाती है कि हमला शुरू होने से पहले वे अपने घर छोड़ दें और गाजा के पश्चिम अल-मवासी इलाके में चले जाए। राफा दक्षिणी गाजा में है और मिस्र की सीमा पर है। इजराइल ने 6 मई 2024 को राफा में सैन्य अभियान शुरू किया था। इस दौरान इजराइली सेना ने राफा क्रॉसिंग पर कब्जा कर लिया था। तब इजराइल ने कहा था कि वह हथियारों की तस्करी रोकने के लिए ऐसा कर रहा है। इजराइल के एक्शन की वजह से तब 14 लाख से ज्यादा फिलिस्तीनियों को अपनी जगह छोड़नी पड़ी थी।

कार्यशाला में घुसकर हाथ-पैर बांधे फिर अंधाधुंध की गोलीबारी; ईरान में आठ पाकिस्तानी कर्मचारियों की हत्या

इस्लामाबाद/तेहरान , एजेंसी। ईरान के सिस्तान-बलूचिस्तान प्रांत में बलूच लड़ाकों ने पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के आठ कामगारों की बेरहमी से हत्या कर दी। समाचार एजेंसी पीटीआई ने डॉन अखबार की रिपोर्ट के हवाले से बताया कि बर्बर वारदात शनिवार को मेहरिस्तान जिले के एक गांव में हुई। ईरानी अधिकारियों ने पाकिस्तानी नागरिकों की हत्या की वारदात की पुष्टि भी कर दी है। मृतक बहावलपुर के रहने वाले थे और एक कार मरम्मत की दुकान पर काम करते थे। ईरानी अधिकारियों ने बताया कि मारे गए सभी आठ पाकिस्तानी दक्षिणी पंजाब के बहावलपुर शहर के थे। वे एक कार्यशाला में रह रहे थे, जहां वे कारों की डेंटिंग, पॉलिश, पेंटिंग और मरम्मत का काम करते थे। रिपोर्ट के मुताबिक, अज्ञात हथियारबंद लोग रात में कार्यशाला में घुस आए और उनके हाथ-पैर बांध दिए। इसके बाद उन्होंने अंधाधुंध गोलीबारी की और उन्हें मार डाला। हमलावर आठ पाकिस्तानी कामगारों की हत्या करने के बाद वहां से भाग निकले। दुखद घटना की सूचना मिलने के बाद ईरानी पुलिस मौके पर पहुंची। बीएनए ने ली जिम्मेदारी प्रतिबंधित बलूचिस्तान नेशनल आर्मी (बीएनए) के प्रवक्ता ने आठ पाकिस्तानियों की हत्या की जिम्मेदारी ली। ईरानी अधिकारियों ने कहा कि ईरानी पुलिस घटना की जांच कर रही है। सिस्तान बलूचिस्तान में यह दूसरी ऐसी घटना थी। पिछले साल जनवरी में हथियारबंद लोगों ने सरवन शहर में नौ पाकिस्तानियों की हत्या कर दी थी, जो ईरान में मोटर मैकेनिक के तौर पर काम कर रहे थे और एक वर्कशॉप में रह रहे थे। पाकिस्तान और ईरान के बीच तनाव की वजह क्या? पाकिस्तान और ईरान के स्थानीय समूह बलूचिस्तान में आजादी के लिए दशकों से चल रहे संघर्ष का हिस्सा हैं। पिछले साल जनवरी में ईरान ने पाकिस्तान पर हमला किया था। पाकिस्तान ने जवाबी कार्रवाई करते हुए ईरानी क्षेत्र में मिसाइल हमला किया, जिससे सीमा पर तनाव बढ़ गया था। ईरान ने दावा किया कि वह ईरान के खिलाफ सक्रिय आतंकवादी समूह जैश अल-अदल को निशाना बना रहा था, जबकि पाकिस्तान ने कहा कि वह ईरान के अंदर दो आतंकवादी समूहों बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) और बलूचिस्तान लिबरेशन फ्रंट (बीएलएफ) के ठिकानों को निशाना बना रहा था। पाकिस्तान का बलूचिस्तान लंबे समय से उग्रवाद और अशांति से जूझ रहा है।

बिलावल भुट्टो जरदारी चार साल के लिए दोबारा पीपीपी अध्यक्ष चुने गए

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी के नेता बिलावल भुट्टो जरदारी एक बार फिर पार्टी अध्यक्ष बन गए हैं। बिलावल अगले 4 साल तक इस पद पर रहेंगे। इस्लामाबाद में पार्टी हेडक्वार्टर में हुए चुनाव के बाद यह फैसला किया गया। द एक्सप्रेस ट्रिब्यून की रिपोर्ट के मुताबिक पार्टी अध्यक्ष के अलावा दूसरे पदों के लिए भी चुनाव हुए। हुमायूं खान को पार्टी का महासचिव और नदीम अफजल चन को सूचना सचिव नियुक्त किया गया है। इसके अलावा आमना पिराचा को वित्त सचिव की जिम्मेदारी दी गई है। पार्टी की आंतरिक चुनावी व्यवस्था के अनुसार सभी अधिकारी चार साल के कार्यकाल के लिए चुने गए हैं।

हार्वर्ड के प्रोफेसर्स ने ट्रम्प पर केस किया, फंड रोकने की धमकी दी थी; आरोप- यहूदी विरोधी नफरत रोकने में नाकाम

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिका की हार्वर्ड यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर्स ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के प्रशासन के खिलाफ मैसाचुसेट्स की फेडरल डिस्ट्रिक्ट कोर्ट केस दायर किया है। प्रोफेसर्स के दो ग्रुप ने यूनिवर्सिटी फंड को रोकनी की धमकी के खिलाफ यह केस दर्ज किया है। ट्रम्प प्रशासन हार्वर्ड यूनिवर्सिटी को मिलने वाले 9 अरब डॉलर के फंड की समीक्षा कर रहा है। हार्वर्ड के प्रोफेसर्स ने हवाला दिया है कि ट्रम्प का यह फैसला अमेरिकी संविधान के फर्स्ट अमेंडमेंट (प्रथम संशोधन) का उल्लंघन करता है। प्रोफेसर्स ने आरोप लगाया है कि यूनिवर्सिटी फंड में कटौती करना अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का हनन है। कोर्ट में दायर याचिका में ट्रम्प प्रशासन के फैसले पर रोक लगाने की मांग भी की गई है। यूनिवर्सिटी पर आरोप- यहूदियों के खिलाफ नफरत को रोकने में नाकाम हाल ही में ट्रम्प प्रशासन ने हार्वर्ड को एक चिट्ठी भेजी थी। इस चिट्ठी में यूनिवर्सिटी को कुछ शर्तें पूरी करने के लिए कहा गया था। ऐसा न करने पर यूनिवर्सिटी की संघीय फंडिंग पर रोक लगाने की धमकी दी गई। इस कदम के पीछे ट्रम्प प्रशासन का दावा था कि हार्वर्ड जैसे प्रतिष्ठित संस्थान एंटी-सेमिटिज्म (यहूदियों के खिलाफ नफरत) को रोकने में नाकाम रहे हैं। प्रशासन ने आरोप लगाया कि कैंपस में यहूदी छात्रों और प्रोफेसरों के खिलाफ भेदभाव हो रहा है। यूनिवर्सिटी को मिलने वाली फंडिंग सर्च, स्टूडेंट स्कॉलरशिप, और कई साइंस और मेडिकल प्रोजेक्ट्स के लिए बेहद जरूरी है। यूनिवर्सिटी में फिलिस्तीनी झंडा फहराया था गाजा में जारी इजराइल-हमास जंग के खिलाफ पिछले साल अमेरिका की कई यूनिवर्सिटीज में फिलिस्तीन के समर्थन में प्रदर्शन हुए थे। इन प्रदर्शनों में हजारों छात्रों ने हिस्सा लिया था। एपी की रिपोर्ट के मुताबिक 1000 से ज्यादा छात्र गिरफ्तार भी हुए। इस दौरान हार्वर्ड यूनिवर्सिटी में छात्रों ने फिलिस्तीनी झंडा फहराया था। यूनिवर्सिटी ने इसे पॉलिसी के खिलाफ बताते हुए छात्रों के खिलाफ एक्शन लेने की बात कही थी। ट्रम्प प्रशासन ने कोलंबिया यूनिवर्सिटी को 33 अरब रुपए की मदद रोकी ट्रम्प प्रशासन ने कोलंबिया यूनिवर्सिटी के खिलाफ सख्त कदम उठाते हुए 400 मिलियन अमेरिकी डॉलर (करीब 33 अरब रुपए) के अनुदान को रद्द कर दिया था।

प्रशासन ने कोलंबिया यूनिवर्सिटी पर भी यहूदी छात्रों के हो रहे उत्पीड़न को रोकने में विफल रहने का आरोप लगाया था। अमेरिकी शिक्षा विभाग, स्वास्थ्य एवं मानव सेवा विभाग, न्याय विभाग और सामान्य सेवा प्रशासन की जॉइंट टास्क फोर्स टु कॉम्बैट एंटी-सेमिटिज्म ने यह कार्रवाई की। कोलंबिया यूनिवर्सिटी ज्यूडिशियल बोर्ड ने गाजा को लेकर हुए विरोध-प्रदर्शन के दौरान हैमिल्टन हॉल पर कब्जे में शामिल छात्रों पर सख्त कार्रवाई भी की है।

अब अमेरिका में 30 दिन से अधिक रुकने पर पंजीकरण अनिवार्य, नियम टूटने पर जुर्माना-जेल-प्रत्यर्पण जैसे दंड

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी ने विदेशी नागरिकों के लिए 30 दिन से ज्यादा समय तक रुकने पर पंजीकरण अनिवार्य कर दिया है। नए नियमों के मुताबिक ऐसे नागरिकों को हर वक्त पंजीकरण का प्रमाण रखना होगा वरना जुर्माना, कैद तथा प्रत्यर्पण जैसा दंड भुगतना होगा। ये नियम विदेशी नागरिकों, वीजाधारकों और कानूनी रूप से उन सभी स्थायी निवासियों पर भी लागू होंगे जिनके पास वैध दस्तावेज नहीं हैं और वे 30 दिन से अधिक समय से अमेरिका में रह रहे हैं।

व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने एक बयान में कहा कि नए नियम राष्ट्रीय सुरक्षा और कानून प्रवर्तन को लेकर हैं। पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा, अमेरिका में 30 दिन से अधिक समय से मौजूद सभी विदेशी नागरिकों को संघीय सरकार में पंजीकरण कराना होगा। ऐसा नहीं करने पर उन्हें जुर्माने के अलावा उन्हें गिरफ्तार भी किया जा सकता है। उन्हें इस प्रकार प्रत्यर्पित किया जा सकता है ताकि दोबारा हमारे देश में न आ पाएं। इससे पहले एक फेडरल जज ने भी ट्रंप प्रशासन को पंजीकरण अनिवार्य करने की मंजूरी दी थी।

सुरक्षा विभाग ने शुरू की पंजीकरण प्रक्रिया ट्रंप प्रशासन के फैसले के तुरंत बाद सुरक्षा विभाग ने विज्ञप्ति जारी कर लोगों पंजीकरण शुरू कराने की अपील की है। विज्ञप्ति में इस बात पर जोर दिया गया है कि 30 दिन से अधिक समय से रहने वाले लोगों के लिए पंजीकरण की समय सीमा 11 अप्रैल है। आगे यह प्रक्रिया पूरे जोर-शोर से लागू की जाएगी। विभाग ने 25 फरवरी को भी घोषणा की थी कि अवैध रूप से रहने वाले विदेशी नागरिक यदि खुद रिपोर्ट नहीं करते हैं तो उन्हें जुर्माना या अभियोजन का सामना करना पड़ सकता है। पंजीकरण के लिए फिंगरप्रिंट और पता दें पंजीकरण कराने वाले नागरिकों को फिंगरप्रिंट देना होगा और अपना प्रमाण के साथ पता देना होगा। 14 वर्ष से कम उम्र के नागरिकों के माता-पिता या अभिभावकों को सुनिश्चित करना होगा कि वे पंजीकृत हैं।

कई समूहों ने दर्ज कराया विरोध ट्रंप प्रशासन के इस कदम का कई समूहों ने विरोध दर्ज कराया है। उनका आरोप है कि अर्थव्यवस्था में योगदान करने वाले कामकाजी लोगों के लिए मुसीबत खड़ी हो जाएगी। अमेरिका में उनके गहरे पारिवारिक ताल्लुक हैं।

अचानक बंद हुआ अरबी भाषा का समाचार चैनल, ट्रंप प्रशासन और मस्क पर लगाया फंडिंग रोकने का आरोप

काहिरा, एजेंसी। पश्चिम एशिया और उत्तरी अफ्रीका में करीब तीन करोड़ दर्शकों तक पहुंच रखने वाला एक अरबी भाषा का समाचार चैनल और ऑनलाइन आउटलेट शनिवार को अचानक बंद हो गया और इसके कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया गया। चैनल ने अमेरिका के डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन और अरबपति कारोबारी एलन मस्क पर वित्त पोषण (फंडिंग) में गैर-जिम्मेदाराना और गैरकानूनी तरीके से कटौती करने का आरोप लगाया।

अल-हुर्रा न्यूज के कर्मचारियों को उनकी बर्खास्तगी के बारे में नोटिस भेजे गए। जिसमें चैनल के प्रमुख जेफरी गेडमिन ने कहा कि उन्होंने अब यह उम्मीद छोड़ दी है कि कांग्रेस (अमेरिकी संसद) द्वारा स्वीकृत धनराशि पर ट्रंप प्रशासन की रोक जल्द हटेगी।

गेडमिन ने अल-हुर्रा, वॉयस ऑफ अमेरिका और विदेश में अन्य अमेरिकी वित्त पोषित समाचार कार्यक्रमों की देखरेख करने वाली अमेरिकी सरकारी एजेंसी में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा नियुक्त कैरी लेक पर आरोप लगाया कि उन्होंने फंडिंग में कटौती के बारे में बात करने के उनके प्रयासों को लगातार नजरअंदाज किया। बर्खास्तगी पत्र में गेडमिन ने लिखा, मुझे अब यही लगता है कि वह (कैरी लेक) जानबूझकर हमें उस फंड से वंचित कर रही हैं, जिससे हम आप जैसे मेहनती और समर्पित कर्मचारियों को वेतन दे सकें। यह पत्र एसोसिएटेड प्रेस को प्राप्त हुआ और अल-हुर्रा

की मूल कंपनी मिडिल ईस्ट ब्रॉडकास्टिंग नेटवर्क की वेबसाइट पर भी साझा किया गया।

दुबई स्थित अल-हुर्रा न्यूज वेबसाइट में कार्यरत मिस्र के पत्रकार मोहम्मद अल-सबाघ ने एसोसिएटेड प्रेस को बताया कि चैनल और वेबसाइट के सभी कर्मचारियों को ईमेल के जरिए अनुबंध समाप्त होने की सूचना दी गई है। अल-हुर्रा उन कई अमेरिकी सरकार द्वारा वित्तपोषित न्यूज़ संस्थानों में शामिल है, जिन्हें हाल ही में फंडिंग में कटौती का सामना करना पड़ा है। इसमें वॉयस ऑफ अमेरिका, रेडियो फ्री यूरोप/लिबर्टी, रेडियो फ्री एशिया जैसे नाम शामिल हैं। इन संस्थानों का कहना है कि ट्रंप प्रशासन और एलन मस्क के सरकारी दक्षता विभाग ने बजट रोक दिया है।

हमास ने जारी किया इजरायली-अमेरिकी बंधक का वीडियो, सुरक्षा को लेकर जताई चिंता

गाजा, एजेंसी। हमास की सैन्य शाखा अल-कस्साम ब्रिगेड ने इजरायली-अमेरिकी बंधक एडन अलेक्जेंडर का एक वीडियो जारी किया है, जिसे 7 अक्टूबर, 2023 से गाजा पट्टी में बंधक बनाकर रखा गया है। शनिवार को जारी वीडियो में एडन शारीरिक और मानसिक रूप से परेशान दिखाई दे रहा है। उसने कहा, मैं यहां क्यों हूं, अपने परिवार और दोस्तों के साथ घर पर क्यों नहीं हूं? समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, एडन का जन्म इजरायल के तेल अवीव में हुआ था और वह अमेरिका के न्यू जर्सी में पला-बढ़ा है। साल 2022 में हाई स्कूल पास करने के बाद वह सेना में भर्ती होने के लिए इजरायल लौट आया था। 7 अक्टूबर, 2023 को फिलिस्तीनी उग्रवादियों ने दक्षिणी इजरायल पर हमले के दौरान उसे अगवा कर लिया था। हमास की ओर से जारी किए गए वीडियो में एडन ने अपनी परेशानियों को बताया और गाजा में चल रही इजरायली सैन्य कार्रवाइयों के बीच अपनी सुरक्षा को लेकर चिंता जताई। उन्होंने इजरायली सरकार पर उनकी रिहाई सुनिश्चित न करने का आरोप भी लगाया। वीडियो जारी होने के बाद इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के कार्यालय ने एक बयान में कहा कि उन्होंने एडन अलेक्जेंडर के परिवार से बात की और आश्वासन दिया कि सभी बंधकों की रिहाई के लिए गहन प्रयास जारी हैं। बता दें कि

इजरायल और हमास के बीच छह सप्ताह का पहला युद्धविराम 1 मार्च को खत्म हो गया और दूसरे चरण की बातचीत रुकी हुई है। उल्लेखनीय है कि 7 अक्टूबर, 2023 के हमले के दौरान बंधक बनाए गए 251 लोगों में से 59 अभी भी गाजा में कैद हैं। इजरायल का मानना है कि इनमें से 24 जिंदा हैं। 14 मार्च को हमास ने कहा कि उसने मध्यस्थों को एडन और चार अन्य बंधकों के शवों को रिहा करने की सहमति दी थी। इजरायली सेना ने 18 मार्च से गाजा में हवाई हमले फिर से शुरू किए हैं। गाजा के स्वास्थ्य अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि इन हमलों में अब तक 1,563 फिलिस्तीनी मारे गए हैं और 4,004 घायल हुए हैं।

यूएई से मुंबई, कन्नूर के लिए 15 मई से दैनिक उड़ानें शुरू : दुबई, एजेंसी। यूएई के फुजैराह अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे ने भारत की इंडिगो एअरलाइन के साथ अपनी साझेदारी की घोषणा की है। जिसके तहत 15 मई से मुंबई और कन्नूर के लिए दो सीधी दैनिक उड़ानें शुरू की जाएंगी। यह नई साझेदारी फुजैराह अमीरात और भारत के बीच संबंधों को मजबूत करने में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है, जो यात्रियों को अधिक यात्रा विकल्प और नए गंतव्यों तक आसान पहुंच प्रदान करती है। इससे संपर्क सुधरेंगे।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी, 149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास, भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

PNB बैंक घोटाले में मेहुल चोकसी ने 13,850 करोड़ का घोटाला

मेहुल चोकसी गिरफ्तारी और उसे भारत लाने की तैयारी से हीरा व्यापारियों में खुशी का माहौल

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

PNB बैंक घोटाले में मेहुल चोकसी ने 13,850 करोड़ का घोटाला किया था और उसके बाद वह अलग-अलग देशों में भागता फिर रहा था। हीरा उद्योग से जुड़े मेहुल चोकसी ने जिस तरीके से हजारों करोड़ रुपए का कर्ज लिया, उससे बैंक के अंदर हीरा उद्योग की छवि खराब हो गई थी। मेहुल चोकसी द्वारा किए गए घोटाले के कारण विदेशी बैंकों ने भी हीरा उद्योग से जुड़े उद्योगपतियों को कर्ज देने में आनाकानी करनी शुरू कर दी थी। दूसरी ओर, देश की कुछ बैंकों ने भी हीरा उद्योग से जुड़े लोगों को कर्ज देने में पीछे हटने की शुरुआत कर दी थी। ऐसे में अब मेहुल चोकसी की गिरफ्तारी और उसे भारत लाने की तैयारी से हीरा व्यापारियों में खुशी का माहौल है।

इस मामले में सूरत के प्रमुख हीरा व्यापारी कीर्ति शाह ने कहा कि बेल्जियम में जिस तरह से मेहुल चोकसी की गिरफ्तारी हुई है, उससे सूरत और देश के हीरा उद्योग से जुड़े व्यापारियों को उम्मीद बंधी है कि अब धोखाधड़ी करके देश छोड़ने वाले व्यक्तियों को सरकार नहीं छोड़ेगी। सरकार लंबे समय से मेहुल चोकसी को भारत लाने की कोशिश कर रही थी। किसी भी उद्योग में जब ऐसे लोग हजारों करोड़ का घोटाला करते हैं, तो व्यापारी और लोग चाहते हैं कि उनके खिलाफ त्वरित कदम उठाए जाएं।

धोखेबाज मेहुल चोकसी की बेल्जियम पुलिस द्वारा गिरफ्तारी के बाद अब भारत लाए जाने की तैयारी, ऐसे लोगों से अविश्वास का माहौल बना है : हीरा व्यापारी।

केंद्र सरकार द्वारा उसे भारत लाने के लिए कई प्रयास किए गए थे, लेकिन सफलता नहीं मिल रही थी। अंतत: सीबीआई ने बेल्जियम पुलिस के जरिए उसकी गिरफ्तारी करवाई है और आने वाले दिनों में मेहुल चोकसी को भारत लाया जाएगा। इस तरह के धोखेबाजों का मानसिकता होती है कि वे देश में करोड़ों का घोटाला करके छोटे-बड़े व्यापारियों को फंसा कर विदेश भाग जाते हैं और वहां जाकर सेटल हो जाते हैं। कुछ नियम ऐसे होते हैं जिनका वे फायदा उठाते हैं। हालांकि, सरकार ने जो प्रयास किए और मेहुल चोकसी को गिरफ्तार करने में सफलता पाई है, उसी तरह बेल्जियम से भारत लाने में भी कोई बड़ी मुश्किल नहीं आएगी।

अब इसके बाद, हीरा उद्योग या किसी अन्य उद्योग से जुड़े धोखाधड़ी करने की मानसिकता वाले लोग सतर्क हो जाएंगे। भले ही वे धोखाधड़ी करके देश छोड़कर किसी अन्य देश में भाग जाएं, लेकिन वहां से भी उन्हें पकड़कर लाया जाएगा और उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी, यह एक उदाहरण प्रस्तुत हुआ है।

नीरव मोदी और मेहुल चोकसी जैसे हीरा उद्योग से जुड़े उद्योगपतियों ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी देश की छवि को बहुत खराब किया था। खासकर हीरा उद्योग से जुड़े होने के कारण नीरव मोदी और मेहुल चोकसी से हीरा उद्योग में अविश्वास का माहौल बना था। हीरा उद्योग को जो लोन की जरूरत थी, वह लोन उचित मात्रा में नहीं मिल रही थी।

सूरत के बड़े उद्योगपतियों, जिन्होंने विदेशों में भी अपनी शाखाएं खोली हैं, वे विदेशों से भी हजारों करोड़ का कर्ज लेकर अपना व्यवसाय चला रहे थे, लेकिन अब उनके ऊपर भी संदेह किया जाने लगा था। बैंकों का दृष्टिकोण हीरा उद्योगपतियों के खिलाफ बदल गया था।

मेहुल चोकसी की गिरफ्तारी और उसे भारत लाने के प्रयासों के तेज होने के साथ-साथ अब ऐसे धोखेबाजों में निश्चित रूप से डर का माहौल बनेगा।

मेहुल चोकसी द्वारा किए गए घोटाले में 13,850 करोड़ की राशि सामने आई थी। मेहुल चोकसी द्वारा किए गए घोटाले का असर सूरत के हीरा उद्योग पर भी पड़ा था। मेहुल चोकसी की मिलकातों को भी अब जांच के दायरे में लिया गया है। मेहुल चोकसी के सूरत के साथ भी व्यापारिक संबंध सामने आए थे। वर्षों पहले मेहुल चोकसी ज्वेलरी मैन्युफैक्चरिंग का काम भी सूरत से करता था। वह सूरत की ज्वेलरी बनाने वाली कंपनियों के संपर्क में रहकर यहां से मैन्युफैक्चर की गई ज्वेलरी को विदेशों में एक्सपोर्ट करता था, ऐसी चर्चाएं थीं।

बेल्जियम पुलिस ने सीबीआई के कहने पर मेहुल चोकसी की गिरफ्तारी की है। इसके परिणामस्वरूप उम्मीद बंधी है कि अब धोखेबाज मेहुल चोकसी को जल्द भारत लाकर उसके द्वारा किए गए घोटाले की सजा दी जाएगी।

सचिन में 'गड्डी गैंग' फिर सक्रिय

मजदूर से कागज़ की गड्डी देकर 35 हज़ार ठगे, दोनों आरोपी गिरफ्तार

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत सचिन GIDC की यूनियन बैंक में पैसे जमा कराने गए एक युवक को दो ठगों ने शिकार बनाया। ठगों ने युवक को एक रुमाल में कागज़ की गड्डी थमा दी और उसके बदले में 35 हज़ार रुपये लेकर फरार हो गए। पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस के अनुसार, मूल रूप से उत्तर प्रदेश के रहने वाले और सूरत के पाली गेम्स महावीर सोसायटी में रहने वाले 33 वर्षीय राम बहादुर राम मनोहर कश्यप, कलाटेक्स कंपनी में ज़री मशीन पर मजदूरी करते हैं। 17 मार्च को वह अपनी और अपनी पत्नी की तनख्वाह यूनियन बैंक में जमा कराने गए थे।

राम बहादुर को बैंक की स्लिप भरनी नहीं आती थी, इसलिए वह आसपास के लोगों से मदद मांग रहे थे। तभी वहां दो व्यक्ति आए, जिनमें से एक ने स्लिप भरने में मदद की पेशकश की और दूसरा व्यक्ति पास ही खड़ा रहा।

स्लिप भरते वक्त उस व्यक्ति ने राम बहादुर को बताया कि उसके पास 1.40 लाख रुपये नकद हैं और उसका खाता इंडियन बैंक में है। उसका साथी गांव जा रहा है इसलिए उसके पास पैसे जमा कराने का समय नहीं है। उसने राम बहादुर से कहा कि वह उसके पैसे रख ले और बदले में अपने 30-35 हजार रुपये दे दे।

राम बहादुर झांसे में आ गया। उन्होंने रुमाल में बंधी नकदी की गड्डी ली और ठगों को 35 हजार रुपये दे दिए। जब संदेह हुआ और उन्होंने रुमाल खोला, तो ऊपर केवल एक असली 500 की नोट थी, बाकी सब कागज़ के टुकड़े थे।

घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने बैंक और ATM क्षेत्रों में निगरानी बढ़ा दी। जांच के दौरान पुलिस की एक टीम ने SBI बैंक के ATM के पास से दो आरोपियों - शैलेश उर्फ पिंटू राम शिरोमणि पाठक (निवासी- चंदनवन सोसायटी, शिवजी चौक, विजलपुर, नवसारी, मूल रूप से उत्तर प्रदेश) और संजय उर्फ अमर मिठाई लाल राजभर (उम्र 29, निवासी- रामनगर, विभाग तीन, छपरा रोड, नवसारी, मूल रूप से उत्तर प्रदेश) - को गिरफ्तार किया।

पुलिस इंस्पेक्टर श्री के.ए. गोहिल के मार्गदर्शन में, सर्विलांस स्टाफ के पुलिस सब इंस्पेक्टर श्री एच.आर. पटेल के नेतृत्व में सर्विलांस स्टाफ के एएसआई मोहम्मद इरसाद गुलाम सादिक और अ.हे.को. राहुलकुमार अनंतराव ने तकनीकी निगरानी और मानव स्रोतों के आधार पर कार्रवाई की।

इस दौरान, सचिन जीआईडीसी क्षेत्र में सागर होटल के पास एसबीआई बैंक के एटीएम से संबंधित मामले में शामिल दो आरोपियों को माल समेत पकड़ लिया गया।

पुलिस गांजा माफिया को पकड़ने 1500 किलोमीटर दूर पहुंची

ओडिशा में सब्जी विक्रेता, रिक्शा चालक का भेष धारण कर आरोपी को पकड़ा

गांव के ही युवाओं को नशे के काले कारोबार में धकेलता था

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के सायण इलाके में रहने वाले अपने भाई से मिलने ओडिशा के गंजाम से सूरत आए एक युवक को वराछा पुलिस ने एक महीने पहले वराछा अशोकनगर रेलवे ट्रैक के पास से 6.42 किलोग्राम गांजे के साथ गिरफ्तार किया था। पकड़ा गया युवक पेमेंट का इंतजार कर रहा था और उसी दौरान पकड़ा गया। पूछताछ में उसी के गांव के विमलकुमार का नाम सामने आया। इसके बाद सारोली पुलिस के तीन पुलिसकर्मी गांजा भेजने वाले विमल को पकड़ने के लिए सूरत से 1500 किलोमीटर दूर ओडिशा के गांव पहुंचे। वहां उन्होंने सब्जी विक्रेता और रिक्शा चालक का भेष धारण कर गांजा माफिया विमल को गिरफ्तार किया।

गत 3 मार्च 2025 को वराछा पुलिस ने अशोकनगर रेलवे ट्रैक के पास से सूचना के आधार पर बिक्रम उर्फ़ शीलू पृथ्वी सिधर स्वाईं को 64,240 मूल्य के 6 किलो 424 ग्राम गांजे के साथ गिरफ्तार किया था। पुलिस ने उसके पास से मोबाइल फोन, 70 नकद, थैला आदि सहित कुल 69,130 का माल जब्त किया था।

आरोपी बिक्रम से पूछताछ में पता चला कि उसका भाई सायण में रहता है और वह उससे मिलने अपने गांव से सूरत आया था। जब बिक्रम सूरत आ रहा था, तब उसके हमवतन बिमल उर्फ़ शानो स्वाईं ने उसे गुरू को डिलीवरी देने के लिए गांजे की खेप दी थी। बिमल ने गुरू को पेमेंट के लिए एक क्यूआर कोड भेजा था और कहा था कि पेमेंट आने के बाद ही गांजा देना है। इसलिए बिक्रम ने गुरू को क्यूआर कोड भेजा और पेमेंट का इंतजार कर रहा था, तभी वराछा पुलिस ने उसे धर दबोचा।

पुलिस ने इस मामले में केस दर्ज कर बिक्रम को गिरफ्तार किया और बिमल व गुरू को वांटेड घोषित किया था। इसी दौरान ओडिशा से सूरत में गांजा पहुंचाने वाले इस रैकेट में सारोली पुलिस ने बिमल को पकड़ने की तैयारी शुरू कर दी थी। आरोपी बिमल ओडिशा राज्य के गंजाम जिले के लाठीपाड़ा गांव में होने की पक्की जानकारी मिलने पर तुरंत ओडिशा के गंजाम में जांच के लिए एक टीम बनाई गई थी। सारोली पुलिस के एएसआई रमेश हरिभाई, भरत नाजाभाई और अ.पोलि.का. वैभव पदमशीभाई की टीम गठित की गई, जो पीआई संदीप वेकरिया के मार्गदर्शन में 1500 किलोमीटर से ज्यादा दूर ओडिशा पहुंची थी।

सारोली पुलिस के तीनों पुलिसकर्मियों ने तीन दिनों तक सब्जी विक्रेता, रिक्शा चालक और गांव के व्यक्ति का भेष धारण कर निगरानी रखी थी। आरोपी बिमल उर्फ शानो इंद्रा स्वाईं को गंजाम जिले के लाठीपाड़ा गांव में जाकर फेरीवाला और सब्जी विक्रेता के रूप में पहचान कर उसे गिरफ्तार कर लिया और कानूनी कार्रवाई शुरू की गई। आरोपी ने गांव के ही एक युवक को ओडिशा से सूरत में गांजा तस्करी के रैकेट में शामिल किया था। सारोली पुलिस बिमल से आगे पूछताछ कर रही है कि अब तक सूरत में कितनी मात्रा में गांजा पहुंचाया गया है और उसके अन्य साथी कौन-कौन हैं, इसकी भी जांच की जा रही है। साथ ही, सूरत में जिस 'गुरु' को गांजा सौंपना था, उसकी भी तलाश की जा रही है।

जलती हुई गर्मी में हेलमेट पहनना मुश्किल

शहर क्षेत्रों में हेलमेट का कानून रद्द किया जाना चाहिए:पूर्व विधायक

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

अप्रैल महीने में ही राज्यभर के लोग मई जैसी भीषण गर्मी का अनुभव कर रहे हैं। लगातार झुलसाती गर्मी के कारण लोग बेहाल हो उठे हैं। असहनीय उमस और गर्मी से लोग परेशान हो गए हैं।

एक तरफ गर्मी में घर से बाहर निकलना ही स्वास्थ्य के लिए खतरा बन गया है, वहीं हेलमेट पहनकर वाहन चलाना भी स्वास्थ्य के लिए नुकसानदायक साबित हो सकता है। लगातार ट्रैफिक सिग्नलों पर हेलमेट पहनकर वाहन चालकों के लिए खड़े रहना संभव नहीं है।

ऐसे में हेलमेट के कानून को लेकर नाराजगी जताते हुए पूर्व विधायक धीरू गजेरा ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखा है।

पूर्व विधायक ने पत्र में लिखा है कि जनता के लिए शहर के इलाकों में हेलमेट पहनना स्वास्थ्य के लिए जोखिमभरा है, क्योंकि दोपहर के समय जब तापमान 40 से 45 डिग्री होता है, तब शहर के किसी भी हिस्से में जाना हो तो 300 से 400 मीटर लंबे सिग्नल पार करने पड़ते हैं, और इस गर्मी में यह जनता के लिए खतरनाक है।

अगर किसी न्यूरोलॉजिस्ट (मस्तिष्क रोग विशेषज्ञ) की राय ली जाए तो वे भी कहेंगे कि शहरी क्षेत्रों में हेलमेट पहनना जोखिम है।

जो लोग जनता की सुरक्षा की बातें करते हैं, वे एसी चैंबर में बैठकर फैसले लेते हैं। एक बार खुद इस गर्मी में शहर में घूमकर देखें तो उन्हें असली हालात का अंदाजा होगा।

पूर्व विधायक धीरू गजेरा ने कहा कि जनता के लिए हेलमेट, सड़क पर पड़े गड्ढे, कचरे के ढेर और गटर जैसी समस्याएं हैं। जनता हेलमेट पहनकर गर्मी में बीमारियों का शिकार हो रही है। इसलिए मेरी अपील है कि आप इस निर्णय पर पुनर्विचार करें और शहर के इलाकों से हेलमेट के कानून से मुक्ति दें।

जनता मंदिर जाती है, शादी के समारोह में, श्रद्धांजलि में, स्कूलों में, और कई बार गाड़ियों से चोरी भी हो जाती है। इसलिए मेरी जनता से अपील है कि आप अपने क्षेत्र के सांसद, विधायक और नेताओं से भी पत्र लिखवाकर इस मामले को उठाएं।

"छह महीनों से युवती को परेशान करने वाले तीन लोगों की गिरफ्तारी"

युवती के पिता को जान से मारने की धमकी दी थी,अश्लील संदेश भेजते थे।

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के उधना इलाके में एक युवती का पीछा कर उसे पिछले छह महीनों से लगातार अश्लील इशारे कर, जबरन बात करने का दबाव बनाने वाले युवक और उसके दो साथियों ने युवती के पिता को पुलिस में शिकायत न करने के लिए फैक्ट्री में जाकर जान से मारने की धमकी दी थी। आखिरकार तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। मुख्य आरोपी बेरोजगार है।

पीड़ित युवती के अनुसार, आरोपी ओमप्रकाश उर्फ ननका रामखदेरु धुरिया पिछले छह महीनों से जब भी वह काम पर जाती थी, तब उसका पीछा कर उसे परेशान करता था। उसने कई बार जबरन बात करने की कोशिश की थी। इसके अलावा, उसने मोबाइल पर व्हाट्सएप के जरिए अश्लील संदेश भेजे और अलग-अलग फेसबुक आईडी के जरिए भी यौन उत्पीड़न करने वाले मैसेज भेजे थे।

जब युवती घर पर अकेली थी, तब उसने हाथ पकड़कर छेड़छाड़ की कोशिश की।

यह मामला तब और बढ़ गया जब एक दिन शिकायतकर्ता युवती घर पर अकेली थी, तभी ओमप्रकाश घर में घुस आया और उसका हाथ पकड़कर छेड़छाड़ करने की कोशिश की। उस समय युवती बहुत घबरा गई थी, लेकिन स्थानीय लोग मौके पर पहुंचने से पहले ही आरोपी वहां से भाग गया।

इस घटना से नाराज़ युवती के पिता ने जब पुलिस में शिकायत करने की बात कही, तो आरोपी ओमप्रकाश और उसके दो साथी राहुल जयनारायणसिंह और जीतू नवल जादव शिकायतकर्ता के पिता की फैक्ट्री में पहुंचे और खुलेआम धमकी दी कि अगर उन्होंने शिकायत की तो उन्हें जान से मार दिया जाएगा।

गिरफ्तार आरोपी:

1. ओमप्रकाश उर्फ ननका रामखदेरु धुरिया (उम्र- 25 वर्ष, व्यवसाय- बेरोजगार, निवासी- प्लॉट नंबर 135, प्रभुनगर, BRC, उधना, सूरत, मूल निवासी- गांव - अखंडनगर, तहसील-जिला - जौनपुर, उत्तर प्रदेश)
2. राहुल जयनारायणसिंह (उम्र- 32 वर्ष, व्यवसाय- नौकरी, निवासी- प्लॉट नंबर 233, केशवनगर सोसाइटी, भेस्तान गार्डन के पास, भेस्तान, सूरत, मूल निवासी- गांव - मांडाबादपुर, तहसील-जिला - इलाहाबाद, उत्तर प्रदेश)
3. जीतू नवल जादव (उम्र- 25 वर्ष, व्यवसाय- टेंपो ड्राइवर, निवासी- प्लॉट नंबर 86, प्रभुनगर, अब्बास दादानी चाल, BRC, उधना, सूरत, मूल निवासी- गांव - मांगरुळ, तहसील - पारोला, जिला - जलगांव, महाराष्ट्र)

उधना पुलिस स्टेशन में तीनों आरोपियों के खिलाफ छेड़छाड़, धमकी देना और मैसेज के जरिए अश्लीलता फैलाने जैसी गंभीर धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। फिलहाल पुलिस ने तीनों आरोपियों को कोर्ट में पेश कर रिमांड लेने की प्रक्रिया शुरू की है। पुलिस ने बताया कि आरोपियों के पास से मोबाइल समेत डिजिटल सबूत भी जब्त किए गए हैं और मामले की आगे की जांच जारी है।